RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 June, 2016

अंक - 12 (मासिक) वर्ष - 11 जून, 2016 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

मन मन अमृत

विश्व कीर्तिमान सिंहस्थ-2016

8 करोड़ से अधिक लोगों ने पावन शिप्रा में लगाई डुबकी

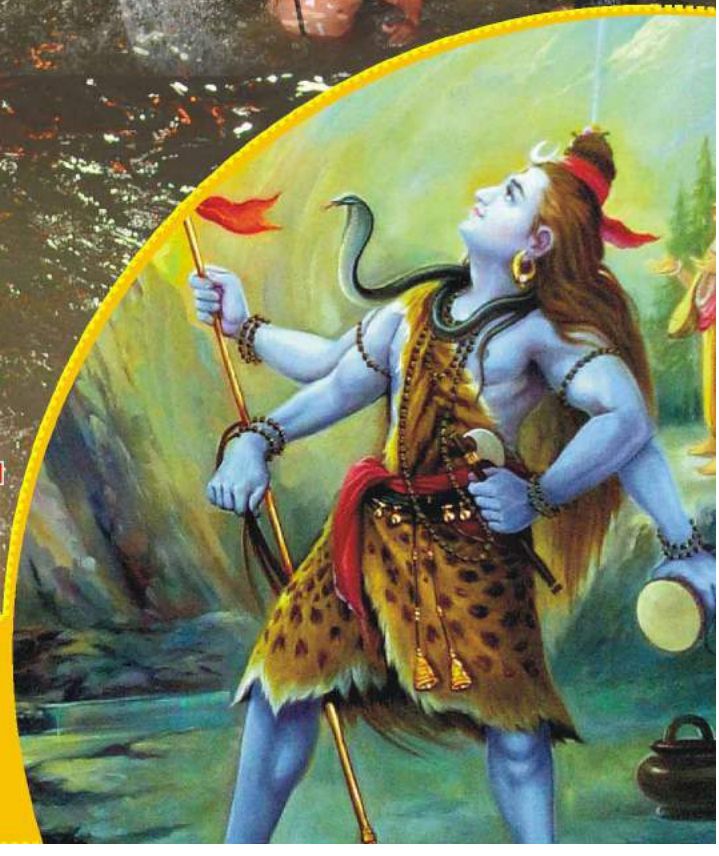

INTERNATIONAL MAHESHWARI RAJASTHANI CONVENTION 2016

July 1st -July 4th ▪ Stamford, CT

हार्दिक शुभकामनाएँ

महेश नवमी 2016

जय महेश

International Maheshwari Rajasthani Convention 2016

IMRC 2016 BOSTON NEWENGLAND

July 1st - July 4th ■ Stamford, CT

DJ
DANCE
DATING
DHAMAKA
DESI COMEDY

रंग तरंग और उमंग को सजायो है त्यौहार
नैणा बाट जोहै थांकी, करबा नै सत्कार

FUN
FOOD
FROLIC
FRIENDS
FAMILY

Convener: Mona Khaitan –monakhaitan@gmail.com
Co-Convener: Abhilasha Rathi –abhilasha_rathi@yahoo.com
Register at: https://imrc.mmna.org/

MMNA's Got Talent
Submit your entries by April 30th 16

Sponsor the event

- Grand Patron $25000/-
- Patron $20000/-
- Diamond $15000/-
- Emerald $10000/-
- Ruby $5000/-
- Platinum $2000/-
- Gold $1000/-
- Silver $500/-
- Bronze $250/-
- Brass $125/-

Book and enjoy group pricing while they last

Hilton Stamford Hotel & Executive Meeting Center
1 First Stamford Place Stamford, CT 06902
203-967-2222 Promo Code: MMNA

Contribute to Souvenir IMRC 2016

- Health
- Travel
- Financial
- Spiritual
- Social Issues
- General Topics
- Poems/ Proverbs/ Jokes
- Paintings/ other art work
- Inspirational/ Motivational
- Accomplishments / Awards
- Cooking Recipes – Nutritional Style
- Milestone Anniversaries/ Celebrations
- IMRC 2016 Theme-Rang, Tarang, Umang
- Preparation for post-secondary education

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-12 ▸▸ जून, 2016 ▸▸ वर्ष-11

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
CA बी.एल. राठी (कोलकाता)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

मन मन अमृत

विश्व कीर्तिमान सिंहस्थ-2016

8 करोड़ से अधिक लोगों ने लगाई मोक्षदायिनी शिप्रा में डुबकी

श्री माहेश्वरी टाईम्स की
विनम्र अपील

समाज के उत्पत्ति दिवस
'श्री महेश नवमी'
की पूर्व संध्या पर
अपने आवास एवं प्रतिष्ठान पर
एक दीपक
समाज की एकता, अखण्डता
व गरिमा के नाम
अवश्य लगायें

और गर्व करें
हम हैं माहेश्वरी

महेश नवमी के शुभ अवसर पर हार्दिक मंगलकामनाएँ
श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

सिंहस्थ के सबक.....।

सिंहस्थ यानी कुंभ, एक ऐसा अवसर जब समाज को प्रभावित करने वाले धर्माचार्य, समाजसेवी और विद्वान एकत्र होकर वैचारिक समुद्र मंथन से ऐसे रत्न निकालते हैं, जो समाज को सुखी-समृद्ध और संपूर्ण बनाने के लिए जरूरी हैं। समुद्र मंथन की कथा का सार यही है कि मंथन के पहले दौर में विष यानी उन तत्वों को बाहर करना, जो समाज और जीवन के लिए नुकसानदायी हैं तथा अंत में उस अमृत को प्राप्त करना, जो समाज और जीवन को कालजयी बना सके। इन दो तत्वों के बीच कई सारे रत्न भी हमें मिलेंगे जिनका अपनी प्रकृति के अनुसार उपयोग है।

उज्जैन का सिंहस्थ इस मायने में सबसे समृद्ध सिंहस्थ है, जो पारंपरिक आयोजन को पीछे छोड़ता हुआ विश्व को संदेश देने के साथ संपन्न हुआ है। म.प्र. सरकार ने सिंहस्थ के बहाने प्रदेश के प्राचीन तीर्थ उज्जैन को धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया। यह एक बड़ी उपलब्धि है, तो विश्व स्तर पर इसे चर्चित और सुर्खियां बनाने का जतन। भारतीय संस्कृति के प्रति विश्व का नजरिया बदलने का सार्थक प्रयास भी हुआ। सिंहस्थ में शंकराचार्य और अन्य साधु-संतों के पंडालों में भी इसका असर दिखाई दिया, जिन्होंने धार्मिक मुद्दों के साथ सामाजिक पहलुओं जैसे बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, स्वच्छता, जल संरक्षण, पर्यावरण और ऐसे अनेक मुद्दों को भी अपनी आध्यात्मिक धारा का अंग बनाया। नतीजतन पूरा मेला ही भजन पूजन, कीर्तन, कथा, भागवत के साथ विचार का भी बड़ा मंच बन गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंतरराष्ट्रीय विचार महाकुंभ से 51 बिंदुओं का विश्व को संदेश यह संकेत था कि भारत आज भी विश्व गुरु की महिमा रखता है। निश्चित ही सिंहस्थ 2016 एक ऐसा पथ प्रदर्शक बन गया है, जिसके पदचिह्नों पर चलना अब हर ऐसे आयोजन का एजेंडा होना चाहिए। संतों ने भी शिप्रा शुद्धिकरण अभिमान और पौधारोपण का अपने अनुयायियों को संकल्प दिलाकर नई शुरुआत की है। निश्चित है इसके अच्छे परिणाम सामने आएंगे। वास्तविकता तो यही है कि समूची भारतीय संस्कृति प्रकृति और पुरुष के बीच बेहतरीन तालमेल की आचार संहिता है, लेकिन आधुनिकता के नाम पर भारतीय परंपराओं को परे धकेलने से हम प्रकृति से दूर होते चले गये। सिंहस्थ के ये आयोजन हमें फिर प्रकृति के करीब लाएंगे। ताकि मालवा की धीर-गंभीर धरा को 46-47 डिग्री तक दहकती गरमी से रेगिस्तान होने से बचाया जा सके। यह संदेश केवल मालवा के लिए ही नहीं समूचे विश्व को है। भारतीय संस्कृति ही रास्ता दिखा सकती है, जो नदियों, पहाड़ों, पेड़ों को देवता मानती है। चिंतन की यह धारा अब आने वाले अन्य कुंभों में भी जारी रखने की आवश्यकता है। सिंहस्थ के समापन के बाद अब बारिश की झमाझम होने को है। हम सभी संकल्प लें कि पर्यावरण संतुलन के लिए अपने आसपास एक पौध लगाएं और उसे पल्लवित करें।

हमारे लिए हमारा विशिष्ट पर्व आने वाला है, हमारा उत्पत्ति पर्व 'महेश नवमी'। सभी ने इसे पूर्ण उत्साह के साथ मनाने की तैयारी की है। यह हमारा एक विशिष्ट पर्व है, अतः आइये इसे और भी गौरव प्रदान करें। इस महापर्व की संध्या के समय एक दीप प्रज्जवलित करें हमारे एकता व अखण्डता के नाम। इसकी रोशनी आपको अवश्य ही गर्व से सराबोर कर देगी।

यह अंक सिंहस्थ की यादों को सहेजने का एक प्रयास तो है ही। अंक में आप सभी स्थायी स्तंभों के साथ अन्य पठनीय सामग्री भी पाएंगे। अंक के बारे में अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवगत कराना न भूलें। जय महेश।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

आत्म चिंतन करें क्या थे, क्या हो रहे हैं हम?

कोलकाता निवासी 54 वर्षीय ख्यात सीए श्री भंवरलाल राठी का जन्म नोखा जिला बीकानेर (राजस्थान) में श्री मुरलीधर-कमलादेवी राठी के यहां हुआ था। आपकी प्रारंभिक शिक्षा नोखा से ही हुई। इसके पश्चात कॉलेज स्तर की शिक्षा जयपुर व सीए की कलकता से प्राप्त की। वर्ष 1986 से आप कलकता में चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में सेवारत हैं। व्यावसायिक व्यस्तताओं के बावजूद समाजसेवा के क्षेत्र में भी आप सतत रूप से अपना योगदान देते रहे हैं। आप पूर्व कोलकाता माहेश्वरी सभा तथा लायंस क्लब ऑफ कलकता 'संगिनी' के संस्थापक सचिव रहे हैं। नोखा नागरिक संघ कोलकाता व वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सचिव, कलकत्ता पिंजरापोल सोसायटी के ऑडिट सेक्रेटरी, पूर्व कोलकाता माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष के रूप में भी सेवा दे रहे हैं। भारत चेम्बर ऑफ कॉमर्स की डायरेक्टर एंड कम्पनी अफेयर्स कमेटी के सदस्य तथा अवंतिका शार्क इंटरनेशनल लायंस क्लब सुरसिद्धि के मेम्बर सोश्यल कम कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन के रूप में भी सेवा दे रहे हैं।

सर्वप्रथम मैं समस्त समाजजनों को समाज के पावन उत्पत्ति पर्व "महेश नवमी" की शुभकामनाऐं देता हूँ। इसके साथ ही भगवान महेश से कामना करता हूँ कि वे सभी के जीवन को कलुषता, स्वार्थता आदि दोषों से दूर रख सुख-शांति व सदाचार से परिपूरित रखें।

सम्पूर्ण समाज ने महेश नवमी पर्व को अत्यंत उत्साह के साथ जोर-शोर से मनाने की तैयारी की है। वास्तव में यह होना भी चाहिये। इसे भव्य रूप में मनाऐंगे तभी तो हमारी भावी पीढ़ी इसके महत्व को जान सकेगी। इसके साथ ही देश में अपने अस्तीत्व की स्थापना के लिये भी तो यह जरूरी है। जब तक हम स्वयं अपने आपके ऊपर माहेश्वरी होने पर गर्व नहीं करेंगे, तो अन्य लोग हमें क्यों सम्मान देंगे? इसी दिन भगवान महेश ने हमसे शस्त्र लेकर हमें वैश्य धर्म की शपथ दिलवाई थी। यही शपथ समाज की शक्ति बनी, जिसने हमें सफलता के शिखर तक पहुंचा दिया।

वर्तमान में 'महेश नवमी' पर्व अपने पहचान व गौरव स्थापित रखने के लिए मनाना जरूरी है, लेकिन इसी से इस पर्व का उद्देश्य पूर्ण नहीं होता। आज आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है कि हम क्या थे और क्या बनने जा रहे हैं? भगवान महेश ने जिन आदर्शों से हमें परिपूरित किया था, यदि हम उनसे दूर हो जाएंगे तो अपनी पहचान व अपनी गरिमा को ही खो देंगे।

अतः आवश्यकता है कि समाज संगठन सजग रहें और सदस्यों को उचित दिशा निर्देश दें कि अपने बच्चों से निरंतर बातचीत व सम्पर्क में रहें। हम उन्हें समाज के गौरव के बारे में बतायें। इन्हें मानवीय गुणों व शारीरिक रूप से सशक्त करें व हमारे सभी धर्मग्रंथों की प्रारंभिक जानकारी दिलवाये। समय-समय पर समाज संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य व संस्कार पर युवाओं के लिये नये-नये शोध करके युवाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य आदि विषयों पर विभिन्न संचार माध्यमों व प्रकल्पों से मार्गदर्शन प्रदान करें।

आज हम महसूस कर रहे हैं कि हमारे युवा व बच्चे न सिर्फ नौकरियाँ करें बल्कि व्यापार, उद्योग, व्यवसाय, प्रशासनिक सेवा, शिक्षाविद्, कानूनविद् जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भी महारत हासिल करें। हमारे समाज की जो बढ़त और प्रतिष्ठा व्यापार व उद्योग क्षेत्र में है, वो इनके साथ-साथ सभी क्षेत्र में भी विकसित करें। हमें बदलाव लाकर बदलाव को चुनौती समझकर आगे बढ़ना होगा। विवाह संबंध की समस्या एक बहुत बड़ी चुनौती बनकर सामने आ गई है, लेकिन हम मिलकर इसे बहुत सरलता से हल कर सकते हैं, बस जरूरत है निरंतर संपर्क और सूचना के आदान-प्रदान की। जब तक आपस में माहेश्वरी समाज में संबंध विवाह आदि होंगे, तब तक ही हमारा माहेश्वरी समाज बचा रहेगा।

अतः आईये इस पावन पर्व पर शपथ लें कि हम आत्म चिंतन करेंगे और अपने आदर्शों को अपने जीवन में उतारेंगे। इतना ही नहीं अन्यों को भी इसके लिये प्रेरित करेंगे।

जय महेश।

भंवरलाल राठी
अतिथि सम्पादक

श्री जीवण माताजी (चोखड़ा)

श्री जीवण माता माहेश्वरी समाज के चोखड़ा खाँप की कुल देवी हैं।

जोधपुर (राज.) के निकट मण्डोरा कस्बे की जूनी बस्ती में श्री जीवण माताजी का मन्दिर राजस्थान में सम्यक भवन मार्ग पर श्री जैन श्वेताम्बर खतर गच्छ आदेश्वर जिनालय व शाही मस्जिद के पास स्थित है। वैसे तो मन्दिर का स्थापत्यकाल जोधपुर रियासत की एक समय राजधनी रही मण्डोर में किले के निर्माण काल से ही जोड़कर माना जाता है किन्तु पूर्ण खण्डहर हो चुके मन्दिर का विधिवत जिर्णोद्धार सन् 2000 में हुआ। सामाजिक मित्रों के साथ अनोपचारिक बैठक में बैठे श्री भवनेश माथुर, जोधपुर की आयान की जागी चेतना के फलस्वरूप प्रस्तुत प्रस्ताव की परिणति में तत्काल योजना बनी व उसी समय एकत्रित 61 हजार की सहयोग राशि से निर्माण प्रारंभ हुआ। अन्य निर्माण अभी चल रहा है।

पूजा व आरती

मन्दिर का समस्त कार्य संचालन कायस्थ समाज की बनी समिति की सम्मति से 90 वर्षीय गीता बाई चौधरी अपनी दोहित्री व सुपौत्री पूनम चौधरी के सहयोग से सम्पन्न करती हैं।गंगा बाई दोनों समय प्रातः-संध्या आरती व पूजन पूर्ण लगन से करती है। इससे पूर्व पूनम चंद माथुर यह सेवा कार्य करते थे।

उत्सव-आयोजन

अक्षय तृतीया के पश्चात् की पंचमी (इस वर्ष 29 अप्रेल 09) को स्थापना दिवस पर विशाल पाटोत्सव बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है, विशाल भण्डारा भी होता है। इसी प्रकार होली के बाद की पंचमी को फागोत्सव भी अच्छे स्तर पर मनाया जाता है। दोनों (शारदीय व चौथी) नवरात्र को सत्संग, भजन, कीर्तन व भोग आदि नौ दिनों तक होता है, माँ को सभी मिष्ठान का भोग लगाया जा सकता है। चमत्कारों की श्रृंखला में पूर्ण विश्वास से की गई मनौतियां सदैव फलीभूत हुई है। प्रारंभिक उत्सव पर अत्यन्त छोटे पैमाने पर मात्र 50 भक्तों के लिये तैयार की गई प्रसादी को 150 से अधिक भक्तों ने ग्रहण कर लाभ लिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने अनचाहा स्थानान्तर बच्चों की शिक्षा व पारिवारिक प्रतिकूलताओं के कारण नियुक्ति स्थल पर जाने से पूर्व माँ से विनती कर मनौती की व केवल 15 मिनिट के अन्तराल से ही स्थानान्तर स्थागित हो जाने का समाचार प्राप्त हुआ। चिकित्सकों ने अपनी रिपोर्ट में सन्तान सुख भाग्य में नहीं होना लिखा किन्तु माँ की कृपा व मनौती से एक वर्ष में ही सन्तान को गोदी में खिलाया ऐसे कई चमत्कारों की क्रमबद्ध श्रंखला सी है। बेंगलुर के एक माहेश्वरी परिवार प्रतिवर्ष मनौती सिद्ध होने से नियम पूर्वक यहाँ आते हैं।

कैसे पहुंचें

जोधपुर प्रत्येक प्रमुख शहर से रेल, बस व हवाई सेवा से जुड़ा हुआ है। जोधपुर उत्तर पश्चिम रेलवे का महत्वपूर्ण जंक्शन भी है। रेलवे स्टेशन के ठीक सामने वाले मार्ग पर स्थित राज रणछोड़ राय मन्दिर के यहाँ से नगर सेवा की बस प्रति 5 मिनट के अन्तराल से उपलब्ध होती है। 10 कि.मी. की दूरी 15 मिनिट में तय कर मण्डोर के बस स्टेण्ड पर उतर कर वहाँ से केवल 5 मिनीट की पैदल दूरी पर माँ का मन्दिर है।

कहाँ ठहरें

मंदिर परिसर में दो हॉल व सुलभ सुविधाएं हैं। सम्पन्न स्तर की सुविधाएँ 10 कि.मी. दूर जोधपुर में आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं। स्टेशन के सामने सेठ रघुनाथ धर्मशाला सफाई व अन्य कारणों से श्रेष्ठ मानी जाती है।

सम्पर्क- मन्दिर परिसर - 0291-2529014 (गंगाबाई)
भवनेश माथुर- 09829814822,0291-2757927.

विशेष व अतिरिक्त जानकारी के लिये-

प्रहलाद मण्डोवरा 23, तेजानगर प्रखण्ड क्र. एक रतलाम, फोन- 07412-265159 मो. 093290-32320

BOARD OF DIRECTORS

RAMESH KUMAR BUNG
Chairman Emeritus

PURSHOTAMDAS MANDHANA
Chairman

RAMPAL ATTAL
Vice-Chairman

DIRECTORS

BRIJGOPAL ASAWA | CHAINSUKH KABRA | KAMALNARAYAN RATHI | KRISHNA CHANDRA BUNG | LAXMINARAYAN RATHI

NANDKISHORE HEDA | OMPRAKASH JAKHOTIYA | Smt. PUSHPA BOOB | RAMPRAKASH BHANDARI | SRIGOPAL BUNG

SRIKANTH INANI | SRINIVAS ASAWA | CA KISHAN GOPAL MANIYAR | CS SUMAN HEDA | UMESH CHAND ASAWA
PROFESSIONAL DIRECTORS | M. D. & CEO

SALIENT FEATURES

- IMPS – Merchant Payment Service – for online payment of Electricity, Telephone bills and booking flight, bus and hotel bookings.
- Direct RTGS / NEFT Facility.
- RuPay Debit Card facility – Access to more than two lakh ATMs of NFS Member Bank's and merchant establishments in the country.
- Point of Sale Services (POS).
- Inward remittance facility from abroad through Western Union Money Transfer.
- e-Tax payment - Income Tax, Service Tax, Excise, VAT etc., and e-Seva facility at select branches.
- Bancassurance for Life Insurance solutions.
- Mutual Fund Business in tie-up with Reliance Capital Asset Management Co. Ltd.
- Acceptance of NR(E) Deposits.
- Foreign Exchange transactions under AD Category-II.
- Basic Savings Bank Deposit Accounts (under "Financial Inclusion").
- Tax Savings Deposit under Section 80C of Income Tax Act.
- Missed Call Service & Statement of Account through e-mail facility.
- CCC - "Customer Contact Centre" - One Stop Hub help-line desk.
- Loans & Advances to Traders, Businessmen, SSIs, Personal Loans, Consumer Loans, Professional Loans, Educational Loans, Housing Loans, Gold Loans & Loans against NSCs, KVPs etc.

* Conditions apply

FUTURE PLANS

- Introducing VISA Debit Card Facility, e-Lobby.
- Expansion of branch network.

महेश बैंक ESTD. 1978

महेश बैंक MAHESH BANK మహేశ్ బ్యాంక్

A.P. MAHESH CO-OP. URBAN BANK LTD.

(Multi-State Scheduled Bank)

H.O. : 5-3-989, 3rd Floor, Sherza Estate, N.S. Road, Osmangunj, Hyderabad - 500 095 (T.S.) INDIA

Tel.: +91 40 2461 5296, 2461 5299, 2343 7100 – 103 / 2343 7105, Fax : +91 40 2461 6427

41 BRANCH Network | NET Banking | RTGS / NEFT Facility | Point of Sale Services | Mutual Fund Services | Easy Credit for Trade & Industry | FOREIGN EXCHANGE FACILITY | Life Insurance Services | 100% CBS BRANCHES Anywhere Banking

E-mail: info@apmaheshbank.com

Website: www.apmaheshbank.com

संकल्प पर्व के रूप में मनाएं महेश नवमी

समस्त समाजजनों को समाज के उत्पत्ति पर्व महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ। भगवान महेश से कामना करते हैं कि वे सभी का जीवन आनंद एवं सुख से परिपूर्ण करें। यह पर्व जिस हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है, उसी उल्लास के साथ इस पर्व के आदर्शों को भी आत्मसात करना होगा। आत्म चिंतन करें कि हम कहीं अपने सामाजिक आदर्शों से दूर तो नहीं जा रहे हैं। हम अपने इन आदर्शों को संकल्प के रूप में स्वयं तो स्वीकार करें हीं साथ ही अपने परिवार एवं भावी पीढ़ी को भी प्रेरित करें।

- पद्मश्री बंशीलाल राठी
पूर्व सभापति, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

नई पीढ़ी को भी साथ लेकर चलें

महेश नवमी पर्व की सर्वप्रथम मैं सभी समाजजनों को शुभकामनाएँ देता हूँ। इसके साथ ही मैं यह अनुरोध भी करता हूँ कि युवा पीढ़ी को भी समाज की मुख्यधारा में रखने का प्रयास करें। आज की युवा पीढ़ी ही कल की समाज की सूत्रधार होगी। लेकिन यह देखा जा रहा है कि युवा वर्ग समाज संगठनों से दूर हो रहा है। ऐसा क्यों हो रहा है, यह जानकर उन्हें समाज का महत्व समझाना होगा। याद रखें समाज से ही सभी की पहचान है। यदि हम उन्हें यह नहीं समझाऐंगे तो भविष्य में एक ऐसी चुनौती बनेगी जो अस्तीत्व के लिए हानिकारक हो सकती है। मैं युवाओं से भी अनुरोध करता हूँ कि वे अपनी गौरवशाली पहचान को जाने और उस पर गर्व करें।

- घनश्याम करनानी
प्रबन्ध न्यासी, कोठारी शौर्य स्मृति न्यास

समाज का प्रतिष्ठापन दिवस है महेश नवमी

आगामी ज्येष्ठ शुक्ल नवमी हमारे माहेश्वरी समाज का प्रतिष्ठापित दिवस है। जिस समाज को महादेव और महादेवी ने स्थापित किया, निश्चय ही उच्चता से हमें भरपूर ही किया होगा। वर्तमान विश्व पटल पर हमने जो छवि बनाई है, वह प्रमाणित करती है कि सदाशिव ने हृदय से आशीर्वाद दिया है। किंतु हमारी सेवा और हमारा त्याग हमेशा सदाचार से परिपूर्ण रहे, यह नित्य स्तुति की तरह हमें याद रखना होगा। आइए, समाजोत्थान की राह में हम सब मिलकर कदम ताल करें।
जय महेश।

- जुगलकिशोर सोमाणी
संयुक्त मंत्री (पश्चिमांचल), अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

चिंतन-मनन का पर्व है महेश नवमी

महेश नवमी पर्व की मैं समस्त स्वजनों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। यह पर्व पूर्ण शालीनता और गरीमा से सम्पन्न हो ऐसी भगवान महेश से कामना करता हूँ। यह पर्व न सिर्फ एक त्यौहार मात्र है हमारे आत्मनिरीक्षण व परीक्षण का अवसर भी है। हमें चिंतन-मनन कर अपने मन की दिशा, अहंकार रूप कचरे को बाहर निकाल फेंकना चाहिए। स्वयं को परिष्कृत करना होगा। हम देख रहे हैं, समाज के हजारों संगठन एवं कार्यकर्ता समर्पित भाव से विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। इसके बावजूद भी अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहे हैं। अतः हमें समाज के सर्वांगीण विकास के लिए धड़ेबाजी से मुक्त होकर अनुभवी व अच्छे समाजसेवियों को आगे लाना होगा, तभी संगठन का अर्थ आमजनता तक पहुंच सकेगा।

- रामकुमार भूतड़ा
महामंत्री, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

संगठन शक्ति को मजबूत करें

समाज के उत्पत्ति पर्व महेश नवमी की समस्त समाजजनों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए मैं सभी से समाज के गौरव व सम्मान की रक्षा के लिये एक जुट होने का अनुरोध करता हूँ। गत कुछ समय से समाज के गणमान्यजनों पर तो हमले हो ही रहे हैं साथ ही समाज की प्रतिष्ठा पर भी अंगुली उठाई जा रही है। ऐसी स्थिति का कारण हमारी एकता की कमी ही है। जब कोई भी समाज एकजुट होता है तभी वह महा शक्ति बनता है। अतः आइऐ हम सब मिलकर पावन पर्व पर यह शपथ लें कि हर हाल में हम एक रहेंगे और एक-दूसरे के सुख-दुःख के सहभागी बनें।

- वैद्य रमेशकुमार माहेश्वरी
संयुक्त मंत्री, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा (मध्यांचल)

हमारे आदर्श हैं हमारी शक्ति

महेश नवमी पर्व की सभी स्वजनों को शुभकामनाएँ देते हुए मैं इस महापर्व पर अपने आदर्शों का पुनः स्मरण करने की अपील भी करता हूँ। माहेश्वरी समाज वास्तव में अत्यधिक सुसंस्कृत समाज है, जिसके अपने आदर्श हैं। सेवा, सदाचार, संस्कार, धार्मिक आस्था व सात्विक आहार ये ऐसे आदर्श हैं, जिन्होंने हमेशा सर्वांगीण रूप से पौषित किया है। यही वह शक्ति है, जिसके कारण हमने शिखर की यात्रा तय की है। वर्तमान में यह चिन्तन करें कि हम अपने इन आदर्शों से भटक तो नहीं रहे हैं। याद रखें वर्तमान की प्रतिस्पर्धा में भी यही आदर्श हमें शिखर पर स्थापित रख सकते हैं।

- देवप्रकाश माहेश्वरी
पूर्व उपसभापति, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

नार्थ अमेरिका में होगा

अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी राजस्थानी कन्वेंशन

आगामी 1 जुलाई से होगा 4 दिवसीय भव्य आयोजन ▶▶शामिल होने वालों में भारी उत्साह

बोस्टन। माहेश्वरी महासभा ऑफ नॉर्थ अमेरिका (एमएमएनए) आठवें अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी राजस्थानी कन्वेंशन (आईएमआरसी-2016) का आयोजन 1 से 4 जुलाई तक स्टैमफोर्ड, कनेक्टिकट अमेरिका में कर रही है। इसमें शामिल होने के लिये ऑनलाईन पंजीयन की व्यवस्था भी की गई है।

द हिलटन होटल और एक्सक्यूटिव मीटिंग सेंटर में आयोजित इस कन्वेंशन में समाज के 900 से ज्यादा प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। इस कन्वेंशन में दुनिया भर से समाज के परिवार इकट्ठा होकर राजस्थान की समृद्ध एवं पारंपरिक संस्कृति से रूबरू होंगे, साथ ही समाज के लोगों से अपने रिश्तों को और प्रगाढ़ करेंगे। कन्वेंशन की कन्वीनर मोना खेतान एवं को-कन्वीनर अभिलाषा राठी ने बताया कि आईएमआरसी-2016 की थीम "रंग, तरंग और उमंग" राजस्थान एवं अमेरिका के मिले-जुले कल्चर पर केंद्रित रहेगी। पूरे सप्ताहांत में इन विषयों को रंगारंग प्रदर्शनों, सरस व्यंजनों और बौद्धिक कार्यशालाओं के माध्यम से जानने का पूरा अवसर प्राप्त होगा। इस कन्वेंशन में सभी उम्र के लोगों को प्रेरणादायी प्रमुख व्याख्यानों, नेटवर्किंग इवेंट्स तथा ब्रेक-आउट सेशंस के जरिये इन विषयों को जानने का समान रूप से अवसर मिल सकेगा। कन्वेंशन की सफलता में राजस्थानी अब्रॉड यूथ समाज महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने जा रहा है। आईएमआरसी-2016 को सफल बनाने के लिये सभी स्वयंसेवक अथक मेहनत कर रहे हैं। बोर्ड ऑफ ट्रस्टी की चेयरपर्सन सुषमा पलोड़ व चेप्टर प्रेसीडेंट पुष्पलता हेड़ा ने बताया कि एमएमएनए लम्बे समय से विभिन्न समाजसेवी गतिविधियों का आयोजन करता आ रहा है। इसी के अन्तर्गत वर्ष 2015-2016 में उच्च शिक्षा के लिए 31 विद्यार्थियों को लगभग 1 लाख डॉलर की सहायता राशि भी प्रदान की गई थी।

एकता का लहराएगा परचम

एमएमएनए के प्रेसिडेंट पराग बजाज ने बताया कि यह समाज में प्रतिष्ठित लोगों का एक ऐसा संगठन है जो चेरिटी के जरिये सामाजिक बदलाव लाने पर जोर देते हैं। संगठन का मिशन है कि दुनियाभर में समाज विरासत से नवाजे गये सभी समाजजनों में एकता हो और वे एक-दूसरे के कंधे से कंधा मिलाकर काम करने की मानसिकता विकसित कर सकें। संगठन समाज में एक-दूसरे का सहयोग करने का वातावरण निर्मित करने में यकीन रखता है। यह एक नॉन प्रॉफिट आर्गेनाईजेशन है, जिसके नार्थ अमेरिका में 10 चैप्टर्स काम कर रहे हैं। संगठन भारत सहित दुनियाभर की सभी समान विचारधारा रखने वाली संस्थाओं से जीवित संपर्क में है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि यह 1 से 4 जुलाई का सप्ताहांत सभी के लिए दिलचस्प वक्त होगा। इसमें शिक्षा, समाजसेवा तथा संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों का सम्मान भी किया जाएगा।

रंगारंग रहेगा पूरा आयोजन

इस आयोजन के प्रति उत्साह का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि अभी तक इसमें शामिल होने के लिये 650 से अधिक पंजीयन हो चुके हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गोवा की राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा शामिल होंगी। आयोजन के अंतर्गत प्रथम दिवस 1 जुलाई को यूथ नाईट का आयोजन होगा। इसमें फर्स्ट ईवर टेलेंट कॉम्पिटिशन का आयोजन होगा। इसमें कई संगीतकार, कॉमेडियन, एक्टर, बैंड, गायक, डॉसर आदि शामिल होंगे। अगले दिन 2 जुलाई को बॉलीवुड नाईट में बॉलीवुड फिल्मी मसाला कॉम्पीटिशन का आयोजन होगा। 3 जुलाई को हास्य कवि सम्मेलन के साथ ही प्रख्यात गायक कुमार शानू व सारेगामा विजेता कलाकारों द्वारा गीतों की प्रस्तुति दी जाऐगी। ड्रेस कोड प्रथम दिवस के लिये ड्रेस योर बेस्ट, द्वितीय दिवस रेड कारपेट स्टाईल तथा तृतीय दिवस को पारंपरिक राजस्थानी तय किया गया है। इन कार्यक्रमों के दौरान 2 से 3 बजे के बीच होने वाले ब्रेक-आउट सेशन में रिटायरमेंट, हेल्थ, मेट्रीमोनियल व सामाजिक समस्याओं आदि पर भी चिन्तन होगा।

कैसे हों शामिल

आईएमआरसी 2016 में शामिल होने के लिये वेबसाईट http://www.mmna.org पर ऑन लाईन पंजीयन करवाया जा सकता है। इस पर कार्यक्रम के अॅपडेट्स व पुराने कार्यक्रमों की विडियो भी मौजूद हैं। पंजीयन 15 मई 2016 तक करवाया जा सकता है। युथ नाईट में पंजीयन के लिये ईमेल imrc2016youth@gmail.com व बालीवुड नाईट के लिये imrc2016 filmymasala@gmail.com पर सम्पर्क किया जा सकता है। सम्मान समारोह के लिये प्रविष्ठियाँ imrcawards@gmail.com पर प्रेषित की जा सकती हैं।

स्वर्ण जयन्ती पर काकाणी दम्पत्ति का किया सम्मान

हैदराबाद। समाज सेवी लक्ष्मीनारायण काकाणी की शादी की 50वीं वर्षगांठ पर एक प्रतिष्ठित होटल में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें उनका सम्मान अ.भा. माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री रमेश कुमार बंग, आं. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष रामपाल अट्टल, माहेश्वरी समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण राठी अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति नथमल डाहिया, महेश बैंक चेयरमैन पुरुषोत्तम मानधनिया, आंध्रप्रदेश अध्यक्ष रामपाल अट्टल व चैनसुख काबरा आदि कई स्नेहीजनों ने उपस्थित रहकर काकाणी दम्पत्ति का अभिनंदन किया। श्री माहेश्वरी टाईम्स पत्रिका के सम्पादक पुष्कर बाहेती एवं उनकी टीम ने भी काकाणी दम्पत्ति को शुभकामनाएँ देते हुए उनके दीर्घ युगल जीवन की कामना की।

नागपुर में मैट्रिमोनियल मीट का आयोजन

नागपुर. स्थानीय माहेश्वरी समाज की संस्था माहेश्वरी विवाह सहयोग केंद्र द्वारा आगामी 15 अगस्त को प्रोफेशनल तथा उच्च शिक्षित विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए परिचय सम्मेलन 'माहेश्वरी मैट्रिमोनियल मीट' का आयोजन किया जाएगा। इसके आयोजक माहेश्वरी वेडिंग के नितिन व पूजा माहेश्वरी तथा विवाह सहयोग केंद्र के सत्यनारायण राठी ने बताया कि आयोजन 15 अगस्त को सुबह 8 से शाम 5 बजे तक 'रजवाड़ा पैलेस' एम्प्रेस सिटी रोड, टाटा पारसी स्कूल के पास, गांधीसागर में होगा। इसमें विशेष रूप से उच्च शिक्षित प्रोफेशनल्स शिक्षा प्राप्त तथा एनआरआई प्रत्याशी शामिल होंगे। शुल्क 3 हजार रुपए के साथ पंजीयन करवाया जा सकता है। इस शुल्क में प्रत्याशी व एक अभिभावक का एक दिन का भोजन, चाय, नाश्ता आदि शामिल रहेगा। प्रत्याशी के निःशुल्क आकर्षक रंगीन परिचय पुस्तिका तथा वेबसाइट पर लॉगइन के लिए सिल्वर पैड मेंबरशिप प्लान भी प्रदान किया जाएगा। पूर्ण भरे हुए आवेदन संस्था कार्यालय को 15 जुलाई तक जमा किए जा सकते हैं।

माहेश्वरी पर बदमाशों ने चलाई गोली

ग्वालियर। गत 9 मई रात 08. 30 बजे सराफा कारोबारी जितेंद्र माहेश्वरी (सारड़ा) निवासी विनय नगर पर अज्ञात लोगों ने फायरिंग कर दी। श्री माहेश्वरी अपनी सतर्कता से बच गये। घटना को लेकर माहेश्वरी समाज में बहुत रोष व्याप्त है। चैंबर कार्यकारिणी सदस्य अश्विनीकुमार सोमानी ने मप्र चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल व मानसेवी सचिव प्रवीण अग्रवाल को भी इससे अवगत करवाया व उनके नेतृत्व में माहेश्वरी प्रतिनिधिमंडल ने जितेंद्र माहेश्वरी को सुरक्षा व बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए एसपी हरिनारायण चारी को 11 मई को ज्ञापन दिया। प्रदेशाध्यक्ष चंद्रमोहन नागोरी, प्रदीप जाजू, राजेश नागोरी, रामनिवास माहेश्वरी, बाबूलाल गोदानी, आशुतोष माहेश्वरी, मधुसूदन माहेश्वरी, पुरुषोत्तम माहेश्वरी, संतोष लखोटिया, महेंद्र माहेश्वरी, संजय तोषनीवाल, विष्णु भुराड़िया, संदीप टावरी आदि मौजूद थे। एसपी ने सुरक्षा की गारंटी के साथ शीघ्र ही बदमाशों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया।

> दर्पण में आप अपना चेहरा देख सकते हैं चरित्र नहीं।

माहेश्वरी सोश्यल ग्रुप ने ली पद की शपथ

इंदौर। माहेश्वरी सोश्यल ग्रुप का शपथ विधि समारोह रामेश्वर असावा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अशोक डागा एवं विशेष अतिथि पूर्णिमा सिंगी थीं। श्री डागा ने पदाधिकारीगण एवं श्रीमती सिंगी ने कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाई। इसमें अध्यक्ष मोहन नीता सोमानी, सचिव दिनेश मधुबाला लखोटिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक चंद्रकांता चितलांग्या, उपाध्यक्ष संपतकुमार राधा साबू, सहसचिव अशोक रमिला काकाणी, कोषाध्यक्ष गोपीकिशन ब्रजलता काकाणी, प्रचार मंत्री भरत सावित्री भट्टड़, संगठन मंत्री गोपाल कृष्ण राठी एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने शपथ ली। सचिव दिनेश मधुबाला लखोटिया ने सभी अतिथियों एवं सदस्य दंपतियों का आभार माना।

10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन

वरंगल। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गया। इसका समापन गत 11 मई को प्रगतिशील मारवाड़ी समाज भवन में हुआ। इस शिविर में 4 से 14 वर्ष तक आयु के 40 बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस शिविर में सरिता सोमाणी, सुमन मणियार एवं कु.वैष्णवी लाहोटी ने बच्चों को बालसंस्कार, दिनचर्या में पठन किये जाने वाले श्लोक, वेस्ट मटेरियल से विभिन्न कलाकृतियां एवं वस्तुएं बनाना एवं नृत्य सिखाया। विशिष्ठ अतिथि बीना बोहरा, आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा दक्षिण तेलंगाना के उपाध्यक्ष रमेशचंद बंग, वरंगल जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष गोपाल तोषनीवाल, माहेश्वरी समाज वरंगल के अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, मंत्री संपत कुमार लाहोटी, इनरविल क्लब की अध्यक्ष लावण्या आदि उपस्थित थीं। शिविर संचालक सुमन मणियार ने सभा में उपस्थित बच्चों के अभिभावकों के अनुभव को सभा के समक्ष रखा। मंडल अध्यक्ष सुनीता मालाणी ने इस सफल आयोजन पर शिविर संचालकों और मंडल की सदस्याओं को बधाई दी। माहेश्वरी समाज अध्यक्ष प्रह्लाद सोनी ने मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन मंडल की सांस्कृतिक मंत्री ज्योति सोनी ने किया और कार्यक्रम का समापन मंडल की मंत्री मृदुबाला दरक के धन्यवाद प्रस्ताव एवं सहभोज के साथ हुआ।

महेश कॉ-ऑपरेटिव के चुनाव की तैयारी

बूंदी। श्री महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि. के संचालक मंडल की बैठक 16 मई को श्री माहेश्वरी पंचायत भवन, चूड़ी बाजार स्थित सोसायटी कार्यालय आयोजित में हुई। अध्यक्षता सोसायटी अध्यक्ष संजय लाठी ने की। मंत्री विनोदकुमार मंत्री ने बैठक में लिए निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि 14 अगस्त को 'चतुर्थ वार्षिक अधिवेशन' आयोजित करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। इसी प्रकार सामाजिक सरोकार के तहत सोसायटी के अंशधारी सदस्यों की दुर्घटना बीमा राशि रुपये 1 लाख रुपए का नवीनीकरण कराने तथा वर्ष 2011-12, 2012-13, 2014-15 व 2015-16 का लाभांश सहकारी विभाग के नियमानुसार वितरण करने का निर्णय भी लिया। अक्टूबर-2016 में संचालक मंडल का कार्यकाल पूरा होने से सोसायटी के चुनाव कराने के लिये राजस्थान राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकरण को पत्र लिखकर निवेदन करने का निर्णय भी लिया। उपाध्यक्ष चतुर्भुज गुप्ता, निदेशक गोपाल लाठी, कुंजबिहारी बिल्या, सोहन बाहेती, मनीष मंत्री, महावीर काल्या आदि मौजूद थे। अंत में व्यवस्थापक परमेश्वर मंडोवरा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

दान से होता है धन का परिष्कार : पद्मश्री राठी

सिंहस्थ महाकुंभ में संत-महात्माओं के आशीर्वाद लेने सपरिवार पहुंचे पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी

उज्जैन। ख्यात समाजसेवी व अभा माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी त्रिदिवसीय धार्मिक यात्रा के अंतर्गत सिंहस्थ महाकुंभ में सपरिवार शामिल हुए। इस दौरान उनके साथ पुत्र नवल, नरेंद्र, अशोक तथा दो पुत्रवधू भी थीं। श्री राठी ने इस दौरान कई साधु-संतों के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और अन्नक्षेत्र आदि में सहयोग भी दिया।

चैन्नई निवासी श्री राठी वयोवृद्धावस्था के बावजूद सिंहस्थ महाकुंभ का पुण्यलाभ लेने में पीछे नहीं रहे। आपका गत 15 मई को सपरिवार उज्जैन आगमन हुआ। आते ही वे सर्वप्रथम दत्त अखाड़ा जोन में लगे अपने गुरु श्री सत्यमित्रानंदजी के कैम्प पहुंचे। इस दौरान 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' सम्पादक पुष्कर बाहेती भी उनके साथ सहयोग हेतु उपस्थित रहे। वहां गुरुदेव से भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

समाज की सेवाओं को सराहा

इसके पश्चात् श्री राठी इसी जोन में म.प्र. पश्चिमांचल प्रादेशिक माहेश्वरी सभा तथा उज्जैन जिला माहेश्वरी सभा द्वारा लगाये गये सेवा शिविरों में पहुंचे। वहां श्री राठी ने बाहर से आये श्रद्धालुओं के लिये की गई आवास व भोजन आदि की व्यवस्थाओं को देखा और इस सेवा पर संतोष व्यक्त करते हुए संयोजकों को बधाई दी। इन सेवा प्रकल्पों में अपनी ओर से सहयोग के रूप में एक दिन की भोजन व्यवस्था हेतु प्रादेशिक संगठन को 61 हजार तथा स्थानीय संगठन को 40 हजार रुपये की सहयोग राशि भेंट की।

विद्याधाम में हुआ अभिनंदन

अगले दिन श्री राठी ने महामंडलेश्वर श्री अवधेशानंद गिरिजी के दर्शन कर उन्हें चैन्नई आमंत्रित किया। यहां से वे सीधे विद्याधाम शिविर

पहुंचे और श्री चिन्मयानंदजी से भेंट की। शिविर के संचालन में सहयोग स्वरूप वहां आपने 6 लाख 61 हजार रुपये की राशि भेंट की। उल्लेखनीय है कि श्री राठी विद्याधाम से सतत रूप से सम्बद्ध हैं। इसी दिन शाम को आचार्य किशोरजी व्यास से भेंटकर वहीं प्रसादी ग्रहण की। पुनः भारत माता मंदिर आकर सभी स्नेहीजनों से भेंट की। इनमें रामनिवास जैथलिया (मुंबई), घनश्याम मूंदड़ा (नागौर) आदि शामिल थे।

वर्ष 2018 में बनेंगे लक्ष्मीनारायण यज्ञ के यजमान

श्री राठी के तय कार्यक्रम के अनुसार तीसरे दिन उनकी वापसी थी। अतः वापसी के पूर्व पुनः गुरुदेव सत्यमित्रानंदजी से भेंट की। उनके आदेशानुसार उन्होंने वर्ष 2018 में मुख्य यजमान के तौर पर लक्ष्मीनारायण यज्ञ करवाने की घोषणा की। इसमें उनकी ओर से सहयोग स्वरूप 21 लाख रुपये की राशि की घोषणा की गई। यहां से आप हनुमतधाम पहुंचे और पं. विजयशंकर मेहता से भेंट की और भूखी माता घाट पर ही स्नान किया। तत्पश्चात् शब्द सुरति संगम आश्रम पहुँचकर स्वामी बुद्धपुरीजी व सूर्येन्दुपुरी जी से भेंटकर चैन्नई रवाना हो गये।

माहेश्वरी समाज ने भी जमकर की ''अपनों'' की सेवा

प्रादेशिक व स्थानीय संगठन की व्यवस्थाओं का 80 हजार से अधिक समाजजनों ने लिया लाभ

उज्जैन। गत 22 अप्रैल से 21 मई तक लगे सिंहस्थ महाकुंभ में आने वाले समाजजनों की सेवा के लिये पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा तथा श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत दोनों ने अपने सेवा शिविर लगाए थे। सतत 35 दिनों तक चले इन शिविरों का 80 हजार से अधिक समाजजनों ने लाभ लिया।

पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा

प्रदेश अध्यक्ष महेश तोतला के नेतृत्व में लगे इस शिविर में लगभग 60 हजार समाजजनों ने भोजन प्रसादी तथा 10 हजार ने आवास व्यवस्था का लाभ लिया। उक्त जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश तोतला व मंत्री अजय मुंदड़ा ने बताया कि शिविर में चाय-नाश्ता व दोनों समय के भोजन आदि समस्त व्यवस्थाएँ पूर्णतः निशुल्क थीं। लगभग 45 कॉटेज में प्रतिदिन 550 सदस्यों के आवास की व्यवस्था की गई। संयोजक ओमप्रकाश पलोड़ व रामचंद्र तोतला के प्रयासों से कूलर, पंखें, बिस्तर, मोबाइल चार्जर आदि की व्यवस्था की गई। मुख्य संयोजक रवींद्र राठी ने बताया कि संपूर्ण भोजन व्यवस्था पूर्णतः सात्विक व शुद्ध घी से तैयार थी। इसमें स्वादिष्ट व्यंजन का भी समावेश किया गया। इस शिविर की विशेषता यह थी कि यह मेला क्षेत्र में होने से शाही स्नान के लिये निकलने वाली समस्त पेशवाई देखने का भी श्रद्धालुओं को अवसर मिला। प्रदेश अध्यक्ष महेश तोतला, मंत्री राजेंद्र इनानी व मीडिया प्रभारी पुष्कर बाहेती ने बताया कि इस कैम्प में अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी, माहेश्वरी बोर्ड अध्यक्ष रामावतार जाजू, पूर्व उपसभापति आर.डी. बाहेती जयपुर, माया माहेश्वरी भोपाल, अशोक बंग नासिक, राधेश्याम परवाल सहित महासभा व विभिन्न संगठनों के कई पदाधिकारी आये और उन्होंने व्यवस्थाओं को सराहा। आसाम, नेपाल, दिल्ली, महाराष्ट्र, कोलकाता, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तरप्रदेश, गुजरात आदि देश के लगभग सभी राज्यों से समाजजन यहां आए और सेवाओं का लाभ लिया।

ये बने सहयोगी

उज्जैन के साथ ही इंदौर एवं प्रदेश के कई शहरों के समाजजनों ने इसमें सहयोग प्रदान किया। इनमें प्रमुख रूप से मारवाड़ी समाज, मारवाड़ी महिला संगठन उज्जैन, महेश लड्ढा, ओमप्रकाश काबरा, दिनेश डाढ, नवीन बाहेती, पुरुषोत्तम चांडक, ओमप्रकाश काबरा, श्याम पलोड़, सुरेश लड्ढा, संजय बजाज, कैलाश डागा, राधेश्याम चौखड़ा, सत्यनारायण सोमानी, शैलेष राठी, नरेंद्र राठी, कृष्णदास जैथलिया, कैलाश राठी, विपीन तोतला, बलदेव दास जाजू, विजय गट्टानी, किशन सोमानी, सुरेश राठी, बंसीलाल भूतड़ा 'किरण', राधेश्याम नवाल, रामेश्वरलाल असावा, प्रेमनारायण मालपानी आदि शामिल थे।

श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत उज्जैन

इस स्थानीय संगठन के सेवा प्रकल्प के प्रमुख संयोजक श्यामसुंदर भूतड़ा थे। इस संगठन के द्वारा सिंहस्थ क्षेत्र में दत्त अखाड़ा जोन प्लाट क्रमांक 202/1 व गोलामंडी स्थित माहेश्वरी भवन दोनों स्थानों पर अपनी सेवा गतिविधियों का संचालन किया गया। यहां पर भी बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने से लेकर नाश्ता-चाय व भोजन के साथ ही आवास आदि की भी व्यवस्था की गई। कैम्प में कूलर से युक्त व अटैच लेट-बॉथ वाले 6-7 कॉटेज भी बनाए गए थे। पूर्ण मेला अवधि में लगभग 13-14 हजार श्रद्धालुओं ने भोजन व्यवस्था एवं हजारों ने आवास व्यवस्था का भी लाभ लिया। यहां यात्रियों की व्यवस्था के लिये अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मुंदड़ा, सचिव अरुण भूतड़ा, संयोजक सुरेश डागा, वीरेंद्र गट्टानी आदि के साथ ही बड़ी संख्या में समाजजन भी सेवा देते रहे। गोला मंडी स्थित भवन में नृसिंह देवपुरा व उनकी टीम ने व्यवस्थाएं संभाली। इस पूरे सेवा प्रकल्प की विशेषता यह रही कि पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए डिस्पोजल का बिलकुल भी उपयोग नहीं किया गया। अरुण भूतड़ा ने बताया कि गुजरात प्रदेश अध्यक्ष मदन पेड़ीवाल, कर्नाटक प्रदेश सचिव बृजमोहन भूतड़ा, हैदराबाद प्रदेश अध्यक्ष रमेश बंग, महिला मंडल बैंगलोर सहित देशभर के समस्त प्रदेशों से समाजजन यहां आये।

ये बने सहयोगी

इस सेवा प्रकल्प में कैलाश राठी, सुनील बांगड़, प्रकाश लड्ढा, महेंद्र परवाल, राजेंद्र समदानी, भगवती राठी, मनोज बियानी, राधेश्याम मंत्री, श्रीमती विष्णुकांता गांधी, बृजकिशोर दरगड़, नंदलाल काबरा, सुनील लाहोटी, संजय सोडानी, महेश पलोड, ओमप्रकाश बाहेती, संदीप तोतला सहित महिला व प्रगति मंडल की समस्त सदस्याओं का सहयोग प्राप्त हुआ। प्रदेश मंत्री राजेंद्र इनानी ने भी व्यवस्थाओं को सराहा। समस्त आर्थिक व्यवस्था संगठन एवं दानदाताओं के सहयोग से ही की गई।

छात्रावास में आयोजित हुआ बिदाई समारोह

भिलाई। गत दिनों महेश एजुकेशन एंड चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित सेठ मीठालाल राठी माहेश्वरी छात्रावास एवं सेठ किशन रामप्यारीबाई डागा कन्या छात्रावास में छात्रों का बिदाई व सम्मान समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के उप महाप्रबंधक अनिल राठी थे। ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी मोहन राठी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विगत छः सत्रों से संचालित दोनों छात्रावासों की प्रगति पर प्रकाश डाला। मानद् सचिव बृजकिशोर सुरजन द्वारा छात्रावास के निर्माण से लेकर अभी तक की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। तत्पश्चात् दोनों छात्रावासों में अध्ययनरत 70 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले 65 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। विशेष प्रतिभा में सेठ मीठालाल राठी माहेश्वरी छात्रावास के दीपक गांधी, कांकेर एवं डागा कन्या छात्रावास से कु. नयना सोनी राजनांदगांव को बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड से नवाजा गया। विगत सत्र में प्लेसमेंट हेतु चयनित छात्र-छात्राओं के सम्मान के साथ ही जुनियर छात्रों द्वारा सीनियर छात्रों की विदाई के उपलक्ष्य में सुंदर व मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम उड़ान 2016 की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष विट्ठल भूतड़ा एवं माहेश्वरी पंचायत दुर्ग के अध्यक्ष ओमप्रकाश टावरी एवं छात्रावास के संचालन समिति के अध्यक्ष बालकिशन झंवर व सुनंदा आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से सुरेश सादानी, सुखदेव राठी, नरेंद्र लोहिया, गणेशदास मूंदड़ा, देवकिशन चांडक, विजय सोमानी, मनीष राठी, जे.पी. मोहता, त्रिलोक राठी, राधेश्याम राठी, नत्थुलाल राठी, मुरलीधर राठी, राजकुमार केला, अमरचंद गांधी व पी.एल. सोमानी सहित माहेश्वरी समाज के कई गणमान्यजन उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आर.पी. मोहता एवं मंच संचालन दुर्ग जिला माहेश्वरी सभा के महामंत्री राजकुमार गांधी द्वारा किया गया।

पुण्य स्मृति में आयोजित किया स्वास्थ्य शिविर

देवास। माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष स्व. डॉ. वैजयंती माहेश्वरी की पुण्य स्मृति में उनके जन्मदिन 21 मई को अस्थि एवं स्त्री रोग निदान हेतु निःशुल्क परामर्श एवं शल्य क्रिया शिविर माहेश्वरी नर्सिंग होम पर आयोजित किया गया। अशोक सोमानी ने बताया कि इसमें डॉ. प्रमोद, डॉ. पुनित एवं डॉ. प्राची माहेश्वरी ने 99 मरीजों का उपचार कर निःशुल्क दवाइयाँ प्रदान करते हुए कई प्रकार की जांच भी निःशुल्क की। शिविर का शुभारंभ कमल भुराडिया इंदौर व मोहनलाल परवाल देवास ने दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यक्रम में नगर की अनेक संस्थाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। माहेश्वरी समाज देवास के जिलाध्यक्ष मुरली मानधन्या ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परवाल परिवार के निःशुल्क शिविर लगाने की सराहना की। आभार डॉ. प्रमोद माहेश्वरी ने माना।

मोर और ऊंट की रक्षा के लिए एफआईआर

भीलवाड़ा। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने बूंदी जिले की हिंडोली तहसील के बबलाणा गांव में 8 राष्ट्रीय पक्षी मोरों की हत्या की प्राथमिकी पुलिस अधीक्षक बूंदी को ऑनलाइन व रजिस्टर्ड डाक से दर्ज कराई है। श्री जाजू ने बताया कि पुलिस व वन विभाग की अनदेखी से पूर्व में भी सर्वाधिक मोरों की हत्याएं बूंदी जिले में हुई हैं। इसके साथ ही श्री जाजू ने राज्य की मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर राज्य पशु ऊँट की लगातार हो रही तस्करी रोकने की मांग करते हुए बताया कि ऊँट को राज्य पशु घोषित करने के बाद भी लगभग 2 हजार ऊँटों की तस्करी भरतपुर, अलवर, झुंझूनू, चुरू, अजमेर, पुष्कर, शाहपुरा सहित राजस्थान के अनेक जिलों से पुलिस व प्रशासन की लापरवाही के चलते हो चुकी है।

जन्मदिन पर चिकित्सा शिविर

सिकंदराबाद। समाज सदस्य नरदेव आर्य (भंडारी) के 89 जन्मदिवस पर 21 अप्रैल को प्रातः पूरे परिवार के साथ यज्ञ कर सामूहिक प्रसाद ग्रहण किया गया। इसके साथ ही पाली सेवा मंडल (आँखों का अस्पताल) द्वारा निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर लगाया गया। 46 मरीजों की आंखों का ऑपरेशन कर लैंस लगाए गए। निःशुल्क दवाइयाँ व चश्मे भी वितरीत किये गए।

"'मुश्किल वक्त' दुनिया का सबसे बड़ा जादूगर है जो एक पल में आपके चाहने वालों के चेहरे से नकाब हटा देता है।"

संतान के लिए शक्ति का स्त्रोत होता है माँ का आंचल

सिंहस्थ में हनुमत धाम में हुआ पंचामृत श्रीमद्भागवत का आयोजन ▸▸आर.डी. बाहेती परिवार जयपुर था मुख्य यजमान

उज्जैन। जीवन में कितनी भी विपरीत परिस्थिति आ जाए, स्वयं कितनी ही परेशान हो पर दुनिया की हर माँ को यह जरूर याद रहता है कि उसकी संतान भूखी न रह जाए। माँ का आलिंगन, इसका आंचल संतान के लिये शक्ति का स्त्रोत होता है। मातृत्व क्या होता है यह यशोदा जी के चरित्र से सीखा जा सकता है।

उक्त उद्गार सिंहस्थ महाकुंभ के दौरान लगे शिविर हनुमत धाम में आयोजित पंचामृत श्रीमद्भागवत कथा के दौरान पं. विजयशंकर मेहता ने व्यक्ति किये। गत 2 मई से 6 मई तक इसका आयोजन सतत रूप से किया गया। इसके प्रमुख यजमान आर.डी. बाहेती परिवार जयपुर थे। बाहेती परिवार द्वारा परिवार की वरिष्ठ स्व. श्रीमती कांतादेवी-आर.डी. बाहेती की पुण्य स्मृति में उनके संकल्पानुसार इसका आयोजन किया था। 5 दिनों तक चली इस कथा का हजारों श्रद्धालुओं ने रसपान किया।

माँ ने ही लिया था संकल्प

स्व. श्रीमती बाहेती के सुपुत्र प्रदीप बाहेती ने बताया कि माँ ने सिंहस्थ महाकुंभ के दौरान हनुमत धाम में श्रीमद्भागवत कराने का संकल्प लिया था। इसके पश्चात लगभग चार माह पूर्व देहावसान हो गया। अतः उनकी अंतिम इच्छानुसार इसका आयोजन किया गया। चौथे माह के कुंभ के अवसर इस महाकुंभ में इस पावन आयोजन का होना अपने आप में सौभाग्य का अवसर था, जिसका संपूर्ण बाहेती परिवार ने लाभ लिया। इसमें श्री बाहेती, पुत्र स्वयं प्रदीप, अशोक व संजय बाहेती सपरिवार उपस्थित थे। परिवार के 6 भतीजे व 3 भानजे भी इस आयोजन के दौरान वहां उपस्थित रहे। बहन सीमा मुछाल ने एक माह तक हनुमत धाम में ठहरकर इस महाकुंभ का भी पुण्य लाभ लिया।

कई हस्तियाँ हुई शामिल

पंचामृत श्रीमद्भागवत कथा के दौरान श्रोता के रूप में भास्कर समूह के प्रमुख रमेश अग्रवाल, जयपुर के बजरंग जाखोटिया, रतन चितलांग्या, हरीशकिशोर लखोटिया, औरंगाबाद के उद्योगपति किशोरीलाल धुत, इंदौर के राधाकिशन मुछाल, जामनगर बालकिशन साहु, बम्बई से तारा माहेश्वरी आदि कई हस्तियाँ सपरिवार इस आयोजन में शामिल हुई और कथामृत का रसपान किया। इसी दौरान 3 मई को पं. विजयशंकर मेहता के विवाह की वर्षगांठ मनाई गई। इस अवसर पर गुरु निवास पर श्री अग्रवाल की उपस्थिति में उनका स्वागत भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप बाहेती ने किया।

सामूहिक विवाह समारोह का हुआ आयोजन

राजसमंद। अभा माहेश्वरी सेवासदन चारभुजा जिला राजसमंद (राजस्थान) में जिला माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में आठ युगलों का सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ। इसमें एक हजार से अधिक समाजजन सम्मिलित हुए। इसके अंतर्गत 9 मार्च को गणपति स्थापना, स्वागतभोज, वैवाहिक गीत, गरबा गायन एवं मधु काबरा भीलवाड़ा द्वारा नृत्य प्रस्तुति दी गई। 10 मार्च को शोभायात्रा निकली जो सेवासदन पहुंची। तोरण के पश्चात 11 बजे पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न हुआ। आशीर्वाद समारोह के मुख्य अतिथि रामकुमार भूतड़ा महामंत्री अभा महासभा थे। अध्यक्षता श्यामसुंदर बिड़ला अध्यक्ष अभा माहेश्वरी सेवासदन ने की। अतिथि के रूप में आरएल नोलखा, राधेश्याम सोमानी, सुनील मूंदड़ा, कमलकिशोर चांडक, पुष्पादेवी राठी, जगदीशचंद्र हेड़ा आदि उपस्थित थे। आयोजन समिति के प्रभारी हेमंत लड्ढा, संयोजक मदनलाल मालानी, संरक्षण इंदरलाल छापरवाल, सहसंयोजक सुभाष काबरा, अर्जुनलाल चेचाणी व नवनीतलाल मंत्री थे।

बाहेती पुनः बने सीआईआई सदस्य

कोटा। लघु उद्योग कॉउन्सिल ऑफ कोटा के अध्यक्ष एवं कोटा सिटीजन्स कॉउन्सिल के चेयरमैन एल.सी. बाहेती को देश के शीर्षस्थ औद्योगिक संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की राजस्थान स्टेट कॉउन्सिल द्वारा 2016-17 के लिये लगातार नौवीं बार सदस्य मनोनीत किया गया है। स्टेट कॉउन्सिल राज्य स्तर पर सीआईआई की अपेक्स बॉडी है, जिसके सुझावों एवं कार्यप्रणाली को राज्य सरकार के औद्योगिक, प्रशासनिक एवं आर्थिक मंत्रालयों में पूरी अहमियत दी जाती है।

सोनी बने व्यापार मंडल अध्यक्ष

हिम्मतनगर। बागोर व्यापार मंडल के चुनाव में रामपाल सोनी सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गये। इनके साथ ही घनश्याम देवपुरा, राजमल सेठिया, दीपेश देवपुरा को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

महाप्रसादी की राशि अकाल राहत में भेंट

पुणे। संस्था श्री माहेश्वरी बालाजी मंदिर द्वारा गत 13 मई को ब्रह्मोत्सव मनाया गया। अभिषेक आदि समस्त धार्मिक आयोजन तो प्रतिवर्षानुसार हुए, लेकिन इस बार महाप्रसादी का आयोजन नहीं हुआ। वर्तमान में महाराष्ट्र में बनी भीषण अकाल की स्थिति को देखते हुए संस्था ने महाप्रसादी की राशि 'अकाल निवारण निधि' में भेंट कर दी। कार्य विश्वस्त हरिकिशन राठी तथा अध्यक्ष सुरेश नावंदर ने बताया कि संस्था सदस्यों की सर्वसाधारण सभा 12 जून को संस्था के सभागार में होगी।

> "समाज में बदलाव नहीं आता क्योंकि
> गरीब में 'हिम्मत' नहीं,
> मध्यम वर्ग को 'फुरसत' नहीं
> और अमीर को 'जरूरत' नहीं।"

स्व. रमेशचंद्र चांडक की स्मृति में कवि सम्मेलन

नागपुर। स्व. रमेशचंद्र चांडक की स्मृति में विदर्भ सेवा समिति के तत्वधान में काव्य संध्या का आयोजन किया गया। संयोजक कमल चांडक व प्रमुख अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी शरद गोपीदास बागड़ी तथा लीलादेवी रमेशचंद्र चांडक थे। महेन्द्र कटारिया ने श्री बागडी का परिचय दिया तथा संयोजक कमल चांडक ने पुष्पगुच्छ शाल श्रीफल से उनका सत्कार किया। आभार प्रदर्शन डॉ संतोष मोदी ने किया। कार्यक्रम में अशोक गांधी, रामरतन सारडा, डॉ. हरीष राठी, जयप्रकाश गुप्ता, अरुण बागडी, विपीन कोठारी, रतनलाल लाहोटी, केशरीचंद जैन, भारती बागडी, बालकिसन चांडक, गीतिका बागडी आदि कई गणमान्यजन इस अवसर पर उपस्थित थे।

किशोरी विकास शिविर ''अग्रगामिनी'' का आयोजन हुआ

भुसावल। महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा किशोरी विकास शिविर 'सपनों से सफलता की ओर-अग्रगामिनी' का 11 से 14 मई तक बियाणी मिलिटरी स्कूल के प्रांगण में आयोजन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष पुष्पा तोष्णीवाल ने बताया कि उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय समिति प्रमुख आशा लड्ढा, महामंत्री प्रो. कल्पना गगडानी, सभा अध्यक्ष सतीश चरखा, मनोज बियाणी, संगीता बियाणी आदि की गरिमामय उपस्थिति रही। इस चार दिवसीय शिविर में प्रबुद्ध वक्ताओं द्वारा विविध विषयों पर समयानुकूल मार्गदर्शन दिया गया। इसके साथ टॉक शो, सेल्फ डिफेंस, डांस, पाक कला, क्रॉफ्ट क्लासेस, योगा, हास्य योग आदि कार्यक्रमों के साथ शुद्ध हैंडराइटिंग, स्वीमिंग, हॉर्स-राइडिंग, रायफल शूटिंग आदि स्पर्धाओं के साथ संगीतमय हाउजी का भी आयोजन हुआ। विशेष सहयोग बियाणी ग्रुप भुसावल का रहा। इन्होंने आवास, यातायात आदि की सुविधाऐं भी उपलब्ध करवाईं।

जरूरतमंद बच्चों को फल, कपड़े एवं दवाइयाँ आदि वितरीत

उदयपुर। संस्था माहेश्वरी गौरव द्वारा गणगौर उत्सव का आयोजन ओरिएण्टल पैलेस रिसार्ट में किया गया। इसमें सेवर सोलह शृंगार आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इसके साथ महिलाओं ने गाँवों में जाकर फल, कपड़े एवं जरूरतमंद बच्चों को दवाइयाँ आदि वितरीत कर लू से बचाव के तरीके कुशल डॉक्टरों के माध्यम से बताए गए। इसी माह में रामनवमी का आयोजन किया गया। मंदिरों में पूजा, अर्चना, भजन, कीर्तन आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सूर्य क्रिया योग बना आकर्षण का केंद्र

सिंहस्थ महाकुंभ के महाकाल जोन में शब्द सुरति संगम आश्रम पंजाब का शिविर लगा था। इस शिविर में जनकल्याण की भावना से सूर्य क्रिया सहित कई दुर्लभ योगों का प्रतिदिन प्रशिक्षण स्वामी बुद्धपुरी जी महाराज के मार्गदर्शन में उनके शिष्य सूर्येन्दुपुरी आदि ने दिया। ये ऐसे दुर्लभ योग हैं जिनके नित्य प्रयोग से कई शारीरिक परेशानियाँ तो दूर होती हैं,

साथ ही नवग्रहों की शांति भी होती है। इनके इस प्रभाव के कारण शहरी सीमा से दूर होने के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु सुबह 6 बजे इस शिविर में पहुंच ही जाते थे। नियमित रूप से इसका लाभ लेने वालों की संख्या भी बहुत अधिक रही।

शैव, वैष्णवों के एक साथ स्नान का प्रयास सफल

सदी के दूसरे सिंहस्थ का आखिरी अमृत स्नान इतिहास के पन्नों पर एक नया अध्याय दर्ज कर गया। लगभग गत कई सदियों से शैव व वैष्णव साधू-संत एक साथ स्नान नहीं करते थे। उनके लिये स्नान का समय पृथक-पृथक निर्धारित किया जाता रहा है। इसका कारण इनमें परस्पर विवादों की स्थिति होना भी रहा है। लेकिन यह सिंहस्थ इस मामले में भी ऐतिहासिक रहा। इस सिंहस्थ महाकुंभ में शैव और वैष्णव संतों ने भी सामंजस्य का सूत्रपात किया। अभा अखाड़ा परिषद एवं प्रशासन के प्रयास से इस बार दोनों ने एक साथ स्नान किया। इसके अंतर्गत एक ओर दत्त अखाड़ा पर शैव तो रामघाट पर वैष्णव अखाड़े अमृत स्नान कर रहे थे। भले ही आमने-सामने रहे पर पहली बार एक साथ शिप्रा में डुबकी अवश्य लगाई।

कार्ष्णि आश्रम में बही आध्यात्म की रस गंगा

शिप्रा तट के निकट लगे कार्ष्णि आश्रम में रमेश भाई ओझा सहित कई प्रख्यात प्रवचनकारों के प्रतिदिन प्रवचनों का आयोजन हुआ। इसके लिये एयर कंडिशन सभाकक्ष का निर्माण किया गया था। इसी शिविर में योग गुरु स्वामी रामदेव ने भी योग का प्रशिक्षण दिया।

परंपरा की खातिर बदलाव को नहीं रोका जाए : श्री मोदी

समीपस्थ ग्राम निनोरा में सिंहस्थ के दौरान वैचारिक महाकुंभ का आयोजन किया गया। इसमें कई प्रख्यात विचारकों को आमंत्रित किया गया। इसके समापन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इसमें शामिल हुए। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि हमें दुनिया को बताना होगा कि हम किस तरह के कॉन्फ्लिक्ट का सामना करने वाले लोग हैं। यहां अंतर्विरोधों का चरम है। इनके साथ रहना ही हमारी परंपरा का हिस्सा है। यह इसी से स्पष्ट है कि हम हठवादिता से नहीं बंधे, बल्कि आज भी दर्शन की परंपरा से प्रेरणा लेते हैं। परंपराओं में बदलाव के हिमायती भी हैं। इसलिए परंपरा की खातिर बदलाव को न रोकें। पहले यह देश मान्यताग्रस्त था कि समंदर पार नहीं जाना, लेकिन अब विदेश जाना बुराई नहीं मानी जाती। समयकाल बदल गया। समाजहित में यह बदलाव हमारे

लिए जरूरी है। हमें नई ऊंचाइयों को छूना है। प्रधानमंत्री ने कहा-'संत समाज अपने भक्तों के बीच बेटी की पढ़ाई, पर्यावरण संरक्षण और समाज से जुड़ी अन्य समस्याओं पर हर साल एक सप्ताह चिंतन करे। कार्यक्रम में श्रीलंका के राष्ट्रपति मेत्रीपाल सिरिसेना, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रमन सिंह आदि भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने तीन दिनी विचार महाकुंभ के सार के रूप में जारी सिंहस्थ घोषणा पत्र के रूप में 51 मार्गदर्शी बिंदुओं की पुस्तिका का भी लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि इस सार्वभौम संदेश में मूल्य आधारित जीवन, मानव कल्याण के लिए धर्म, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन, विज्ञान और अध्यात्म, महिला सशक्तिकरण, कृषि, स्वच्छता और कुटीर उद्योग जैसे विषयों पर देश और दुनिया के विद्वानों के विचार समाहित हैं।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

अकोला। जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा तेल्हारा माहेश्वरी महिला मंडल के सहयोग से गत दिनों ग्राम अखली बाजार में रोग निदान एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। इसमें आँख, कान, नाक, दांत, गला एवं स्त्री रोगों का उपचार किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विप्रा माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष ज्योति बाहेती ने की। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ ही जिला संगठन अध्यक्ष कविता सोमानी, सचिव जया जाजू, शिविर संयोजिका निशा टावरी, तेल्हारा महिला मंडल अध्यक्ष शोभा भट्टड़, तालुका चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक तापड़िया सहित डॉ. माधुरी चांडक, डॉ. संगीता राठी तथा डॉ. रश्मि बजाज भी मंच पर उपस्थित थीं। इंदुमति मोहता, शोभा कासट, प्रेमा मूंदड़ा, प्रतिमा चांडक, चंचल राठी, मोनिका राठी, विद्या हेड़ा, वीणा चांडक, विजयश्री जाजू, नवकिशोर टावरी, घनश्याम राठी आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। शिविर में 650 रोगियों ने परीक्षण करवाया। इसमें नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मालपाणी ने 399 रोगियों की जांच करके 51 रोगियों का ऑपरेशन के लिए चयन किया। जरूरत के अनुसार सभी रोगियों को आवश्यक दवाई, पेस्ट आदि वितरीत किए गए। सभी के लिए विट्ठलदास राठी परिवार की ओर से अल्पाहार की व्यवस्था की गई। सुबह के नाश्ते की व्यवस्था तेल्हारा माहेश्वरी महिला मंडल ने की थी। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों के साथ उषा बाहेती, मीना सोनी, अरुणा लड्ढा, किरण चांडक, मंजू गट्टानी, वर्षा राठी आदि ने सहयोग दिया। आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष निशा टावरी ने किया।

समाज पदाधिकारियों ने ली शपथ

लखनऊ। स्थानीय माहेश्वरी समाज नवनिर्वाचित प्रबंध कारिणी समिति के सदस्यों एवं पदाधिकारियों के दायित्व ग्रहण हेतु बैठक गत 5 मई को नंदकिशोर तोषनीवाल के निवास पर आयोजित की गई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं महामंत्री ने बताया कि होली मिलन एवं महेश नवमी के साथ ही अनाथ बच्चों को अनाथालय पर जाकर भोजन कराना, गरीब लड़कियों के विवाह हेतु व्यक्तिगत रूप से समाज बंधुओं की सहायता लेकर सहायता से सामूहिक पर्यटन, तीर्थयात्रा अथवा पिकनिक आयोजित करना, सुंदरकांड का पाठ, भजन संध्या एवं रुद्राभिषेक, महासभा की लाभकारी योजनाओं की जानकारी समाज बंधुओं को पहुंचाना आदि संस्था के नवीन उद्देश्यों में शामिल हैं।

वेदांत की स्टार्टअप राष्ट्रीय आयोजन में शामिल

नासिक। युवा उद्यमी वेदांत अरविंद राठी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्टार्ट अप अभियान के तहत एक वर्ष पूर्व 'वुई आर सोलर' कंपनी की शुरुआत की थी। यह कंपनी 'रूफ टॉप सोलर एनर्जी' के क्षेत्र में कार्यरत है। हाल ही में दिल्ली में कार्यक्रम अपरंपरागत ऊर्जा स्त्रोत परिषद का आयोजन किया गया, जिसमें 8 कंपनियों को शामिल किया गया। इनमें वेदांत राठी की 'वुई आर सोलर' को भी बुलाया गया। अमेरिकन कंपनी व्हिलेज कॅपीटल फंडस ने यह परिषद आयोजित की थी। इसमें कई बडे व्हेन्चर कॅपीटल फंड्स उपस्थित थे, जिसके कारण स्टार्ट अप्स को विशाल संभावनाएं उपलब्ध हो सकती हैं। उल्लेखनीय है कि मात्र एक वर्ष के कार्यकाल में वेदांत ने 160 किलो वॉट के करीब 12 प्रोजेक्ट पूरे किये हैं।

पक्षियों के लिए परिंडे वितरण

उदयपुर। संस्था माहेश्वरी महिला गौरव द्वारा स्थानीय ऑरियंटल पैलेस रिसोर्ट में वैशाख पर्व मनाया गया। इसमें संरक्षक कौशल्या गट्टानी ने महिलाओं को परिंडे बांटकर पक्षियों के लिए पानी भरने की शपथ दिलाई। गांवों में जाकर पानी की टंकियां, प्याऊ आदि लगवाकर आमजन को प्यास से राहत भी दिलाई। इसी माह में मदर्स डे पर 21 माताओं का सम्मान भी किया गया।

"ऊँचा उठने के लिए
पंखों की जरूरत
सिर्फ पक्षियों को ही पड़ती है
मनुष्य तो जितना
विनम्रता से झुकता है
उतना ही ऊँचा उठता है।"

ग्रीष्म ऋतु में महिला संगठन की शीतल जलसेवा

रतलाम। समाजसेवी ललिता सोमानी, पुष्पा असावा, राजा राठी, कांता काकानी, रुक्मणी मंत्री, चंदा राठी, रमा मालपानी के नेतृत्व में श्री हनुमान मंदिर बड़बड़ मार्ग पर शीतल आर.ओ. जल की व्यवस्था सिंहस्थ मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिये की गई। श्री माहेश्वरी समाज रतलाम के तत्वावधान में माहेश्वरी मंडल रतलाम द्वारा की गई, इस व्यवस्था की सम्पूर्ण समाज ने प्रशंसा की गई।

वैवाहिक निमंत्रण में स्वस्थ परंपरा की शुरुआत

उदयपुर। लगभग 7 हजार से अधिक भगवान गणेश की भावभंगिमा पूर्ण आकर्षक मूर्तियां बनाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त करने वाले रामनारायण एवं ललिता कोगटा दम्पत्ति ने अपने पुत्र देवाशीष के विवाह के आमंत्रण में स्वस्थ परंपरा की शुरुआत की है। इसके लिए उन्होंने सभी मेहमानों को वैवाहिक निमंत्रण कुरियर से भिजवा कर पांच बार प्यार भरे मैसेज करके पूर्ण आत्मीयता और सम्मान से वैवाहिक भोज में आमंत्रित किया। लगभग सभी आगंतुक कोगटा दम्पत्ति के इस निमंत्रण का सम्मान कर सम्मिलित भी हुए। वर्तमान की भागमभाग भरी जिंदगी में निमंत्रण की यह शैली अनुकरणीय उदाहरण है।

"परिवार एक माला है
जो प्रेम के धागे में पिरोई जाती है
सारे सदस्य इसके मोती हैं
एक मोती भी कम हो
या टूट जाए या छूट जाए
तो माला की सुंदरता
खत्म हो जाती है।
परिवार को सहजें।"

पाँचवें प्रोफेशनल्स परिचय सम्मेलन की तैयारी

अभी तक 300 से अधिक रिश्तों की सौगात के बाद 26 जून को फिर होगा आयोजन

इंदौर। श्री माहेश्वरी संस्कृति केंद्र अपना पाँचवां हाईटेक माहेश्वरी प्रोफेशनल्स युवक-युवती परिचय सम्मेलन आगामी 26 जून को आयोजित करने जा रहा है। इसमें प्रथम आयें-प्रथम पायें के आधार पर लगभग 300 प्रविष्टियों का ही समावेश किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि श्री माहेश्वरी संस्कृति केंद्र गत चार वर्षों से सतत रूप से माहेश्वरी प्रोफेशनल्स युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन करता आ रहा है। इन आयोजनों की विशेषता प्रत्येक सम्मेलन में युवकों से अधिक युवतियों की संख्या रही है। हर सम्मेलन के पश्चात मात्र 6 माह में 75 से अधिक रिश्ते जुड़े हैं। इस तरह अब तक 300 से अधिक रिश्ते तय हो चुके हैं। इसी श्रृंखला में आगामी 26 जून को होटल सयाजी के अंबर कन्वेन्शन सेंटर में केंद्र का यह पाँचवां परिचय सम्मेलन आयोजित होने वाला है।

सिर्फ योग्यता ही आधार

यह आयोजन परिवारों के आर्थिक स्तर पर नहीं बल्कि उनकी शैक्षणिक परिस्थितियों पर आधारित है। मकसद है कि माहेश्वरी समाज के गौरवशाली मूल्यों एवं महान् सांस्कृतिक परंपराओं की रक्षा भी हो तथा समान सपने देखने वाली प्रोफेशनल शिक्षा से विभूषित हमारी युवा पीढ़ी को एक सुरुचिपूर्ण उच्च टेक्निकल खुला मंच सामाजिक मर्यादाओं के अंतर्गत मिल सके। पूर्व में जो अभिभावकगण ऐसे कार्यक्रमों में सम्मिलित हो चुके हैं। वे भली भांति जानते हैं कि इसमें कई माहेश्वरी चार्टर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक एवं प्रबंधन विशेषज्ञ आदि आपस में स्वयं का विनम्र किंतु निःसंकोच परिचय देते हुए योग्य जीवन साथी को खोज चुके हैं।

भव्य स्वरूप की तैयारी

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अभा माहेश्वरी महासभा के उपसभापति (उत्तरांचल) रामगोपाल मूंदड़ा, बुलढाणा अर्बन को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड के अध्यक्ष राधेश्याम चाँडक व महासभा सभापति कार्यालय की संयुक्त मंत्री शोभा सादानी उपस्थित रहेंगी। विशेष अतिथि उदयपुर के प्रबंधक विशेषज्ञ डॉ. सत्यनारायण माहेश्वरी व अभा माहश्वेरी महिला संगठन उत्तरांचल उपाध्यक्ष मंजू बांगड़ (कानपुर) होंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संजीव लड्ढा करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विभिन्न पदाधिकारियों एवं समिति सदस्यों का मनोनयन किया गया है। समाज के प्रतिष्ठित उद्योगपतियों, व्यवसायियों, इंजीनियर्स, अधिवक्तागण, चार्टर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर्स आदि से मार्गदर्शन, परामर्श व आशीर्वचन लिया जा रहा है। सम्मेलन में विशाल एलईडी स्क्रीन, प्रोजेक्टर, कम्प्यूटर्स, ज्योतिषी आदि की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

माहेश्वरी समाज लखनऊ के चुनाव संपन्न

लखनऊ। स्थानीय माहेश्वरी समाज की प्रबंधकारणी समिति के चुनाव गत दिनों हुए। इसमें मनीष कुमार माहेश्वरी अध्यक्ष, गोबिंद भुराडिया एवं विजयप्रकाश गुप्ता उपाध्यक्ष, विनम्र माहेश्वरी महामंत्री, पंकज तोषनीवाल कोषाध्यक्ष, निर्भय प्रकाश माहेश्वरी व गौरव माहेश्वरी संयुक्त मंत्री एवं राजीव बंग, हनुमान लोया, गौरव बल्दुवा व सुधीर माहेश्वरी सदस्य चुने गए। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष रामकुमार परतानी एवं महामंत्री निखिल बल्दुआ ने अपनी प्रबंधकारणी समिति एवं लखनऊ के समस्त माहेश्वरी बंधुओं को उनके द्वारा दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

लड्ढा अध्यक्ष-काबरा मंत्री

इंदौर। माहेश्वरी महिला संगठन संयोगितागंज के चुनाव निविरोध संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी केदार सारडा थे। इसमे अध्यक्ष सुनीता लड्ढा, उपाध्यक्ष अलका बाहेती व किरण लखोटिया, मंत्री नीलम काबरा, संयुक्त मंत्री ज्योति काबरा, कोषाध्यक्ष अर्चना लाहोटी तथा संगठन मंत्री नीलिमा असावा चुनी गईं। उक्त जानकारी चुनाव में सहयोगी रहे सुभाष राठी और अश्विन लखोटिया ने दी।

असावा अध्यक्ष-हेड़ा सचिव

इंदौर। श्री माहेश्वरी समाज संयोगितागंज के चुनाव गत दिनों माहेश्वरी भवन नवलखा पर संपन्न हुए। इसमें अध्यक्ष मुकेश असावा, उपाध्यक्ष वेंकटकुमार काकाणी व केदार सारड़ा, सचिव केदार हेड़ा, सह मंत्री संजय चांडक, कोषाध्यक्ष गोपाल लाहोटी तथा संगठन मंत्री पंकज काबरा चुने गए। इनके साथ कार्यसमिति सदस्यों का भी चयन हुआ।

मुंधड़ा बनीं राष्ट्रीय प्रशिक्षक

अमरावती। जूनियर चेंबर इंटरनेशनल (जेसीआई) की स्थानीय इकाई की सदस्या एवं गणेशदास राठी विद्यालय की विज्ञान शिक्षिका नीता जीवन मुंधड़ा ने जेसीआई अमरावती के 57 वर्ष के इतिहास में प्रथम महिला राष्ट्रीय प्रशिक्षक बनकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। हालही में जेसीआई इंडिया द्वारा कोटा (राजस्थान) में चार दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इसमें देशभर के 26 अंचल के प्रशिक्षकों ने भाग लिया। अत्यंत प्रतिष्ठित व कठिन मानी जाने वाली इस कार्यशाला में श्रीमती मुंधड़ा सहित केवल 17 सहभागियों को ही राष्ट्रीय प्रशिक्षक बनने का गौरव प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

महिला मण्डल ने मनाया गणगौर पर्व

मूर्तिजापुर। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल ने गणगौर उत्सव के अंतर्गत नम्रता डागा के निवास से बिंदोरा निकाला। शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए संध्या बियाणी की आईस फैक्ट्री में शोभायात्रा के रूप में इसका समापन किया। नाश्ता एवं कुल्फी के साथ सदस्यों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल की ओर से पंछियों को दाने चुगाने के लिए चावल के पैकेट बांटे गए।

माहेश्वरी मंडल के चुनाव संपन्न

मदनगोपाल जेठा

दीपक मालपानी

नवनीत माहेश्वरी

जबलपुर। गत दिनों महेश भवन गोपाल बाग में माहेश्वरी मंडल के चुनाव प्रादेशिक सभा चुनाव प्रभारी एवं अभा माहेश्वरी महासभा के सहप्रभारी गिरिराज चाचा की उपस्थिति एवं चुनाव प्रभारी डॉ. के.जी. जेठा के निर्देशन में हुए। इसमें अध्यक्ष मदनगोपाल जेठा, उपाध्यक्ष श्यामसुंदर माहेश्वरी, सचिव दीपक मालपानी, कोषाध्यक्ष नवनीत माहेश्वरी, उपकोषाध्यक्ष वल्लभदास माहेश्वरी, सहसचिव पंकज गांधी, संपत्ति सचिव गिरधर गोपाल जेठा, सांस्कृतिक सचिव मनमोहन माहेश्वरी व जनसंपर्क सचिव मनीष माहेश्वरी चुने गए।

निःशुल्क मेडिक्लेम बीमा योजना सफलतापूर्वक जारी

इंदौर। श्री माहेश्वरी समाज इंदौर जिला, सभी क्षेत्रीय संगठन, श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी व सारड़ा फाउंडेशन द्वारा मोहश्वरी समाज के कम आय वाले परिवारों को नेशनल इंश्योरेंस कंपनी व बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी निःशुल्क प्रदान करने की योजना गत दो वर्षानुसार इस तृतीय वर्ष भी पुनः सीमित समय के लिए शुरू की गई है। जिन परिवारों का बीमा गत वर्ष किया गया था, वे अपनी स्वीकृति देकर इस वर्ष भी जारी रख सकते हैं। माहेश्वरी समाज इंदौर जिले के अध्यक्ष रामेश्वरलाल असावा व श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी के इंदौर जिला प्रभारी व संयोजक भरत सारड़ा एवं संयोजक श्रीनिवास मालपानी ने बताया कि नेशनल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा 50 हजार की फेमिली फ्लोटर मेडिक्लेम पॉलिसी 949 रुपए सालाना के प्रीमियम पर प्रदान की जावेगी। यह 949 की रुपए की राशि माहेश्वरी समाज इंदौर जिला और क्षेत्रीय संगठन, सारड़ा फाउंडेशन एवं सहयोगियों द्वारा भरी जावेगी। इस पॉलिसी में परिवार के पति-पत्नी जिनकी उम्र 65 वर्ष तक हो व दो बच्चे जिनकी उम्र 21 वर्ष तक हो शामिल होंगे। जिन परिवारों की वार्षिक आमदनी एक लाख रुपए तक है, उन्हें पॉलिसी निःशुल्क दी जाएगी। जिन परिवारों की वार्षिक आमदनी एक से दो लाख रुपए है, उन्हें मात्र 100 रुपए देना होंगे। इसमें प्रत्येक सदस्य को 50 हजार रुपए की बीमा सुरक्षा प्राप्त होगी।

"थक गया हूँ चीजों के पीछे
भाग-भागकर
थक गया हूँ सोती रातों में
जाग-जागकर
काश मिल जाये वही बचपन
जब माँ खिलाती थी
भाग-भागकर
और सुलाती थी
जाग-जागकर।"

शारदा वंशावली का हुआ विमोचन

जयपुर। वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी चन्द्रमोहन शारदा ने अपने अनुज चन्द्रप्रकाश शारदा के पुत्र विक्रम एवं वर्तिका पुत्री विपिन माहेश्वरी (लड्ढा) के जयपुर में आयोजित विवाह समारोह के अवसर पर 20 अप्रैल को शारदा परिवार की वंशावली का प्रकाशन किया। इसका विमोचन अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व उप सभापति व माहेश्वरी समाज जयपुर के संरक्षक आर.डी.बाहेती, भरूच (गुजरात) प्रसिद्ध समाजसेवी प्रकाश तापड़िया, शारदा परिवार के वरिष्ठ सदस्य 85 वर्षीय बंशीधर शारदा व बल्लभ चितलागिंया के कर कमलों से किया गया। इस अवसर पर जयपुर माहेश्वरी समाज के पूर्व अध्यक्ष रणछोड़दास मालपानी, शिक्षा सचिव कमल किशोर साबू के साथ समाज के अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्री शारदा ने बताया कि शारदा वंशावली में माहेश्वरी जाति के वंशज भगवान रामचन्द्र का समय, माहेश्वरी जाति के उत्पत्ति स्थल 'लोहार्गल' धाम के अलावा हमारी परम्पराओं के समावेश के अलावा कुल देवियों, गोत्र तथा कुलदेवता का भी पूरा विवरण दिया गया है।

राजस्थानी वेशभूषा पहन मनाया गया गणगौर उत्सव

रायपुर। गणगौर उत्सव स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। माता गवराज एवं ईसरजी की पूजा अर्चना महिलाओं द्वारा जलपान, खोल भराई एवं ओढ़ना साड़ी ओढ़ाकर तथा गवरजा के गीत गाकर की गई। इसके अंतर्गत 9 अप्रैल को शाम 6 बजे श्री गोपाल सदर बाजार से शोभायात्रा निकाली गई। मार्ग में शोभायात्रा का स्वागत लक्ष्मीनारायण लाहोटी, राजेश गोपाल राठी, दिनेश लोया, नवरतन माहेश्वरी आदि ने किया। प्रसाद वितरण भी किया गया। राजस्थानी पहनावे को बढ़ावा देने हेतु शोभायात्रा में सर्वश्रेष्ठ राजस्थानी वेशभूषा पहने शामिल हुए लोगों को पुरस्कृत भी किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। माहेश्वरी युवा समिति की ओर से माहेश्वरी सभा भवन निर्माण हेतु 51 हजार रुपए का आर्थिक सहयोग दिया गया। दो दिवसीय गणगौर उत्सव का समापन 10 अप्रैल को गणगौर गोठ (प्रसादी) के साथ हुआ। इन सभी कार्यक्रमों में अध्यक्ष विजयकुमार दम्मानी, महामंत्री सुरेशकुमार बागड़ी के साथ अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला महासभा उपाध्यक्ष ज्योति राठी, छग औद्योगिक विकास निगम अध्यक्ष छगन मूंधड़ा, रायपुर जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष जगदीश झंवर, नंदलाल मोहता सहित समस्त संगठनों व महिला मंडल सदस्याओं का सहयोग रहा।

माहेश्वरी अध्यक्ष मंडोवरा सचिव

उदयपुर। संजीवनी सीनियर सिटीजन सोसायटी के गत माह हुए चुनाव में सर्वसम्मति से रमेशप्रकाश बाहेती अध्यक्ष एवं भगवतीलाल मंडोवरा सचिव निर्वाचित हुए। दोनों ही पदाधिकारी शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवा देते आए हैं।

> "ज़िन्दगी कभी आसान नहीं होती
> इसे आसान बनाना पड़ता है
> कुछ नज़रअंदाज करके
> और कुछ बर्दाश्त करके।"

जिला महिला संगठन का हुआ गठन

रेणु चांडक

अल्पना भय्या

छिंदवाड़ा। गत दिनों जिला माहेश्वरी महिला संगठन की सभा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुंजबाला काबरा एवं मंजू चांडक (सौंसर) ने की। इस अवसर पर आगामी तीन वर्ष के लिए नई कार्यकारिणी के चुनाव विमल राठी, कमला राठी एवं सूर्यकांता टावरी की अध्यक्षता में संपन्न हुए। इसमे जिलाध्यक्ष- रेणु चांडक (छिंदवाड़ा), उपाध्यक्ष- प्रतिभा भुरड़िया (चौरई) एवं लता एस. चांडक (छिंदवाड़ा), सचिव अल्पना भय्या (छिंदवाड़ा), सहसचिव मंजरी गोदानी (पिपला), कोषाध्यक्ष- मनोरमा गोदानी (पांदुना), सह कोषाध्यक्ष रेखा काबरा (छिंदवाड़ा), सांस्कृतिक मंत्री उषा डागा (छिंदवाड़ा), प्रचार मंत्री ममता मालपानी व संगठन मंत्री अलका जाखेटिया (छिंदवाड़ा) चुनी गईं।

परिचय पुस्तिका विमोचित

हैदराबाद। माहेश्वरी समाज दिलसुखनगर द्वारा माहेश्वरी परिवारों की जनगणना कर परिचय पुस्तिका-2016 का प्रकाशन किया गया। इसका विमोचन गत दिनों समारोह पूर्वक हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि नथमल डालिया (पूर्व उपाध्यक्ष अ.भा. माहेश्वरी महासभा), विशेष अतिथि रामपाल अट्टल (अध्यक्ष आं. प्रा. माहेश्वरी महासभा), हरिप्रसाद चांडक (मंत्री आं.प्र. माहेश्वरी सभा) के करकमलों से हुआ। संस्था मंत्री प्रकाश लड्ढा ने बताया कि पुस्तिका में जनगणना के अतिरिक्त सदस्यों के पूर्ण पते, फोन नंबर, ई-मेल व व्यवसाय की पूर्ण जानकारी है। स्वागत भाषण संस्था अध्यक्ष गोपाल सोमाणी ने दिया। इस कार्यक्रम में उपाध्यक्ष घनश्याम बजाज, हनुमानदास सोमाणी, संयुक्त मंत्री बद्रीविशाल मालाणी, कार्यकारिणी सदस्य चंद्रप्रकाश मालू, आनंद इन्नाणी, शिव लखोटिया, प्रकाश राधेश्याम चांडक आदि का सहयोग रहा।

लाहोटी बने रिजन चेयरमेन

कोलकाता। संयुक्तमंत्री (पूर्वांचल) अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा रामरतन लाहोटी सत्र 2016-17 हेतु एलाईन्स क्लब इंटरनेशलन डिस्ट्रीक्ट 101 के रिजनल चेयरमेन सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए। समस्त स्नेहीजनों ने इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त किया।

गणगौर महोत्सव

अमरावती। श्री बीकानेरी माहेश्वरी सामाजिक मंडल व महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में बीकानेरी भवन भाजीबाजार में वर्षों पुरानी परम्परा के अनुरूप द्विदिवसीय गणगौर महोत्सव सम्पन्न हुआ। महोत्सव का दूसरे दिन गवरजा माता की गोठ (महाप्रसाद) से शुभारंभ हुआ। इसमें महिला मंडल ने विगत वर्षों के कार्यों का प्रोजेक्ट के माध्यम से प्रस्तुतिकरण किया। नई अध्यक्ष सविता डागा ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की। कई मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। वरिष्ठ महिला सदस्यों द्वारा गणगौर माता के बिदाई गीत गाए गए तथा पुरस्कार विजेताओं व विशिष्टजनों को सम्मानित किया गया। महोत्सव की सफलता में संयोजकों के अतिरिक्त नम्रता डागा, अर्चना कोठारी, राधिका दम्माणी, प्रतिभा दम्माणी, छाया दम्माणी, राशि दम्माणी आदि का सराहनीय योगदान रहा।

"कौन कहता है
'जैसा संग वैसा रंग'
इंसान लोमड़ी के साथ नहीं रहता
फिर भी शातिर है
शेर के साथ नहीं रहता
फिर भी क्रूर है
और तो और इंसान वो फितरत है
जो कुत्ते के साथ रहता है
फिर भी 'वफादार' नहीं है।"

कैंसर शिविर में आरोग्य सेवा कार्ड का हुआ विमोचन

जालना। महेश सेवा संघ जालना की ओर से गत दिनों आयोजित कैंसर शिविर में महेश आरोग्य सेवा कार्ड का विमोचन भी हुआ। शिविर का उद्घाटन महाराष्ट्र प्रदेश के अध्यक्ष सतीश चरखा की अध्यक्षा में डॉ. सुकेश झंवर बुलडाना अर्बन बैंक के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर व डॉ. विवेक नावंदर आरोग्य मंत्री माहेश्वरी सभा महाराष्ट्र के करकमलों से हुआ। मराठवाड़ा उपाध्यक्ष रामेश्वर बजाजा, जालना अध्यक्ष संजय दाड, जालना शहर अध्यक्ष हरिप्रसाद मूंदड़ा, टाटा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स, डॉ. मनोज तोष्णीवाल, डॉ निलेश चांडक, डॉ. गोविंद मंत्री, डॉ. श्रद्धा चांडक भी मंच पर उपस्थित थीं। महेश सेवा संघ के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मानधना तथा सचिव ताराचंद मालपाणी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस प्रकल्प के प्रमुख डॉ. केदार करवा एवं अशोक बजाज थे।

मेड़ता थोक ने मनाया स्नेह सम्मेलन

इंदौर। श्री माहेश्वरी मेड़ता थोक का वार्षिक स्नेह सम्मेलन "गणगौर उत्सव एवं सम्मान समारोह" के साथ रामावतार जाजू अध्यक्ष माहेश्वरी पत्रिका के मुख्य आतिथ्य एवं महेश तोतला अध्यक्ष पश्चिमांचल म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के विशेष आतिथ्य में आयोजित हुआ। एम.के.आई बैंक से आयीं उमा झंवर ने नेत्रदान का महत्व समझाया और समाज से इस महादान में सहभागी बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ सदस्य ओमप्रकाश बल्दवा एवं सुरेश चंद्र इंद्रा गट्टानी का सपत्निक शाल-श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र द्वारा अभिनंदन किया गया। शैक्षणिक उपलब्धि के लिए श्रेया काबरा, आदित्य राठी, उत्कर्ष राठी, रंजन जाजू को रजत पदक से और अमृता मंत्री (डिजीटल इन्स्ट्रूमेंटल इंजीनियरिंग), पलक सारड़ा (सी.ए.) को मोमेन्टो प्रदान कर अतिथियों एवं संस्था अध्यक्ष बालकिशन झंवर व मंत्री बलदेवदास जाजू द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कृष्णदास भंसाली, ओमप्रकाश बजाज, लक्ष्मीनारायण राठी, गोविंद पटवा, सुरेशचंद्र मंत्री, शीतल-श्याम सारड़ा, प्रीति-सुमित जाजू, आदि का विशेष योगदान रहा। आभार सुरेशचंद्र बजाज ने माना।

रंग-बिरंगी सांस्कृतिक स्पर्धाएं आयोजित

हिंगोली। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से एक पखवाड़े से मनाए जा रहे गणगौर उत्सव की समाप्ति भव्य कार्यक्रमों के साथ हुई। इसमें विवाहिताओं के लिए कई रंग-बिरंगी सांस्कृतिक स्पर्धाएं आयोजित करने के साथ ही अंत में स्नेह भोज भी आयोजित हुआ। उत्कृष्ट सुहागण स्पर्धा की निर्णायक डॉ. उमा सोनी, डॉ. उमा तोषनीवाल, डॉ. किरण काबरा ने विजेता के रूप में पूनम भंसाली और उपविजेता के रूप में लक्ष्मी मूंदड़ा को गणगौर की रानी के खिताब से नवाजा। मंडल अध्यक्ष निर्मला हेड़ा, सुमन भंसाली, राजश्री मूंदड़ा, यमुना हेड़ा, शारदा मूंदड़ा, गीता लाहोटी, लारा मूंदड़ा, पुष्पा मूंदड़ा, वंदना झंवर सहित सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

हनुमान जयंती पर सुंदरकांड पाठ

मेरठ। गत 22 अप्रैल को हनुमान जयंती पर्व पर माहेश्वरी सभा मेरठ जनपद द्वारा अपने कार्यालय में सुंदरकाठ पाठ का आयोजन किया गया। इस कार्य को संपन्न कराने में प्रमोद केला, त्रिभुवन मूना, पवन राठी, योगेश ढक, रामदयाल मोहता, नरेंद्र राठी, कुलभूषण कपूरिया, अशोक हरकुट, योगेश मोहता, हरि मूना आदि का सहयोग रहा।

राजस्थान प्रादेशिक सभा की बैठक सम्पन्न

बीकानेर। राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की प्रथम बैठक गत दिनों यहां आयोजित हुई। इसमें श्रीगंगानगर, चुरू, श्रीडुंगरगढ़, लूणकरण-सर, श्रीकोलायत, नौखा, नापासर, सूडसर आदि प्रदेश के सभी स्थानों से प्रतिनिधि व पदाधिकारी शामिल हुए। सभापतित्व मोहनलाल चांडक पूर्व जिलाध्यक्ष ने किया। प्रदेशाध्यक्ष सोहनलाल गट्टानी ने भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। जिला महामंत्री नारायण दास दम्माणी ने बताया कि जिला संगठन द्वारा श्रीकृष्णदास जाजू ट्रस्ट (सूरत) से 79 विधवा एवं असहाय की महिलाओं को प्रत्येक मासिक पेंशन शुरू करवाई गई। वहीं श्री अखिलभारतीय सेवा सदन (पुष्कर) के द्वारा भी जिले के 62 जरूरतमंद बन्धुओं को पेंशन सहायता योजना के अंतर्गत मदद पहुंचायी गई। महामंत्री श्री दम्मानी ने अपनी रिपोर्ट में आगे बताया कि बीकानेर जिला के उसके योगदानों के लिये आदर्श जिला घोषित किया जाऐ।

माहेश्वरी सोश्यल ग्रुप ने ली पद की शपथ

इंदौर। माहेश्वरी सोश्यल ग्रुप का शपथ विधि समारोह रामेश्वर असावा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अशोक डागा एवं विशेष अतिथि पूर्णिमा सिंगी थीं। श्री डागा ने पदाधिकारीगण एवं श्रीमती सिंगी ने कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाई। इसमें अध्यक्ष मोहन नीता सोमानी, सचिव दिनेश मधुबाला लखोटिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक चंद्रकांता चितलांग्या, उपाध्यक्ष संपतकुमार राधा साबू, सहसचिव अशोक रमिला काकाणी, कोषाध्यक्ष गोपीकिशन ब्रजलता काकाणी, प्रचार मंत्री भरत सावित्री भट्टड़, संगठन मंत्री गोपाल कृष्णा राठी एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने शपथ ली। सचिव दिनेश मधुबाला लखोटिया ने सभी अतिथियों एवं सदस्य दंपतियों का आभार माना।

नखराली गणगौर का हुआ आयोजन

कानपुर। श्री माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में गणगौर सिंधारा का कार्यक्रम नखराली गणगौर के रूप में विगत दिनों श्री माहेश्वरी पंचायती धर्मशाला में मनाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ विभिन्न प्रकार के मनोरंजक गेम खेलाए गए। उसके बाद नखराली गणगौर थीम पर आधारित हाउजी खेलाई गई। अंत में सभी ने भोजन व कुल्फी का आनंद लिया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उत्तरांचल मंजू बांगड़ अतिथि के रूप में मौजूद थीं। अध्यक्ष प्रीति तोषनीवाल ने सभी का स्वागत किया। अंजू जाजू ने आभार माना।

कुकिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अहमदाबाद। माहेश्वरी संगीनी संगठन द्वारा गत 4 मई को कुकिंग प्रतियोगिता एवं कुकरी शो का आयोजन किया गया। इसमें पास्ता व बेसन पर आधारित नमकीन व मिठाई बनाकर लानी थी। इसमें 60 सदस्याओं ने भाग लिया। इस अवसर पर बेलाबेन मणियार व प्रीति शाह द्वारा कई प्रकार के व्यंजन बनाना भी सिखाया गया। इस कार्यक्रम में वोर्जेस के पास्ता एवं वसंत मसाला का विशेष सहयोग रहा। अध्यक्ष सुधा काबरा एवं सचिव उर्मिला बाहेती के नेतृत्व में इस आयोजन में सभी सदस्याओं ने सहयोग दिया।

"'कद्र' होती है 'इंसान' की 'जरूरत' पड़ने पर ही...
'बिना जरूरत' तो 'हीरे' भी 'तिजोरी' में रखे रहते हैं।"

सूखे से जूझ रहे लोगों के लिये जल सेवा की प्रारंभ

मात्र 5 रुपए में दे रहे 20 लीटर का जार

लातूर। महाराष्ट्र का यह ऐतिहासिक जिला सूखे की भीषण मार झेल रहा है। पिछले तीन वर्षों से बरसात न होने से पानी के लिये हाहाकार मचा है। रेलवे से पानी लाया जा रहा है। सरकार हर प्रयत्न कर रही है किंतु पांच लाख की बस्ती में हर योजना अधूरी पड़ रही है।

लातूर शहर में लगभग 1250 माहेश्वरी परिवार रहते हैं। सूखे की वजह से बिजनेस भी लगभग नहीं के बराबर है। अतः आज की परिस्थिति पूर्व के भूकंप से भी भयावह है। एक पानी का 6000 लीटर का टैंकर जो शुरुवात में 300 रुपए में मिलता था, वह आज 1 हजार रुपयों में है और अगले मास पता नहीं भाव कहाँ जायेगा। माहेश्वरी समाज ने स्थानीय समाज के लिए प्रति 20 लीटर का पीने के पानी का जार केवल पांच रुपयों में शुरू किया है, जिसमें लगभग हर जार के पीछे 15 रुपयों की सब्सिडी संस्था दे रही है। समाज में अन्य घटकों के लिये टैंकर्स द्वारा पानी दे रहे हैं।

आप भी बने सहयोगी

इस संकट की घड़ी में किसी भी माहेश्वरी भाई या बहन को आर्थिक सहयोग देने की इच्छा हो तो कृपया आगे आएं। "लातूर जिला माहेश्वरी जल सेवा के नाम से सहयोग राशि A/c Name-Buldana Urban Co. IP. CR.SOC. LTD. UCO BANK, BR.-LATUR, A/C NO.-23840210000007, IFSC CODE-UCBA 0002384 में जमा की जा सकती है।

डागा अध्यक्ष व भैया सचिव

सविता डागा

अर्चना भय्या

अमरावती। श्री बीकानेरी माहेश्वरी सामाजिक मंडल के अंतर्गत कार्यरत श्री बीकानेरी माहेश्वरी महिला मंडल की निवृतमान अध्यक्षा छाया दम्माणी की अध्यक्षता में सम्पन्न आमसभा में नई अध्यक्षा का चयन किया गया। इसमें सर्वसम्मति से सविता-विनोद डागा को अध्यक्ष मनोनित किया गया। श्रीमती डागा ने अपनी कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष वीणा लखोटिया, सचिव अर्चना भय्या, सहसचिव लता मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष शकुंतला दम्माणी, प्रचारमंत्री प्रेमलता दम्माणी, सांस्कृतिक कार्यों का प्रभार संयुक्त रूप से राधा डागा व अर्चना कोठारी को सौंपा।

महेश बैंक में पंचाग श्रवण का हुआ आयोजन

हैदराबाद। दक्षिण भारतीय अग्रणीय बहुराज्यीय अनुसूचित सहकारी बैंक महेश बैंक के निजामशाही रोड स्थित प्रधान कार्यालय में दुर्मुख नाम नवसंवत्सर के शुभारंभ अवसर पर महासप्तमी के पावन दिन पंचाग श्रवण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। पं भवानी शंकर केरिया एवम नुकुला यज्ञनारायण शास्त्री ने पंचाग का पठन किया। प्रारंभ में बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा ने पं. शास्त्री एवं चेयरमेन इमीरेट्स रमेश कुमार बंग ने पं. केरिया का शाल औढ़ाकर सम्मान किया। कार्यक्रम में बैंक के वाइस चेयरमेन रामपाल अट्टल, प्रबंध निदेशक उमेशचंद आसावा के साथ बैंक के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

मारोठिया दम्पत्ति अध्यक्ष गगरानी दम्पत्ति सचिव

रतलाम। नवीन व सकारात्मक सोच तथा रचनात्मकता की अग्रणी संस्था के निर्वाचन गत दिनों सौहार्द पूर्ण वातावरण में हुए। इसमें अध्यक्ष सतीष-मंजूबाला मारोठिया, सचिव अनिल-चेतना गगरानी, सहसचिव-राजेश-हेमा चौखडा, संगठन मंत्री-द्वारकाधीश-मधु धूत व कोषाध्यक्ष सतीश-सविता झंवर चुने गये।

दम्माणी अध्यक्ष व सादाणी उपाध्यक्ष नियुक्त

अमरावती। श्री बीकानेरी माहेश्वरी सामाजिक मंडल की गत दिनों डॉ. लक्ष्मीकांत राठी की अध्यक्षता में आमसभा सम्पन्न हुई। इसमें गोविंददास अनंतलाल दम्माणी अध्यक्ष व शिवकिशन हरिकिशन सादाणी उपाध्यक्ष मनोनीत किये गये। श्री दम्माणी ने नई कार्यकारिणी का गठन किया। इसमें सचिव संजय डागा, दिलीप राठी तथा कोषाध्यक्ष ब्रजेश सादाणी चुने गये।

समाज की नवीन कार्यकारिणी गठित

इटारसी। विगत दिनों माहेश्वरी भवन में 3 वर्षों के लिए स्थानीय संगठन की नवीन कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। इसमें अध्यक्ष मेघराज राठी, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश गांधी, सचिव गिरधारी बांगड़, सहसचिव मांगीलाल मालपानी तथा कोषाध्यक्ष प्रहलाद बंग चुने गए। होशंगाबाद-हरदा जिला सभा हेतु ओमप्रकाश राठी, कैलाश चांडक, प्रदीप तोतला, प्रदीप मालपानी, विजय राठी एवं प्रहलाद बंग को चुना गया। प्रादेशिक सभा हेतु विजय राठी एवं मेघराज राठी प्रतिनिधि चुने गये।

"दहेज से जली बेटी को
जब बाप ने आग देनी चाही
तो लाश बोल पड़ी–
'बाबूजी, फिर मत जलाओ...
जलने में बड़ा दर्द होता है।'"

संस्थाओं द्वारा सिलाई मशीनों का वितरण

नागपुर। नाग फेम जेसीज व धरमपेठ महिला बहुउद्देशीय संस्था द्वारा जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवक शरद बागडी थे। जेसी अध्यक्ष वर्षासिंग ने मुख्य अतिथि शरद गोपीदास बागडी का परिचय दिया व पूर्व अध्यक्ष धारणी सरलेका ने पुष्पगुच्छ से शरद बागडी का सत्कार किया। सिलाई मशीनों का उद्‌घाटन मुख्य अतिथि शरद बागडी व गेस्ट नीलामी बावने के हाथों अध्यक्ष वर्षासिंग पूर्व अध्यक्ष धारणी सरले व अन्य सदस्यों की उपस्थिति में हुआ।

महेश बैंक ने प्राप्त किया 2800 करोड़ का लक्ष्य

हैदराबाद। महेश बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2015-216 में घोषित 2800 करोड़ रुपए के व्यापार का लक्ष्य पूर्ण किया गया है। इस उपलब्धि पर बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा, चेयरमैन इमीरेट्स रमेश कुमार बंग, वाइस चेयरमैन रामपाल अट्टल तथा निदेशक मंडल के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए समस्त पदाधिकारियों तथा स्टाफ को बधाई दी।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

कोलकाता। श्री नींबूतल्ला भवन ट्रस्ट एवं इसकी 83 साल पुरानी सहयोगी संस्था श्री नींबूतल्ला स्पोर्टिंग क्लब के छटे स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन गत दिनों ट्रस्ट भवन में हुआ। शिविर में संभ्रांत परिवार के कई जोड़ों सहित 121 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस रक्तदान शिविर का आयोजन भवन ट्रस्ट के ट्रस्टी स्व. श्री जानकीदास मूंधड़ा एवं क्लब के भूतपूर्व उप सभापति स्व. श्री गोपीकिशन बागड़ी की स्मृति में किया गया। ट्रस्ट व क्लब के मंत्री सुरेंद्र कुमार मूंधड़ा, शिविर के संयुक्त संयोजक मनमोहनदास मूंधड़ा एवं नंदकिशोर सादानी ने शिविर का संचालन सुव्यवस्थित ढंग से किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पुरुषोत्तमदास मीमानी, इंद्रकुमार मोहता, मूलचंद राठी, रमाशंकर बागड़ी, किशनगोपाल मोहता, नरेंद्र डागा, अजय मीमानी, शिवकुमार भट्टड सहित समस्त सदस्यों का सहयोग उल्लेखनीय था। किशनलाल मोहता व जयकिशन झंवर सुबह से ही सक्रिय थे।

मुरली लाहोटी को डी.लिट् की उपाधि

पुणे। ख्यात चित्रकार मुरली लाहोटी को तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ द्वारा डी.लिट् की उपाधि गत 5 मार्च को 27 वें दीक्षा पदवी प्रदान समारोह में कुलपति न्यायाधीश विश्वनाथ मो. पलशीकर व उपकुलपति दीपक जयंतराव तिलक के हाथों प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि कला क्षेत्र में श्री लाहोटी एक नाम जाना पहचाना है। करीब 55 वर्षों से चित्रकला की दुनिया में रात-दिन मग्न होकर चित्रकला में नये-नये प्रयोग करते हुए अनेक प्रकार के चित्रों का विभिन्न माध्यमों द्वारा आपने सृजन किया है। उनके द्वारा की गई कला की अनूठी सेवा को देखकर डी.लिट्. की उपाधि प्रदान की गई। महाराष्ट्र में प्रथम बार किसी चित्रकार को यह उपाधि प्रदान की गई है।

सुविधा बनी महिला समिति अध्यक्ष

बेलापुर। महात्मागांधी तंटामुक्त समिति द्वारा ग्राम तंटामुक्ति मंडल की महिला अध्यक्ष पद पर सीए सुविधा-विजय सोमानी की नियुक्ति की गई। स्वयं सुविधा चार्टेड अकाउंटेंट हैं और अपना निजी कार्यालय चलाती हैं। सन् 1994-96 में बेलापुर माहेश्वरी मंडल की अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निभाई। सुविधा ने कॅरियर विषय पर अनेक जगह व्याख्यान भी दिए हैं।

पूर्व अध्यक्ष माहेश्वरी सम्मानित

जबलपुर। माहेश्वरी युवा मंडल रायपुर के पूर्व अध्यक्ष आदित्य माहेश्वरी को उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में दिये गये उत्कृष्ट व कुशल नेतृत्व, सेवा, सहयोग एवं समर्पण हेतु गत दिनों सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री माहेश्वरी सिविल लाइंस, निवासी देवेंद्र कुमार बिंझानी (गुप्ता) के सुपुत्र हैं।

> लम्बी ज़बान और लम्बा धागा हमेशा उलझ जाता है।

तापड़िया स्मृति सेवा कोष ने आयोजित की विचार गोष्ठी

मुंबई। सफल जीवन और सार्थक जीवन में अंतर है। सफलता प्राप्त व्यक्ति का जीवन सार्थक होगा ही ऐसा नहीं कहा सकता। उक्त उद्‌गार उच्चतम न्यायालय के निवृत्तमान न्यायाधीश रमेशचंद्र लाहोटी ने माहेश्वरी प्रगति मंडल द्वारा श्री श्रीराम तापड़िया स्मृति सेवा कोष के अंतर्गत आयोजित विचार गोष्ठी में व्यक्त किए। श्री लाहोटी ने कहा कि भगवान श्रीराम ने जो किया एवम् भगवान श्रीकृष्ण ने जो कहा वह हमें अपने जीवन में करना चाहिए। मंडल अध्यक्ष दामोदर काबरा ने अपने स्वागत भाषण में श्रद्धेय श्रीराम तापड़िया के जीवन पर प्रकाश डाला। श्री काबरा ने इस संस्था के कार्य को अधिक गति प्रदान करने के उद्देश्य से 15 लाख रुपए मंडल को प्रदान किये। सीमा-मनोज साबू श्रीमती सीमा संदीप लोयलका ने भजनों की प्रस्तुति दी। मंडल के पूर्व अध्यक्ष रमेश मर्दा ने संचालन किया। आयोजन समिति अध्यक्ष विष्णु दरक ने आभार व्यक्त किया।

16 दिवसीय गणगौर उत्सव धूमधाम से मना

नागपुर/(महाराष्ट्र)। त्रिनयन माहेश्वरी महिला संगठन, पश्चिम नागपुर द्वारा 16 दिवसीय गणगौर उत्सव धूमधाम से मनाया गया। अध्यक्ष कांता सारड़ा और सचिव मंगला भूतड़ा ने बताया कि बिन्दोला और गुडला कार्यक्रम के साथ मनाया गया। राजस्थान को साकार कर गौर ईसर और उनके परिवार की झांकी सजाई गई। मीरा मालपानी, उषा कोठारी, माधुरी सारड़ा, मंगला भूतड़ा, नीलिमा लोया द्वारा गीतों की प्रस्तुति दी गई। लकी ड्रॉ सहित कई मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संगीता चांडक, सुनीता नबीरा, मनीषा चांडक, सरोज सोमानी, अस्मिता भांगड़िया, रेखा राठी, संगीता मालपानी, खुशबू मालू और सुनीता बूब द्वारा घूमर प्रस्तुत किया गया। पूर्व अध्यक्ष सुषमा चांडक, अर्चना मोहता, सरोज चांडक, आशा सारड़ा, कंचन चांडक, सुषमा डांगरा, रंजू चांडक आदि समस्त सदस्याओं का योगदान रहा।

रक्त दान शिविर का हुआ आयोजन

वाराणसी। माहेश्वरी क्लब द्वारा शिवप्रसाद गुप्त मंडलीय चिकित्सालय में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एसपीआर आशीष तिवारी का स्वागत क्लब के मानद सदस्य योगेश भुराड़िया ने किया। इस कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज ने अपने उद्देश्य 'जीवन जीते रक्त दान, मरणोपरांत नेत्रदान' को और मजबूत करते हुए 62 यूनिट रक्त का दान किया।अध्यक्ष मनीष दुजारी व मंत्री आनंद झँवर ने बताया कि माहेश्वरी समाज प्रत्येक 3-4 महीने में ऐसे शिविर का आयोजन करते आया हैं। हाल ही में एक गर्भवती महिला को आपातकालीन स्थिति में 'बी नेगेटिव' ब्लड ग्रुप कि आवश्यकता पड़ने पर क्लब के पूर्व मंत्री अभिनव सोमानी सहित अदिति करवा, रमा काबरा एवं संगीता जखोटिया ने रक्त दान कर महिला और बच्चे की जान बचाने में सहयोग दिया। कार्यक्रम के संयोजक आनंद राठी, अमृतांशु मंत्री एवं संदीप पटवारी थे। श्रीराम चितलांगिया, गोपाल दम्मानी, लोकेन्दर करवा, धीरज मल, राजेश धूत, गौरव राठी, सुनील झंवर, इत्यादि मौजूद थे।

सलमान को गुडविल एम्बेसेडर बनाने पर की निन्दा

भीलवाड़ा। संस्था पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने वन्य जीव अपराधी सलमान खान को आयोजित होने वाले रियो ओलम्पिक में भारत की ओर से गुडविल एम्बेसेडर नियुक्त किये जाने की निंदा की। उन्होंने कहा कि सलमान खान जोधपुर में काले हिरणों के शिकार के मामले में वन्य जीव अपराधी है। ऐसे में भारत सरकार द्वारा वन्य जीव अपराधी सलमान का महिमा मण्डन करने से देशभर में वन्यजीव प्रेमियों में काफी रोष व्याप्त है। इसके अतिरिक्त श्री जाजू ने पाली जिले के जेतारण तहसील के पीपल्या खुर्द गांव में नदी के किनारे 19 मोरों की जहरीले दाने से हत्या की प्राथमिकी पुलिस अधीक्षक पाली को ऑनलाईन एवं रजिस्टर्ड डाक से दर्ज कराते हुए शिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने की भी मांग की।

अजमेरा बने एसोसिएशन के राष्ट्रीय महामंत्री

जयपुर। ख्यात समाजसेवी व व्यवसायी श्रीकिशन अजमेरा द्विवार्षिक अधिवेशन में ऑल इण्डिया वूल नमदा (फैल्ट) एसोसियेशन (रजिस्टर्ड) के निर्विरोध मंत्री चुने गये हैं। उल्लेखनीय है कि सन् 1967 से निरंतर समाज के विभिन्न दायित्वों का श्री अजमेरा निर्वहन कर रहे हैं। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सन् 1982 से कार्यकारी मण्डल सदस्य हैं।

"एक पुत्र ने दो खूबसूरत पंक्तियाँ लिखीं–
'मुझसे दो पल भी माँ की जुदाई सही नहीं जाती,
पता नहीं 'बेटियाँ' ये हुनर कहाँ से लाती हैं।'"

श्री अवंतिका पंचांग का हुआ विमोचन

उज्जैन। सिंहस्थ महाकुंभ के दौरान लगे भारत माता मंदिर में ऋषि-मुनि प्रकाशन उज्जैन द्वारा प्रकाशित श्री अवंतिका पंचांग चैत्रादि का विमोचन निवर्तमान शंकराचार्य स्वामी सत्यमित्रानंदजी गिरि महाराज एवं अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति चैन्नई निवासी पद्श्री बंशीलाल राठी के करकमलों से हुआ। पंचांग प्रकाशक पुष्कर बाहेती ने इस अवसर पर स्वामीजी एवं श्री राठी का अभिनंदन भी किया। श्री बाहेती ने पंचांग की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पंचांग दृश्य पद्धति से तैयार किया जाता है। जिससे कि कालगणना पूर्णतः सटिक रहती है। इसमें पाठकों की सुविधा के लिये लगभग सभी प्रमुख मुहूर्त स्पष्ट किए गये हैं। ज्योतिषियों की सुविधा के लिये लग्न एवं ग्रहों को भी प्रातःकाल के समयानुसार स्पष्ट किया गया है। इससे आसानी से गणना कर जन्म पत्रिका तैयार की जा सकती है। यही कारण है कि न सिर्फ ज्योतिषी बल्कि आम व्यक्ति भी इसे अत्यधिक पसंद करते हैं। दृश्य पद्धति से तैयार होने से इसकी गणनाएँ देशभर में मान्य हैं।

माहेश्वरी युवा संगठन के चुनाव सम्पन्न

वरंगल। स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन के चुनाव समाज भवन में आ. प्रा.मा. महासभा दक्षिण अंचल के उपाध्यक्ष रमेश बंग की उपस्थिति तथा माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष प्रहलाद सोनी की अध्यक्षता में निर्विरोध सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी संपत कुमार लाहोटी व डॉ. विष्णुकुमार बल्दवा थे। इस चुनाव में अध्यक्ष आदित्य बजाज, उपाध्यक्ष राजेश मालाणी व सागर मूंदड़ा, मंत्री प्रतीक लाहोटी, सहमंत्री प्रदीप मूंदड़ा,विशाल सोनी, कोषाध्यक्ष हरीश लोया, सह कोषाध्यक्ष श्रीराम डालिया, सांस्कृतिक मंत्री वेणु काबरा, सह सांस्कृतिक मंत्री प्रदीप लोया, गौरव अध्यक्ष संदीप मूंदड़ा चुने गये। कार्यकारिणी सदस्यों का भी चयन किया गया।

> "बन्दरगाह में खड़ा जलयान सुरक्षित होता है लेकिन जलयान वहाँ खड़े होने के लिए नहीं बने होते।"

सोनी बनी महिला मंडल अध्यक्ष

हिम्मतनगर। माहेश्वरी महिला मंडल के चुनाव गत दिनों सम्पन हुए। इसमें राधिका सोनी को मंडल का अध्यक्ष चुना गया। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष राधिका सोमाणी मंत्री उषा दुदानी, कोषाध्यक्ष पूनम सोमाणी, सांस्कृतिक प्रकोष्ट अध्यक्ष सुमित्रा सोडाणी व प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष सरोज दुदानी चुनी गयी।

करवा अध्यक्ष व काबरा मंत्री

वाराणसी। जिला माहेश्वरी महिला संगठन का चुनाव गत 12 मार्च को स्थानीय माहेश्वरी भवन में सम्पन्न हुआ। इसमें अध्यक्ष भारती करवा, मंत्री- रमा काबरा, कोषाध्यक्ष- ममता मूंधड़ा, उपाध्यक्ष- इन्दु चांडक, उपमंत्री- मधु मल्ल, प्रचार मंत्री- अलका बाहेती, विवाह प्रकोष्ठ प्रभारी- रेखा सोमानी, सांस्कृतिक मंत्री- राशि राठी व पूनम सोमानी चुनी गई। श्रीमती करवा माहेश्वरी बोर्ड के सलाहकार सदस्य लोकेन्द्र करवा की धर्मपत्नी व स्व. जानकी वल्लभ करवा की पुत्रवधू हैं।

फागोत्सव का हुआ आयोजन

आलीराजपुर। गत दिनों नीम चौक स्थित नृसिंह मंदिर में स्थानीय महिला मंडल ने फाग उत्सव का आयोजन किया। इसमें बड़ी संख्या में माहेश्वरी समाज सहित अन्य समाज की महिलाएं भी शामिल हुईं। महिला मंडल की अध्यक्ष चंदा नगवाडिया, सचिव प्रीति मंत्री कोषाध्यक्ष अनीता कोठारी व सीमा सोमानी ने बताया कि मंदिर में फाग उत्सव दोपहर 3 बजे से प्रारंभ हो शाम 6 बजे तक चला। भगवान के साथ गुलाल व फूलों से होली खेली गई। पश्चात आरती का आयोजन कर प्रसादी का वितरण किया गया। नगर के शेषशायी आचार्य मंदिर में भी फाग उत्सव मनाया गया। भगवान शेषशायी और व्यंकटेश को रंग-गुलाल लगाकर पर्व की परंपराओं का निर्वहन किया गया।

अर्चना भांगडिया को आचार्य की उपाधि

अमरावती। कला व विज्ञान कॉलेज कामरगांव की अर्थशास्त्र विभाग प्रमुख अर्चना भांगडिया को 20 फरवरी को कुलगुरु के हाथों अमरावती विद्यापीठ द्वारा पीएचडी के समतुल्य 'आचार्य' पदवी प्रदान की गई। इसमें उनके शोध का विषय "अमरावती महसूल विभाग में रोजगार निर्मित हेतु महात्मा गांधी महाराष्ट्र रोजगार योजना का योगदान" था। इस कॉलेज में श्रीमती भांगडिया गत 10 साल से कार्यरत हैं। इस दरम्यान कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में हिस्सा लिया। आपने सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी के रूप में भी कार्य किया

स्व. श्रीमती चांडक का मना स्मृति दिवस

अमरावती। स्थानीय द डेफ एण्ड रीलिफ एसोसिएशन द्वारा संचालित बुलिदान राठी मूक बधिर विद्यालय एवं स्व. प्यारीबाई अटल अपंग कर्मशाला में वार्षिकोत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम स्व. श्रीमती कांतादेवी श्रीरंग चांडक स्मृति दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. गणेश बूब ने की। उद्घाटक महानगरपालिका आयुक्त चंद्रकांत गुडेवार तथा प्रमुख अतिथि महापौर रीना नंदा थीं। सीए संजय लखोटिया, पुरुषोत्तम हरवाणी, डॉ. सत्यनारायण कासट, प्रकाशचंद्र कोठारी, सचिव बंकटलाल राठी, पुरुषोत्तम मूंदड़ा, रंगनाथ चांडक, सारंग चांडक सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे।

श्रीमती रांदड की स्मृति में शीतल जलश्री लोकार्पित

अकोला। जे.सी.आई. सिटी की ओर से स्व. श्रीमती पुष्पमाला रांदड की स्मृति में दुर्गा चौक पर इस वर्ष भी जल सेवा "शीतल जल श्री" का लोकार्पण किया गया। इसका शुभारंभ भाजपा अकोला शहर अध्यक्ष किशोर मांगटे के हाथों सुधीर रांदड की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर पर नवलकिशोर मालू, जे.सी. अकोला सिटी के अध्यक्ष संदेश रांदड, शैलेश भैय्या, निलेश बजाज, पंकज मालू, प्रणय भट्टड, सतीष राठी, गौरव रांदड, मनोज रांदड, विनित बियाणी, हेमंत कोठारी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

गंगटोक। सिक्किम माहेश्वरी सभा का वार्षिक अधिवेशन 25 मार्च को हुआ। सामाजिक गतिविधियों पर गहन चिंतन किया गया। सभा का विशेष एजेंडा था नई कार्यकारिणी का गठन। इसमें रमेश कुमार पेड़ीवाल को सर्वसम्मति से अगले तीन साल के लिए फिर से अध्यक्ष चुना गया। सिक्किम माहेश्वरी सभा के होनहार अध्यक्ष रमेश पेड़ीवाल के नेतृत्व में आज सिक्किम समाज में नयी चेतना का सृजन हुआ है। बस इतना डालो थाली में ब्यर्थ न जाये नाली में इस नारे को पूर्ण रूप से फलीभूत करने में पेड़ीवाल का विशेष योगदान रहा। इनके साथ राजकुमार थिरानी, महासचिव सुभाष दगा, कोषाध्यक्ष, अजित सारदा एवं अरुण मूंदड़ा उपाध्यक्ष घोषित किए गए। अध्यक्ष ने प्रमोद राठी, श्याम लखोटिया, राकेश सोमानी, दिलीप सारदा, महेंद्र मर्दा, पूरखचंद मूंदड़ा, अशोक राठी, राजीव मिमानी, मोहनलाल सारदा एवं बिनोद पेरीवाल को विभिन्न पदों पर नियुक्त किया। चुनाव अधिकारी जयकिशन चांडक थे। सिक्किम माहेश्वरी महिला मंडल का चुनाव भी इसी सभा में हुआ। पुष्पा लखोटिया अध्यक्ष एवं बबिता पेड़ीवाल महासचिव चुनी गईं।

नवसंवत् 2073 का किया स्वागत

ब्यावर। भारत विकास परिषद ब्यावर शाखा द्वारा भारतीय नववर्ष विक्रम संवत् 2073 का स्वागत समारोह के रूप में किया। शाखा सचिव एवं प्रकल्प प्रभारी-अनिल भराड़िया ने बताया कि प्रातः भारत माता सर्कल पर सूर्योदय की पहली किरण के साथ भारत माता की मूर्ति पर शाखा अध्यक्ष व सदस्यों ने दीप प्रज्जवलित व माल्यार्पण कर पुष्प वर्षा से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शाखा सदस्य राजेंद्र काबरा ने बताया कि इस अवसर पर नागरिक अभिनंदन एवं स्वागत कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

बिसानी माहेश्वरी का हुआ त्रिदिवसीय आयोजन

जैसलमेर। त्रिदिवसीय बिसानी माहेश्वरी सम्मेलन शहर के आराध्य देव श्री लक्ष्मीनाथ भगवान की पूजा अर्चना भोग के साथ माहेश्वरी सेवा सदन कलाकार कॉलोनी में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. जितेन्द्र सिंह अध्यक्ष नगर सुधार न्यास व विशेष अतिथि कविता खत्री अध्यक्ष नगर परिषद थीं। अध्यक्षता डॉ. हरिवल्लभ बिसानी जैसल ने की। सम्मेलन के संरक्षक राधेश्याम बिसानी, माहेश्वरी समाज अध्यक्ष मदनलाल डांगरा व महिला मंडल अध्यक्ष पुष्पा चांडक विशेष रूप से उपस्थिति थी। सम्मान समारोह में सर्वप्रथम अतिथियों का जैसलमेरी पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। सम्मेलन में सहयोग हेतु अविनाश श्याम चांडक, अचलदास डांगरा, कंवराजसिंह एवं विजय बिसानी का तथा सफल संचालन करवाने पर प्रेम बिसानी मदुरै एवं भंवरलाल बिसानी का शाल ओढा कर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। समारोह के दौरान डॉ. हरिवल्लभ बिसानी "जैसल" द्वारा लिखित "माहेश्वरी जाति उत्पति गाथा" पुस्तक का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। तत्पश्चात् उपस्थित सभी लोगों को पुस्तक का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. जितेन्द्रसिंह का सम्मेलन संरक्षक राधेश्याम रणछोडदास बिसानी द्वारा रजत स्मृति चिन्ह सम्मान कर आभार व्यक्त किया गया। इसी दौरान भव्य शोभायात्रा भी निकली।

दम्माणी समाज रत्न से सम्मानित

अमरावती। मानवसेवा विकास फाउंडेशन व शब्दक्रांति प्रकाशन के संयुक्त तत्वावधान में संयुक्त राष्ट्रसंघ के इंटरनेशनल डे ऑफ़ इकॉनोमिक्स एंड सोशल डेवलपमेंट व भारत सरकार के बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत अखिल भारतीय प्रतिभा सम्मलेन 2016 का आयोजन किया गया। इसमें समाजसेवी श्याम दम्माणी को अमरावती जिले से राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज राष्ट्रीय समाज रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कई विभूतियाँ उपस्थित थीं। माहेश्वरी पंचायत द्वारा भी इस उपलब्धि पर श्री दम्माणी का अभिनन्दन किया गया। पंचायत के सरपंच सुभाष राठी व उपाध्यक्ष जगदीश कलंत्री ने श्री दम्माणी के निवास पर जाकर उन्हें पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया।

उषा टावरी का किया सम्मान

दुर्ग। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा उषा टावरी का दुर्ग जिला भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष निर्वाचित होने पर सम्मान किया गया। पंचायत दुर्ग के अध्यक्ष ओमप्रकाश टावरी, प्रदेश उपाध्यक्ष विट्ठल भूतड़ा, महेश एज्युकेशनल के ट्रस्टी कार्य समिति सदस्य मोहन राठी, मंदिर समिति अध्यक्ष अशोक राठी, महिला मंडल अध्यक्ष सुशीला भूतड़ा, चतुर्भुज राठी, राजकुमार गांधी, जिला अध्यक्षा मधु सोमानी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजकुमार गांधी तथा आभार प्रदर्शन राजकुमार केला ने किया।

लैंस प्रत्यारोपण शिविर सम्पन्न

जैतपुर। माहेश्वरी सेवक के प्रधान सम्पादक, अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यकारिणी सदस्य, प्रीति क्लब बीकानेर के संरक्षक, ग्राम पंचायत जैतपुर के पूर्व सरपंच, बीकानेर जिला माहेश्वरी सभा के पूर्व सचिव स्व.श्री पुरुषोत्तम बिहानी की स्मृति में जिला अंधता निवारण समिति माहेश्वरी समाज जैतपुर, प्रीति क्लब बीकानेर एवं रोटरी क्लब के तत्वावधान में लैंस प्रत्यारोपण नैत्र शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 250 से ज्यादा रोगियों की जांच करके 31 को लैंस प्रत्यारोपण के लिए चिह्नित कर बीकानेर (गंगाशहर) के आचार्य नानेश रोटरी नैत्र चिकित्सालय में लैंस प्रत्यारोपित किये गये। इसमें खाना, दवाई, यातायात, ठहरने आदि की सुविधाएँ निःशुल्क थीं। इस शिविर को सफल बनाने में नथमल मूंधड़ा, रामकुमार पेड़ीवाल, विश्वनाथ बिहानी, सुरेंद्र बिहानी, महावीरप्रसाद बिहानी, प्रीति क्लब के सचिव अशोक बागड़ी, नारायण डागा आदि का सहयोग रहा।

मुलाहिज़ा फरमाइये

तुम तो डर गए हमारी एक ही कसम से,
हमें तो तुम्हारी कसम देकर हजारों ने लूटा है।

कशिश हो तो दुनिया मिलने को मचलती है
जिंदगी शर्तों से नहीं जिंदादिली से चलती है।

▸▸ डॉ. नारायण तिवारी, एम.ए., एम.बी.बी.एस., पी.जी.डी., उज्जैन

वरंगल जिला के चुनाव संपन्न

वरंगल। जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव गत दिनों प्रगतिशील मारवाड़ी समाज भवन में संपन्न हुये। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी सदस्य प्रह्लाद सोनी चुनाव पर्यवेक्षक एवं माहेश्वरी समाज वरंगल के सहमंत्री डॉ. विष्णु कुमार बल्दवा चुनाव अधिकारी थे। इसमें अध्यक्ष गोपाल तोषनीवाल, उपाध्यक्ष प्रेमकुमार डालिया व सत्यनारायण लड्ढा, मंत्री ब्रिज गोपाल लाहोटी, सहमंत्री विनोद कुमार बजाज व गिरिधर गोपाल मणियार, कोषाध्यक्ष रमेश चंद मणियार एवं संगठन मंत्री श्याम सुन्दर लोया चुने गये।

बाघों की रक्षा के लिये प्रधानमंत्री को पत्र

भीलवाड़ा। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने टाईगर प्रोजेक्ट चेयरमेन नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर शिकारियों द्वारा 28 बाघों की हत्या की जानकारी दी गई। श्री जाजू ने मोदी को लिखे पत्र में बताया कि बाघों के आवास बफर जोन में वन रक्षकों की पेट्रोलिंग नहीं होने से पिछले 4 माह में मध्यप्रदेश में 6, उत्तराखण्ड में 5, छत्तीसगढ़में 3 और कर्नाटक में 2 बाघों की हत्याएं की जा चुकी है।

गणगौर उत्सव का हुआ आयोजन

छिंदवाडा। माहेश्वरी महिला मंडल की और से प्रतिवर्षानुसार पर्व मनाया गया। संगीता राठी की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में गणगौर की शोभायात्रा और गोठ आकर्षण का केंद्र रहा। सभी सदस्याओं ने सहयोग किया। सचिव अर्चना चांडक ने बताया कि वरिष्ठ महिलाओं द्वारा पहली बार सिंजारा आयोजित किया गया। सांस्कृतिक मंत्री शुचिता राठी के प्रयास से महिला मंडल के अन्तर्गत महिलाओं एवम् युवतियों के लिए एक माह का हॉस्पिटैलिटी सर्टिफिकेट कोर्स कराया गया। अध्यक्ष संगीता राठी, अल्पना भैया, रेणु चांडक, ब्रजलता राठी एवम् शुचिता राठी का विशेष सहयोग रहा।

पर्यावरण के लिए महिलाओं ने चलाई साईकिल

भीलवाड़ा। "साईकिल चलाओ अभियान के अंतर्गत साईकिल रैली शास्त्रीनगर, न्यू हाउसिंग बोर्ड व पुराने हाउसिंग बोर्ड के सभी मार्गों पर होती हुई शास्त्री नगर पुलिस चौकी सर्किल तक निकाली गई। साईकिल रैली में रेखा तोतला, अल्का मारू, कृष्णा लड्ढा सहित लगभग 100 लोगों ने भाग लेकर नारे लगाते हुए साईकिल चलाओ-प्रदूषण भगाओ-सेहत बचाओ, साईकिल चलाओ-पर्यावरण बचाओ का संदेश दिया। पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू ने भी साईकिल चलाकर प्रदूषण कम करने की अपील की। रैली में भाग लेने वालों को अंकुरित मूंग, मोठ, चना, मूंगफली व फलों का ज्यूस साईकिल रैली सदस्य हेमराज जागेटिया की ओर से पिलाया गया।

"बस एक बात सीखी है ज़िन्दगी में...
अगर अपनों के करीब रहना है तो मौन रहो
और अपनों को करीब रखना है
तो बात दिल पर मत लो।"

रेणु बनी सीएस

गुवाहाटी। समाज सदस्य विक्रम माहेश्वरी की धर्मपत्नी रेणु माहेश्वरी ने कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

संदेश अमेरिका रवाना

अकोला। कुरुम निवासी भगवान मालानी तथा प्रमिला मालाणी के सुपुत्र संदेश मालाणी अमेरिका रवाना हुए। उल्लेखनीय है कि संदेश टीसीएस में कार्यरत हैं और कंपनी ने उन्हें यूएसए पहुँचाया है।

नंदिनी को सफलता

वरंगल। नंदिनी सोनी सुपुत्री लक्ष्मीकांत सोनी ने इंट्रेमीडियट की परीक्षा 94 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। माहेश्वरी समाज वरंगलकी ओर से छात्रा का सम्मान किया गया।

पूजा को 90 प्रतिशत अंक

खाजूवाला। समाज सदस्या श्रीमती सूरज व भीखमचंद सोमानी की सुपुत्री पूजा सोमानी ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय देते हुए सीबीएसई 12वीं वाणिज्य की परीक्षा 90.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में दूसरा स्थान प्राप्त करके उत्तीर्ण की। माहेश्वरी सभा खाजूवाला की तरफ से पूजा का अभिनंदन किया गया।

सलोनी को सुयश

इंदौर। वरिष्ठ समाजसेवी सत्यनारायण व शकुंतला माहेश्वरी की पौत्री व सुरेंद्र संगीता माहेश्वरी की सुपुत्री सलोनी ने सीबीएसई 12 वीं कॉमर्स की परीक्षा में 93.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। इसमें सलोनी ने अपने स्कूल में 6टी रेंग प्राप्त की है।

खुशबू को 93 प्रतिशत अंक

हावड़ा (कोलकाता)। रतनगढ़ निवासी भीकमचंद-राजूदेवी तापड़िया की पौत्री एवं हावड़ा (कोलकाता) निवासी अरविंद-प्रेम तापड़िया की सुपुत्री खुशबू तापड़िया ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 93 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। खुशबू संयुक्त मेडीकल प्रवेश परीक्षा भी दे रही है।

Net Protector
NPAV
Total Security
PC, Laptop, Tablet, Mobile
Total सुरक्षा
Call :
9272707050 / 9822882566
india antivirus.com

Computerised Horoscope

Most Advanced Mathematical Software in India
Windows based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer - Dot Matrix or Inkjet or Laser.

Call: 9225664817
020-65601926

Choice of 6 Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu

Kundali 2012
www.kundalisoftware.com

जय महेश

'श्री माहेश्वरी टाईम्स' की सौगात
माहेश्वरी प्रतीक-चिह्न
के स्टीकर. जिन्हें आप अपने आवास या व्यावसायिक प्रतिष्ठान पर लगाकर गर्व से जता सकते हैं अपनी पहचान हम हैं माहेश्वरी
इन्हें आप प्राप्त कर सकते हैं, मात्र लागत मूल्य पर.
लिफाफे सहित मात्र 7 रुपये व लिफाफे के बिना मात्र 6 रुपये
संगठनों के द्वारा भेंट किये जाने पर संगठन के नाम व प्रिंट करने की भी व्यवस्था उपलब्ध है।
सम्पर्क : 90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)-456010
फोन : 0734-2526561, 2526761, 094250-91161

आस्था और विश्वास का अद्भुत समागम

सिंहस्थ कुंभ महापर्व 2016 विक्रम संवत् 2073

22 अप्रैल-21 मई, 2016, उज्जैन

सिंहस्थ

कुंभ महापर्व
उज्जैन

पवित्र नगरी उज्जैन में
श्रद्धा और विश्वास का अनूठा समागम
सिंहस्थ कुंभ,
एक कभी न भूलने वाली स्मृति।

आयोजन की व्यवस्थाएं

- सबसे बड़ा मेला क्षेत्र 3061 हेक्टेयर जमीन पर।
- सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था के लिए मेला क्षेत्र एवं शहर 6 जोन व 22 सेक्टर में विभाजित। 650 सीसीटीवी कैमरे तथा 51 अस्थायी थाने और 25 हजार पुलिस कर्मी।
- मेट्रो सिटी का अहसास देती 362 करोड़ लागत से सड़कों का निर्माण तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 63 करोड़ से पंचक्रोशी मार्ग का उन्नयन।
- 550 मेडिकल ऑफीसर। दो हजार से अधिक स्वास्थ्य कर्मी।
- मोबाइल एप, हेल्प सेन्टर्स, कॉल सेंटर "डायल 1100" इमरजेंसी बटन भी।
- स्थानीय निवासियों सहित प्रत्येक श्रद्धालु का ₹ 2 लाख का दुर्घटना बीमा।
- सौ से अधिक एटीएम मेला क्षेत्र में।
- पार्किंग, परिवहन की पर्याप्त सुविधा।
- 7 पुल क्षिप्रा नदी पर, 5 रेलवे ओव्हर ब्रिज, 2 फ्लाई ओव्हर।
- 450 बिस्तर का महिला एवं शिशु अस्पताल।
- सिंहस्थ क्षेत्र 6 सेटेलाइट टाउन।
- 400 ट्रांसफार्मर और 10 हजार विद्युत पोल।

सिंहस्थ आध्यात्मिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक महापर्व है।
इस अवसर पर उज्जैन पधारे हर अतिथि की सुविधा
हमारी प्राथमिकता है ताकि वह अविस्मरणीय अनुभव
अपने साथ ले जाये।

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री

अतिथि देवो भव की संस्कृति के साथ - उज्जैन, मध्यप्रदेश

जनसम्पर्क, मध्यप्रदेश

अन्तिम शाही स्नान के साथ सम्पन्न हुआ
सिंहस्थ महाकुम्भ 2016

उज्जैन में आयोजित सिंहस्थ महाकुम्भ तमाम नकारात्मकता के विष पर अपने अमृत से भारी पड़ ही गया। ज्योतिषीय नक्षत्रों की स्थिति के अनुसार इस अवधि में चाण्डाल योग के कारण अप्रिय घटनाओं के कयास लगाये जा रहे थे। लेकिन धर्म, आध्यात्म, आस्था और विश्वास के सामने यह योग भी नतमस्तक हो गया। बारिश व आंधी जैसी प्राकृतिक विपदा के बावजूद देश विदेश से आये लगभग 8 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का विश्व रिकार्ड बनाते हुए इसका समापन हो गया।

पौराणिक मतानुसार अमृत मंथन के अवसर पर अमृत गिरने वाले स्थानों पर महाकुम्भ का आयोजन होता है। इस श्रंखला में उज्जैन मे 12 वर्षों में एक बार लगने वाले सिंहस्थ महाकुम्भ की शुरूआत गत 22 अप्रेल को प्रथम शाही स्नान से हुई थी। इसके पश्चात् एक माह तक कुम्भ आध्यात्म का रस बरसाते हुए गत 21 मई को अंतिम शाही स्थान के साथ सम्पन्न हो गया। इस बीच बारिश व आंधी ने अपना कहर भी बरपाया लेकिन वह विपदा भी श्रद्धा के सामने नत मस्तक हो गई। कई पाण्डाल धराशाही हुए लेकिन फिर से सभी कुछ सामान्य हो गया।

उमड़ा भारी जन सैलाब

वैशाख पूर्णिमा के अवसर उज्जैन सिंहस्थ महाकुंभ में मोक्षदायिनी शिप्रा नदी के पवित्र जल में शाही स्नान की पूर्व रात्रि में लाखों श्रद्धालुओं ने मोक्षदायिनी शिप्रा में आस्था और विश्वास के साथ डुबकियां लगाई। शाही स्नान की पूर्व संध्या 20 मई की शाम से ही श्रद्धालुओं का जनसैलाब शिप्रा तट पर स्नान के लिए उमड़ पड़ा। रामघाट, दत्त अखाड़ा घाट, नृसिंह घाट, सुनहरी घाट, वाल्मीकि घाट, भूखी माता घाट और लालपुल, गऊघाट पर लाखों श्रद्धालुओं ने 20 मई की मध्य रात्रि 12 बजे तक स्नान किया। सिंहस्थ के अंतिम शाही स्नान के एक दिन पूर्व श्रद्धालुओं में अपार उत्साह देखने को मिला। बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं एवं पुरुषों ने उज्जैन पहुंचकर शिप्रा के जल में डुबकी लगाने के अवसर का लाभ उठाया। लाखों श्रद्धालुओं के एक साथ शिप्रा तट पर डुबकी लगाकर अमृतपान करते हुए आलौकिक नजारा देखते ही बन रहा था। धर्म, आध्यात्म, आस्था व विश्वास का ऐसा नजारा पहले कभी देखने को नहीं मिला। शाही स्नान की पूर्व तैयारियों में प्रशासनिक अमला पूरी मुस्तैदी के साथ जुटा हुआ था। होमगार्ड के जवान व तैराक दल नावों में सवार होकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था संभाले हुए थे। सिंहस्थ सेवा दल के स्वयं सेवक भी घाट पर तैनात होकर श्रद्धोंलुओं का मार्गदर्शन कर रहे थे। पुलिस बल भी मुस्तैदी के साथ सुरक्षा व्यवस्था में जुटा था।

मशीनों से हुई घाटों की सफाई

शाही स्नान की पूर्व संध्या से रात्रि 12 बजे तक कोई भी श्रद्धालु शिप्रा में स्नान का अवसर छोड़ना नहीं चाह रहा था। जैसे ही रात्रि 12 बजे रामघाट और दत्त अखाड़ा घाट साधु-संतों के शाही स्नान के लिए खाली कराना प्रारंभ कर दिया गया। आम श्रद्धालुओं को इन दोनों घाटों से अन्य घाटों पर स्नान के लिए भेजा जाने लगा। इसके बाद शुरू हुआ रामघाट व दत्त अखाड़ा घाट की साफ सफाई का कार्य, आधुनिक मशीनों, चलित पंपों के द्वारा घाटों की धुलाई की गई। धुलाई के दौरान रामघाट व दत्त अखाड़ा घाट पूरी तरह से खाली दिखाई दे रहे थे। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो शिप्रा तट को भी शाही स्नान के लिए साधु-संन्यासियों का बेसब्री से इंतजार हो। घाटों की साफ-सफाई व धुलाई के पश्चात दूधिया रोशनी से नहाई शिप्रा मैया के पावन तट पर असीम शांति की अनुभूति हो रही थी। एक तरफ सुनहरी घाट, नृसिंह घाट व अन्य घाटों पर आम श्रद्धालु स्नान कर रहे थे वहीं दत्त अखाड़ा व रामघाट साधु संतों और अखाड़ों के शाही स्नान के लिए पूरी तरह से तैयार कर दिए गए थे।

वर्षों बाद शैव व वैष्णव संतों ने किया एक समय स्थान

सदी के दूसरे सिंहस्थ के तीसरे व अंतिम शाही स्नान के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। अंतिम शाही स्नान के साथ ही सिंहस्थ महापर्व का महाआयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अंतिम शाही स्नान में सर्व प्रथम श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री अवधेशानंद जी के नेतृत्व में हजारों नागा साधुओं ने शिप्रा में आस्था और विश्वास की डुबकियां लगाई। जैसे ही सुबह 3 बजे का समय हुआ नागा साधुओं का देंल तेजी से क्षिप्रा घाट पर आया और हर-हर महादेव, जय महाकोंल, शिप्रा मैया की जय हो आदि उद्घोष के साथ पावन सलिला के जल में कूद पड़े। अमृत स्नान में साधु सन्यासियों के हर-हर महादेव, जय शिप्रा मैया के नारों से शिप्रा तट गुंजायमान हो उठा। एक ओर जहां दत्त अखाड़ा घाट पर शैव अखाड़ों के नागा सन्यासी शिप्रा में डुबकी लगाकर शाही स्नान में अमृतपान कर रहे थे, वहीं रामघाट पर जय सियाराम, जय-जय सियाराम, जय श्रीराम के उद्घोष के साथ वैष्णव अखाड़ों के साधु संत भी शिप्रा में डुबकियां लगाते देखे जा रहे थे। शिप्रा के दोनों तट पर एक साथ साधु सन्यासियों को उत्साहपूर्वक शिप्रा में डुबकी लगाकर अमृतपान करते हुए आलौकिक नजारा देखते ही बन रहा था। सम्पूर्ण शिप्रा तट पर शाही स्नान के दौरान लोगों को आलौकिक, अदभुत आनंद की अनुभूति हो रही थी। श्रद्धालुओं ने धर्म, आध्यात्म, आस्था और विश्वास का ऐसा नजारा पहली बार देखा। धर्म, आध्यात्म, आस्था और विश्वास का ऐसा अदभुत नजारा जीवन में बहुत कम देखने को मिलता है। यही कारण है कि लाखों श्रद्धालु इस क्षण का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और जैसे ही उन्होंने यह नजारा देखा उसे अपने मोबाइल कैमरे में कैद करने लग गए। स्नान के लिए दोनों ओर साधु-संत, हाथी, घोड़े, ऊंट और रथ व बग्घियों पर सवार होकर आन-बान-शान से बैण्ड बाजों के साथ शंखनाद करते हुए शिप्रा तट पर पहुंचे थे।

मोक्ष के लिए क्षिप्रा स्नान

सदी के दूसरे सिंहस्थ के तीसरे व अंतिम शाही स्नान में तड़के से ही दत्त अखाड़ा घाट, रामघाट, नृसिंह घाट, सुनहरी घाट सहित अन्य घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने स्नान पर्व का लाभ लेते हुए मां शिप्रा के पवित्र जल में डुबकियां लगाई। माना जाता है कि अमृत की चाह में देव दानवों में हुए संघर्ष के दौरान अमृत कलश से कुछ बूंदे हरिद्वार, इलाहाबाद, उज्जैन और नासिक की नदियों में छलक गई थी। इसी की स्मृति में प्रत्येक बारह वर्षों बाद इन स्थानों पर कुंभ पर्व का आयोजन होता है। ग्रहों की स्थिति के अनुसार गुरु जब सिंह राशि में होते हैं और मेष राशि में सूर्य होता है तब उज्जैन में

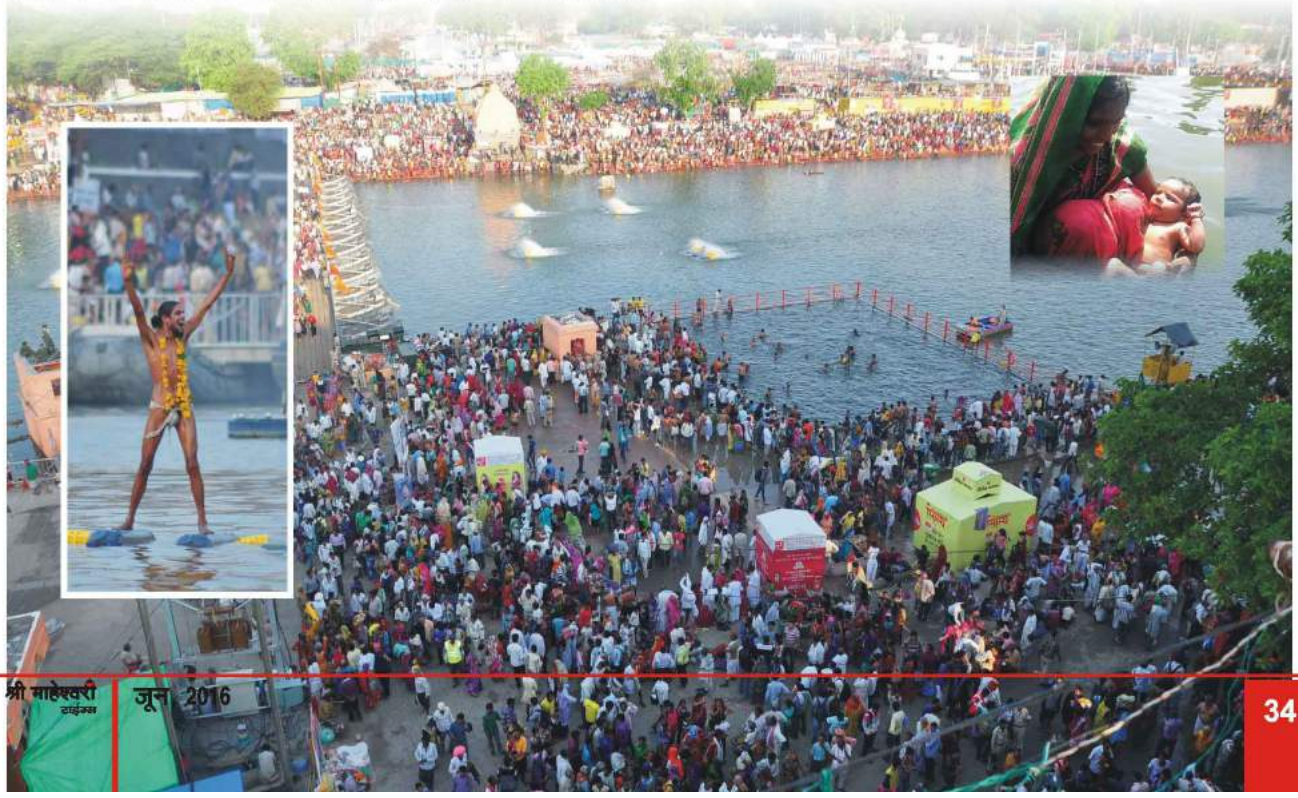

सिंहस्थ होता है। जानकार उज्जैन सिंहस्थ का इसलिए अधिक महत्व देते है कि यहां पर शिप्रा स्नान करने से मोक्ष प्राप्त होता है। शिप्रा को मोक्षदायिनी नदी माना गया है। यही कारण है कि वैशाख पूर्णिमा के अवसर पर उज्जैन में लाखों लोगों ने शाही स्नान के दिन मोक्ष की चाह में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया।

इस तरह पहुंचे शैव अखाड़े

श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा, आवाहन अखाड़ा एवं अग्नि अखाड़े का जुलूस अपनी छावनी से रवाना होकर छोटी रपट पर पहुंचकर स्नान कर दत्त अखाड़ा के समीप बने रेम्प से अपने कैम्प में पहुंचा। निरंजनी अखाड़े एवं आनंद अखाड़े का जुलूस बड़नगर रोड स्थित शिविर से रवाना होकर छोटी रपट होते हुए बाएं चलने के सिद्धांत का पालन करते हुए रोड डिवाइडर के बांइ तरफ जाकर खड़े हो गए तथा निरंजनी अखाड़े के जुलूस के वापस होने के तुरंत बाद दत्त अखाड़ा में प्रवेश कर यहां स्नान के बाद अखाड़ा घाट खाली कर डिवाइडर के दूसरी ओर होते हुए बड़नगर रोड पर शंकराचार्य चौराहे होते हुए वापस अपनी छावनी में पहुंचा। महानिर्वाणी एवं अटल अखाड़े का जुलूस बड़नगर रोड स्थित कैम्प से रवाना होकर छोटी रपट पर दत्त अखाड़ा घाट के समीप लगे रोड डिवाइडर के बांई ओर आकर खड़ा हुआ और दत्त अखाड़ा घाट खाली होते ही घाट पर प्रवेश किया और स्नान के बाद डिवाइडर के दूसरी तरफ सड़क के बाएं चलने के सिद्धांत का पालन करते हुए वापस अपनी छावनी के लिए रवाना हो गया। श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा एवं पंच अटल अखाड़ा- श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा एवं पंच अटेंल अखाड़ा बड़नगर रोड छावनी से शंकराचार्य चौक होते हुए छोटी रपट, केदारघाट एवं दत्त अखाड़ा घाट पहुंचकर स्नान किया और पुनः इसी मार्ग से छावनी की ओर रवाना हुआ।

वैष्णव अखाड़ों का स्नान

रामघाट पर क्रमशः पंच निर्मोही अणि अखाड़ा, श्री दिगम्बर अणि अखाड़ा एवं श्री पंच निर्वाणी अणि अखाड़ों का स्नान भी प्रातः 3 बजे से प्रारंभ हुआ। यह अखाड़े खाकचौक से अंकपात, पटेल नगर, निकास चौराहा, कंठाल, सतीगेट, छत्रीचौक, पटनी बाजार, गुदरी चौराहा, रामानुज कोट होते हुए बैण्ड-बाजों व ढोल-ढमाकों के साथ रामधुन एवं भजनों की स्वरलहरियों के साथ रामघाट पर पहुंचे। यहां स्नान के बाद ये अखाड़े वापस गंधर्व गेट से दानीगेट, बिलोटीपुरा, जूना सोमवारिया, वाल्मिकीधाम के सामने से पीपलीनाका, अंकपात मार्ग होते हुए अपनी छावनी के लिए रवाना हुए।

उदासीन व निर्मल अखाड़ों का स्नान

बड़ा उदासीन अखाड़ा ने अपने शिविर के सामने से राजपूत धर्मशाला से दानीगेट मोड़ की धर्मशाला, गनगौर दरवाजा होते हुए रामघाट पर प्रवेश किया। नया उदासीन अखाड़े ने अपने शिविर से रवाना होकर शंकराचार्य तिराहा छोटी रपट होकर रामघाट पर प्रवेश किया। दोनों अखाड़े स्नान के बाद उक्त तय मार्ग से वापस अपनी छावनी के लिए रवाना हुए। निर्मल अखाड़ा अपने शिविर से रवाना होकर छोटी रपट पर रोड डिवाइडर के सेवादल शिविर के पास आकर खड़ा हुआ तथा नया उदासीन अखाड़े के वापस निकल जाने के बाद वहां से रवाना होकर घाट पर पहुंचा और स्नान के बाद वापस इसी मार्ग से अपने शिविर की ओर रवाना हुआ।

सिंहस्थ के दौरान आई विपदा पर पड़ी आस्था भारी

सिंहस्थ कुंभ के दौरान बनने वाले चांडाल योग की प्रतिक्रिया बारिश व आंधी के रूप में सामने आई। यह स्थिति दो बार बनी। प्रथम बार 5 मई को अचानक हुई बारिश व तेज हवाओं से सैकड़ों पांडल ढह गए और उनके गिरने से सात लोगों की मृत्यु हो गई तथा कई लोग घायल हो गए। अंकपात क्षेत्र की स्थिति तो लगभग वीरान सी हो गई थी। विद्युत व्यवस्था आदि भी ठप हो गई। एक बार तो ऐसा लगा कि जैसे पूरा महाकुंभ वीरान और खत्म हो चुका है। सभी संत इतने नुकसान के बाद मेला छोड़ कर ही चले जाएंगे। श्रद्धालु भी डर के मारे आने में कतराएंगे।

इन सबके बावजूद न तो प्रशासन ने हार मानी और न ही आस्था हल्की पड़ी। मात्र दो दिन के अंदर पूरे क्षेत्र की व्यवस्थाएं सुधार दी गई और फिर से पांडाल सज गए। ठीक इसी तरह की स्थिति दूसरी बार 9 मई को फिर बनी लेकिन इसमें नुकसान कुछ कम हुआ।

मुख्यमंत्री ने कैतली लेकर स्वयं चाय पिलाई

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान देर रात उज्जैन पहुंचे और रातभर मेला क्षेत्र में विशेष रूप से मंगलनाथ क्षेत्र में पैदल घूम-घूम कर विपदा प्रभावित तीर्थ यात्रियों से मुलाकात कर उन्हें राहत पहुंचाते रहे। उन्होंने जिला अस्पताल जाकर भी पीड़ित व्यक्तियों को ढाँढस बँधाया और उनका त्वरित इलाज एवं सहायता सुनिश्चित की। तेज आँधी और बारिश के कारण मेला क्षेत्र हुई जन-धन की हानि के बाद शासन-प्रशासन द्वारा त्वरित रूप से युद्ध स्तर पर किये जा रहे बचाव कार्यों की समीक्षा करने मुख्यमंत्री श्री चौहान सुबह 4.15 बजे उज्जैन में सीधे सर्किट हाऊस पहुंचे। यहाँ पहुंच कर उन्होंने शीर्ष अधिकारियों से प्राकृतिक आपदा में घायल हुए श्रद्धालुओं और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही क्षिप्रा नदी की सफाई का भी जायजा लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री सीधे जिला अस्पताल पहुंचे, जहाँ पर उन्होंने श्रद्धालुओं की कुशलक्षेम भी जानी। इसके बाद मुख्यमंत्री चिमनगंज कृषि उपज मंडी पहुंचे। गौरतलब है कि प्रशासन द्वारा तीर्थ यात्रियों के रुकने एवं उनके भोजन की व्यवस्था 5 मई को त्वरित रूप से यहाँ पर गई थी और स्कूल शिक्षा मंत्री पारस जैन ने स्वयं मोर्चे सम्हाला था। यहाँ पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ठहरे हुए श्रद्धालुओं से चर्चा की उनका हाल जाना। इस दौरान मुख्यमंत्री ने खुद ही चाय की कैतली थामते हुए ठहरे हुए तीर्थ यात्रियों को चाय भी पिलाई।

पूरा शहर बना मेजबान

इन स्थितियों के दौरान पांडालों में ठहरे लोगों को रात गुजारना

कठिन पड़ा। इस समय सिंहस्थ क्षेत्र में लगभग 15 लाख से अधिक श्रद्धालु विभिन्न कैम्पों में ठहरे हुए थे। इन सभी को शहर की ओर रुख करना पड़ा। इस प्राकृतिक विपदा के कारण महाकुंभ क्षेत्र में चल रहे अन्नक्षेत्र भी प्रभावित हो गए थे। लेकिन इसमें एक अद्‌भुत ही नजारा देखने के लिए मिला। जहां अपने नष्ट हो गए कैम्पों के बावजूद कई संत श्रद्धालुओं की सेवा मात्र के लिए अन्नक्षेत्र चला रहे थे वहीं शहरवासी भी पूरी तरह से आगंतुकों के स्वागत में इस तरह जुट गए जैसे यहां आने वाले लोग उनके व्यक्तिगत मेहमान हों। प्रशासन ने विभिन्न स्कूल भवनों व मंडी परिसर में भोजन व आवास की व्यवस्था की थी इसके बावजूद वह पर्याप्त नहीं थी। ऐसी स्थिति में प्रशासन ने भी आमजन से सहयोग की अपील की। शहरवासी इस अपील के पहले से ही अपने इन मेहमानों के स्वागत में जुट चुके थे। लाखों श्रद्धालु लोगों के मकानों व उनके बरामदे में ठहरे और इनके खाने-पीने की व्यवस्था भी लोगों ने ही की। शहर की कई मस्जिद व गुरुद्वारे भी श्रद्धालुओं के ठहरने आदि के लिये खोल दिए गये। इस स्थिति ने सर्वधर्म समभाव व उज्जैनवासियों की मेहमान नवाजी का अद्‌भुत दृश्य प्रस्तुत किया।

विदाई बेला में शिष्यों की आंखों से बहे आंसू

पदमविभूषण और निवृत्त शंकराचार्य स्वामी सत्यमित्रानंद गिरिजी को हरिद्वार रवाना हो गए। अंतिम अमृत स्नान के बाद स्वामीजी ने सिंहस्थ शिविर छोड़ दिया था। इंदौर रोड स्थित एक होटल में वे प्रवास पर थे। अब स्वामीजी कभी उज्जैन नहीं लौटेंगे। उन्होंने हरिद्वार स्थित मठ कभी नहीं छोड़ने का फैसला किया है। स्वामीजी से मिलने के लिए सैकड़ों शिष्य होटल पहुंचे। सत्यमित्रानंद गिरी ने मौजूद सभी लोगों को प्रसाद स्वरूप रुद्राक्ष की माला और तस्वीर भेंट की। एयरपोर्ट के लिए जब वे कार में बैठे तो शिष्यों की आंख से आंसू छलक पड़े। उन्होंने सभी का अभिवादन स्वीकार करते हुए सिंहस्थ को अलविदा कहा। सत्यमित्रानंदजी ने कहा कि अब वे हरिद्वार के मठ से बाहर नहीं जाएंगे। मठ में ही पूजा-पाठ करेंगे। बिदाई की बेला में लगभग अधिकांश संतों के यहां पर यही स्थिति थी। कई संत उज्जैनवासियों एवं श्रद्धालुओं से मिले अपनत्व सम्मान से अभिभूत थे।

अंतिम शाही स्नान में उमड़े एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु

वैशाख पूर्णिमा के अंतिम अमृत स्नान के साथ ही सदी के दूसरे सिंहस्थ का विसर्जन हो गया। अगला सिंहस्थ 2028 में होगा। शनिवार को मोक्षदायिनी मां शिप्रा के घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। इस शाही स्नान पर करीब 1 करोड़ 5 लाख लोग उज्जैन पहुंचे। महाकाल मंदिर में 7 लाख दर्शनार्थियों ने दर्शन किए। शिप्रा के 35 प्रमुख घाटों पर दिन भर आस्था की डुबकी लगती रही। शाम को शहर के भीतर आने वाले और बाहर जाने वाले दोनों मार्गों पर वाहनों की बड़ी कतारें लगी रहीं। कई वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। जाम की स्थिति यह थी कि शहर पहुंचने वाले इंदौर, देवास, शाजापुर, मक्सी, आगर आदि लगभग सभी मार्गों पर 25 से 35 किमी की दूरी से ही जाम लग चुका था। इतनी दूरी चार-चार घंटे में पूरी हो रही थी। इसके बावजूद हर कोई इस स्नान से वंचित नहीं रहना चाहता था

सिंहस्थ को होली समझ जर्मनी से भारत आए

सिंहस्थ को होली समझ युवक-युवती जर्मनी से भारत पहुंचे। रामघाट व मेला क्षेत्र में जो अद्‌भुत नजारा देखा तो वे नमस्ते इंडिया बोल उठे। पूरी रात रामघाट पर बिताई और हर नजारों को अपने कैमरे में कैद किया। भारतीय वेशभूषा भी अपनाई। 35 वर्षीय फियोन व 30 वर्षीय फिंच जर्मनी से पांच दिन के भ्रमण पर उज्जैन पहुंचे। शुक्रवार रात में ही वे रामघाट पर पहुंच गए। शिप्रा के कलकल बहते पानी, फव्वारे समेत श्रद्धालुओं की भीड़ ने उन्हें अचंभित कर दिया। दोनों भगवा रंग की ड्रेस में थे। फिंच ने जहां गले में रूद्राक्ष की माला पहन रखी थी तो फियोन के हाथ में कमंडल था। धोती व कुर्ते के साथ फियोन ने भी रूद्राक्ष की माला पहन रखी थी। उनके साथ भारतीय मित्र भी थे। उन्होंने बताया फियोन व फिंच को गुगल पर सिंहस्थ की जानकारी मिली थी। जिसे वे होली समझ बैठे और यहां आ गए। यहां आकर वे रोमांचित हो उठे। अफसर, कर्मचारी समेत शिप्रा किनारे तैनात वालंटियर्स से उन्होंने सिंहस्थ, शिप्रा, भगवान महाकाल आदि की जानकारियां भी ली। फियोन व फिंच की तरह की सैकड़ों विदेशी को सिंहस्थ ने रोमांचित कर दिया।

अमृत स्नान के नजारे को कैद करने के लिए जर्मनी, चीन, नीदरलैंड्स समेत कई देशों के लोग यहां पहुंचे। कइयों ने स्वामी अवधेशानंद गिरिजी, पायलेट बाबा, नित्यानंद महाराज आदि के साथ स्नान भी किया।

कई किलोमीटर पैदल चले पर चेहरे पर खुशी

श्रद्धालु कई किलोमीटर पैदल चले, भूखे-प्यासे रहे मगर जैसे ही शिप्रा तट आया, डुबकी लगाने से कोई भी अपने आपको रोक नहीं पाया। पूरे दिन शिप्रा के तट हर-हर महादेव, जय श्री महाकाल और जय हो शिप्रा मैया के उद्‌घोष से गूंजते रहे। बच्चे, युवा और बुजुर्ग नंगे पैर पैदल चले जा रहे थे। लक्ष्य था शिप्रा में डुबकी लगाकर पुण्य कमाना। इतनी परेशानियों के बावजूद भी चेहरे पर जरा भी शिकन के भाव नहीं थे। बल्कि उनकी जगह प्रसन्नता थी।

जिसे जहां जगह मिली सो गया

अमृत स्नान के कुछ घंटे पहले सड़कों पर भीड़ थी तो मैदानों में लाखों लोग दिनभर की थकान दूर कर रहे थे। उबड़-खाबड़, पथरीली जिसे जैसी जगह मिली बाबा महाकाल का नाम लेकर दरी बिछा दी। रुद्रसागर के पंडालों से लेकर मैदान में भी लोग आराम कर रहे थे। इंदौर रोड के

सिंहस्थ महाकुंभ में बने

सात वर्ल्ड रिकॉर्ड

कुंभ नगरी में सिंहस्थ के दरमियान सात वर्ल्ड रिकॉर्ड बने हैं, जो दुनियाभर में उज्जैन का मान बढ़ाएंगे। ये रिकार्ड 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉड' में दर्ज होंगे। शेष तीन रिकॉर्ड की घोषणा होना बाकी है। 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉड' की ज्यूरी के नेशनेंल हेड मनीष विश्नोई ने बताया सिंहस्थ अवधि में सात वर्ल्ड रिकॉर्ड बने हैं, जिनमें से चार की घोषणा कर सर्टिफिकेट प्रदान किया जा चुका है।

- पहला रिकॉर्ड एक रोटी बाबा के नाम से मशहूर ओंकारेश्वर के शिवोहम भारती के नाम बना, जिन्होंने उजड़खेड़ा क्षेत्र में ढाई लाख से ज्यादा मंत्रोच्चारित किताबों का सर्वाधिक 25 फीट ऊंचा पिरामिड बनाया था।
- दूसरा रिकॉर्ड साध्वी कनकेश्वरी देवी के बड़नगर रोड स्थित अस्थायी किचन शेड में 9 मई को सर्वाधिक 55 हजार से ज्यादा लोगों द्वारा भोजन किए जाने का बना।
- तीसरा रिकॉर्ड 20 मई को 5 हजार से ज्यादा सफाई मित्रों द्वारा 5 मिनट में साढ़े तीन किमी लंबी सड़क की सफाई किए जाने का बना है।
- चौथा रिकॉर्ड अहमदाबाद के नंदकिशोर शर्मा द्वारा सर्वाधिक 4500 से ज्यादा भजनों की स्टेज पर प्रस्तुति के लिये बना है।

इनकी घोषणा होनी है

नदी में स्नान : 21 मई को शिप्रा में 80 लाख से ज्यादा लोगों ने स्नान किया। ऐसा पहली बार हुआ है। एक-दो दिन में आने के बाद इसका सर्टिफिकेट सरकार को प्रदान किया जाएगा।

ग्रुप में लंबी यात्रा : 1 से 5 मई के बीच 13 लाख से ज्यादा लोगों ने पंचकोसी यात्रा की। हेडकाउंटिंग रिपोर्ट के आधार पर प्रमाणित होकर बने रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट जल्द जिला पंचायत को दिया जाएगा।

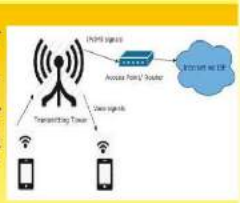

फ्री वाई-फाई इंटरनेट उपयोग : सिंहस्थ क्षेत्र में 50 से ज्यादा स्थानों पर फ्री वाई-फाई इंटरनेट सुविधा का उपयोग 50 लाख से ज्यादा लोगों द्वारा किए जाने का रिकॉर्ड बना है, जिसकी घोषणा जल्द होगी।

बीचोंबीच बगीचे से लेकर हरिफाटक ब्रिज के नीचे और सड़कों के किनारे भी इससे अछूते नहीं रहे।

अब तक का सबसे स्वस्थ सिंहस्थ

बीमारों की निःशुल्क सेवा के लिए भूखी माता क्षेत्र में अस्पताल संचालित कर रहे श्री प्रखर परोपकार मिशन ने हरिद्वार और इलाहाबाद से ज्यादा स्वस्थ उज्जैन का सिंहस्थ होने का दावा किया है। दरअसल संस्था का कहना है कि हरिद्वार और इलाहाबाद की तुलना में उज्जैन में बेहद कम रोगी सामने आए हैं। फाउंडर चेयरमैन और महामंडलेश्वर स्वामी प्रखर महाराज ने बताया कि सरकार और संतों के बीच तालमेल अच्छा रहने से सिंहस्थ सफल हुआ है। सरकार ने श्रद्धालुओं की सेहत का ख्याल रखा है। यहां 40 डिग्री से ज्यादा तापमान में मीलों पैदल चलकर भी ज्यादातर लोग खुश और स्वस्थ हैं। सिंहस्थ में बीमार हुए लोगों की संख्यात्मक तुलना हरिद्वार और इलाहाबाद कुंभ से की जाए तो यहां बहुत कम लोग बीमार हुए हैं। कारण नर्मदा-शिप्रा के स्वच्छ जल में स्नान, बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था और साधु-संतों के शिविरों में अच्छा भोजन प्रसाद मिलना है। सामाजिक संगठनों का सहयोग भी सराहनीय रहा है।

रामघाट से लेकर भूखी माता, सभी तट फुल

तीसरे और अंतिम स्नान में रामघाट, दत्त अखाड़ा, नृसिंह, भूखी माता घाट, गऊघाट समेत सभी घाट श्रद्धालुओं की भीड़ से पटे रहे। सुबह 8 बजे नृसिंह घाट पर ऐसी जगह नहीं बची थी, जहां लोग स्नान कर सके। भूखी माता मंदिर के पीछे घाट पर भी यही नजारा था। पहली बार इतनी भीड़ दिखाई दी। मेला क्षेत्र और शिप्रा तट के घाट ही नहीं सड़कों पर भी श्रद्धालुओं का ऐसा हुजुम था कि आंखें फटी ही रह गई। कई क्षेत्र तो ऐसे थे, जहां पैर रखना मुश्किल था। नानाखेड़ा बस स्टैंड से लेकर शहर की सड़कें इसकी साक्षी थी।

'हनुमत धाम' में भक्ति के साथ ध्यान योग प्रशिक्षण

भूखी माता मंदिर के ठीक सामने पं. विजयशंकर मेहता के नेतृत्व में हनुमत धाम शिविर लगाया गया था। इस शिविर में प्रतिदिन हनुमान चालीसा पर आधारित मेडिटेशन कोर्स का प्रशिक्षण दिया गया। शिवपुराण, श्रीमद्भागवत् कथा, श्री रामकथा का आयोजन किया गया, जिसका सत्संग चैनल पर सीधा प्रसारण भी किया गया। प्रतिदिन संध्या शिप्रा आरती के आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त विश्व हास्य दिवस के उपलक्ष्य में जयपुर के हास्य विशेषज्ञ आर.डी. बाहेती द्वारा हास्य योग का प्रदर्शन किया एवं हास्य से होने वाले लाभ को बताया। इस कार्यक्रम में जोरदार ठहाके लगाने वाले को पुरस्कृत भी किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन शिवनारायण मूँदड़ा ने किया। संयोजक के रूप में श्री माहेश्वरी टाईम्स सम्पादक पुष्कर बाहेती ने संपूर्ण व्यवस्थाएं संभाली। आयोजन समिति अध्यक्ष प्रदीप बाहेती, सचिव ओमप्रकाश पसारी, शिवनारायण मूँदड़ा, मुकेश शर्मा आदि के नेतृत्व में यह आयोजन पूर्णतः सफल रहा।

सैकड़ों ने ली आवाहन अखाड़े में नागा दीक्षा

पंच दशनाम आवाहन अखाड़े में साढ़े तीन हजार से अधिक साधुओं को नागा दीक्षा दी गई। शिप्रा के तट पर स्वयं का पिंडदान करने के बाद सभी संन्यासियों ने सांसारिक रिश्तों से नाता तोड़ लिया। विजयाहोम के बाद स्वयं को मृत घोषित कर सभी साधु संन्यासी जीवन में प्रवेश कर गए। फिर नागा संन्यासी अंतिम अमृत स्नान में शामिल हुए। आवाहन अखाड़े के राष्ट्रीय महामंत्री महंत सत्य गिरी महाराज ने बताया कि रात्रि 11 बजे से साधुओं को कतार में बिठाकर विधिविधान के साथ दीक्षा कार्यक्रम संपन्न कराया गया। उधर पंच दशनाम जूना अखाड़े में बड़ी संख्या में साधुओं को नागा दीक्षा दी गई। इसमें प्रथम दिन और रात्रि में साधुओं का प्राथमिक कर्मकांड कराया गया था। अगले दिन आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने सभी साधुओं को संन्यास की सामूहिक दीक्षा दी।

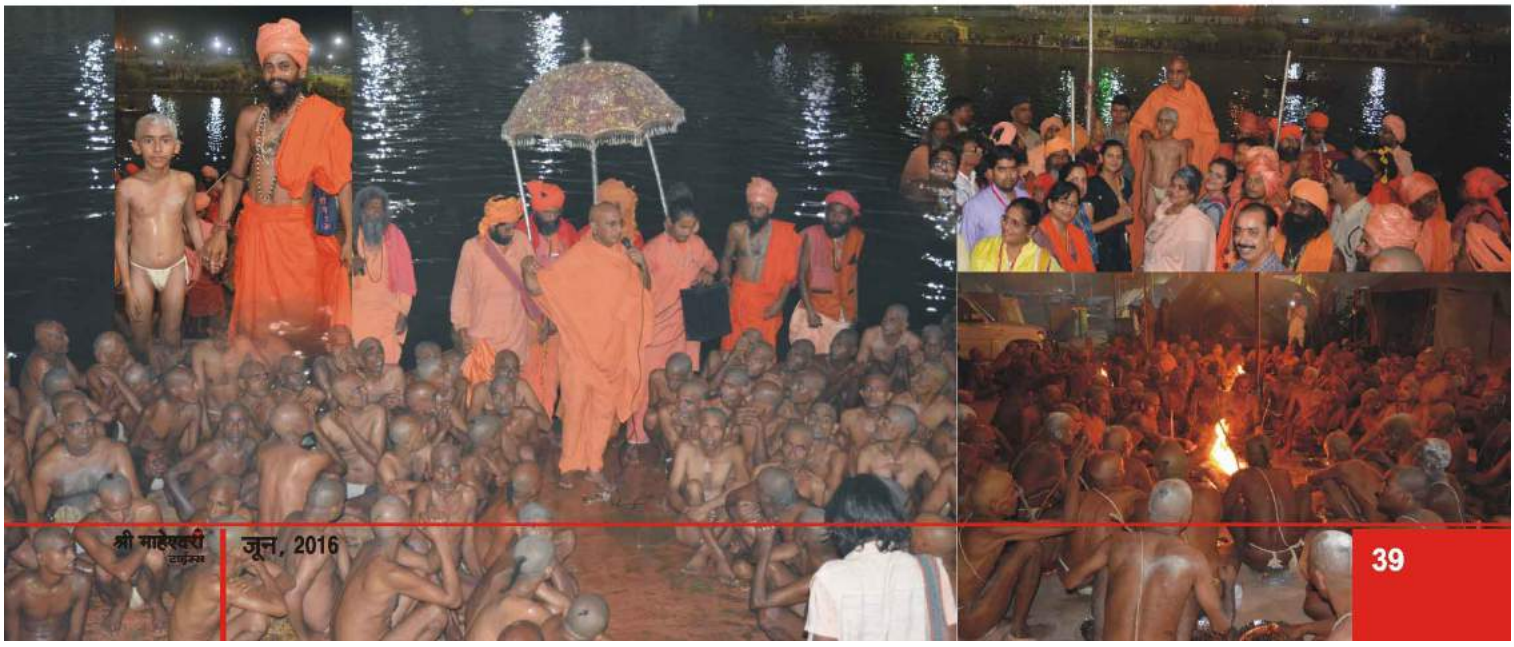

पंद्रह दिवसीय एक्युप्रेशर शिविर का किया आयोजन

बीकानेर। स्थानीय श्री प्रीति क्लब एवं स्थानीय माहेश्वरी भवन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 15 दिवसीय एक्युप्रेशर शिविर लगाया गया। स्व. श्री दामोदरदास राठी एवं श्रीया देवी राठी परिवार कोलकाता के आर्थिक सहयोग से आयोजित इस शिविर में जसवन्तगढ़ निवासी डॉ. ललित कुमार सोमानी, कोलकाता द्वारा सेवाएं दी गईं। श्री प्रीति क्लब के अध्यक्ष मगन चांडक ने बताया कि गत वर्ष भी 15 दिवसीय ऐसा शिविर लगाया गया था जिसमें लकवा, स्पांडीलाईटिस, माईग्रेन, घुटनों का दर्द, कमर दर्द, साईटिका, स्लिप डिस्क, जैसी असाध्य बीमारियों का इलाज किया गया था। क्लब के पूर्व अध्यक्ष जगदीश कोठारी ने बताया कि मरीजों के विशेष आग्रह पर इस वर्ष भी 5 से 19 मई तक 15 दिवसीय शिविर लगाया गया गया, जिसमें 500 से ज्यादा मरीजों का इलाज किया गया। विभिन्न सेवाओं के साथ क्लब द्वारा एक 'बुक बैंक' भी संचालित की जा रही है। जिसमें सीबीएसई बोर्ड अंग्रेजी माध्यम की कक्षा ग्यारहवीं व बारहवीं तथा वाणिज्य स्नातकों के प्रथम वर्ष की पुस्तकें 30 प्रतिशत कीमत पर उपलब्ध कराई जाती है।

कर्नाटक गोवा प्रदेश की बैठक संपन्न

बेलगाम। गत 22 मई को कर्नाटक गोवा प्रदेश सभा के नवम सत्र की द्वितीय कार्यकारी मंडल की बैठक माहेश्वरी सभा बेलगाम के आतिथ्य में माहेश्वरी भवन शाहपुरा में आयोजित हुई। दिवंगतों को श्रद्धांजलि देने के बाद माहेश्वरी सभा बेलगाम के अध्यक्ष राजेंद्र मूंदड़ा ने अतिथियों का स्वागत किया। शिरीष मालू सचिव माहेश्वरी सभा बेलगाम ने संगठन के कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए पूरे प्रदेश से आए लगभग 90 अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रदेश अध्यक्ष अरुण लोया ने प्रदेश में होने वाली वर्तमान सत्र की गतिविधि, उपलब्धि एवं भावी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। कर्नाटक प्रदेश सभा के अध्यक्ष स्व. रामकिशन भट्टड़ के पौत्र डॉ. सागर भट्टड़ एवं डॉ. किशोर भट्टड़ बनहट्टी के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में सफलता प्राप्त करने पर उनके पिता बद्रीनारायण भट्टड़ बनहट्टी को सम्मानित किया गया। प्रदेश कोषाध्यक्ष राजेंद्र मूंदड़ा ने आय-व्यय का ब्योरा दिया। महासभा कार्यसमिति सदस्य प्रेमराज चिंदक ने महासभा की गतिविधियों एवं योजनाओं की जानकारी दी। प्रांतीय ट्रस्ट का विवरण ट्रस्ट के उपाध्यक्ष गणेश तापड़िया गुलबर्गा ने दिया। सुलोचना हेड़ा सहसचिव प्रांतीय महिला संघठन ने प्रदेश में महिला संघटन द्वारा आयोजित हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। संयुक्त जिलाध्यक्षों ने संयुक्त जिलों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। पुरुषोत्तम इनानी रायचूर एवं प्रदेश अध्यक्ष अरुण लोया ने प्रदेश में जिन सदस्यों का स्वयं का आवास नहीं है, उन्हें आवास बनाने में सहायता देने के लिए महत्वपूर्ण योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। विस्तृत चर्चा के बाद सदन ने इस योजना को मूर्तरूप देने की सहमति दी। इसी बैठक में सर्वसम्मति से स्थानीय व जिला सभाओं के चुनाव कार्यक्रम भी तय किए गए।

"पानी की हर 'बूंद' का सम्मान करें
चाहे वो 'आसमान' से टपके
या किसी की आंखों से।"

जोधपुर में होगी महासभा की द्वितीय बैठक

जालौर। पश्चिम राजस्थान प्रादेशिक सभा के तत्वावधान एवं जोधपुर जिला माहेश्वरी सभा के आतिथ्य में अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के 27वें सत्र की षष्ठम् कार्यसमिति की बैठक आगामी 23 जुलाई एवं कार्यकारी मंडल बैठक की 24 जुलाई को सूर्यनगरी जोधपुर में आयोजित की गई है। 23 जुलाई को प्रातः 11 बजे से कार्यसमिति बैठक माहेश्वरी भवन रातानाड़ा जोधपुर में एवं 24 जुलाई को प्रातः 11 बजे से कार्यकारी मंडल बैठक कस्तूरी आर्चिड, जैसलमेर बायपास रोड जोधपुर के सभागार में होगी। महासभा महामंत्री रामकुमार भूतड़ा ने कार्यसमिति में आमंत्रित सदस्यों से 23 जुलाई प्रातः तथा कार्यकारी मंडल सदस्यों के सदस्यों से 24 जुलाई प्रातः तक जोधपुर पहुंचने का अनुरोध किया है। कार्यक्रम तय कर प्रदेश अध्यक्ष जेठमल बूब, प्रदेश मंत्री सीताराम राठी सहित जिलाध्यक्ष, मंत्री, महासभा संगठन मंत्री आदि से संपर्क किया जा सकता है।

सखी मंडल के चुनाव संपन्न

नोएडा। माहेश्वरी सखी मंडल के चुनाव सर्वसम्मति से हुए। इसमें अध्यक्ष संगीता चांडक, उपाध्यक्ष-सरोज सोनी, सचिव-कविता मूंदड़ा, संयुक्त सचिव-रंजना लखोटिया, कोषाध्यक्ष-शकुंतला इनानी, संयुक्त कोषाध्यक्ष-सुषमा मूंदड़ा, सांस्कृतिक समिति सदस्य- नीतू चांडक, राधा दम्माणी, मधु झंवर, सुकृति सोनी, सारिका माहेश्वरी व कार्यसमिति सदस्य-शालिनी माहेश्वरी, पूनम माहेश्वरी, प्रीति सवाल, जयश्री सोनी, पुष्पा मालू तथा शिल्पा सोनी चुनी गईं।

गौमाता के लिये किया भंडारा

आगरा। स्थानीय श्री माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में गौ सेवा भंडारा किया जाता है। इस वर्ष भी फाउंड्री नगर स्थित श्रीराधाकृष्ण गौ शाला में गत 8 मई को गायों के लिये खली, भूसा, गुड़, हरा चारा आदि भेंटकर गायों का भंडारा किया गया। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की सचिव कांता गगरानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इस कार्यक्रम में सभी पूर्व अध्यक्ष, समाज कार्यकारिणी सदस्यों सहित अध्यक्ष कुसुम सांवल व मंत्री वीणा दूदानी का भी पूर्ण योगदान रहा।

हमने माहेश्वरी समाज में जन्म लिया है। अतः हम जन्म से तो माहेश्वरी बन गये लेकिन जिस शक्ति के बल पर उन्नति के चरम बिंदू को छुआ उसे प्राप्त करने के लिये संस्कारों से भी ''माहेश्वरी'' बनना होगा। समाज का हमारा प्रतीक चिह्न स्वयं अपने 5 संकेतों से 5 आदर्शों को व्यक्त करता है। यदि हमने इन्हें आत्मसात कर लिया तो हमें श्रेष्ठता के मुकाम से कोई भी हिला नहीं सकता। आइये महेश नवमीं के इस पर्व पर लें इन 5 आदर्शों को अंगीकार करने का संकल्प।

पाँच आदर्शों से बनता है माहेश्वरी

ऐसी मान्यता है कि ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष के नवें दिन भगवान शंकर की कृपा से माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति हुई। धर्मग्रंथों के अनुसार माहेश्वरी समाज के पूर्वज पूर्वकाल में क्षत्रिय वंश के थे, शिकार के दौरान ऋषियों के शाप से ग्रसित हुए। किंतु इस दिन भगवान शंकर ने उन्हें शाप से मुक्त कर न केवल पूर्वजों की रक्षा की बल्कि इस समाज को अपना नाम भी दिया। इसलिए यह समुदाय माहेश्वरी नाम से प्रसिद्ध हुआ। माहेश्वरी शब्द का एक वृहद अर्थ है- ''महेश'' यानि शंकर और ''वारि'' यानि समुदाय या वंश। भगवान शंकर की आज्ञा से ही इस समाज के पूर्वजों ने क्षत्रिय कर्म छोड़कर वैश्य या व्यापारिक कार्य को अपनाया। इसलिए आज भी माहेश्वरी समाज वैश्य या व्यापारिक समुदाय के रूप में पहचाना जाता है। माहेश्वरी समाज के 72 उपनामों या गौत्र का संबंध भी इसी प्रसंग से है।

हर क्षेत्र में सफलता का परचम

मूल रूप से व्यवसायी बने इस समाज ने हर क्षेत्र में सफलता का परचयम लहराया है। स्वतंत्र भारत को औद्योगिक और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर करने वाला समाज ही प्रमुख रूप से माहेश्वरी है। अत्यंत अलसंख्यक होने के बावजूद देश को सर्वाधिक कर (टैक्स) ''माहेश्वरी'' से ही प्राप्त होते हैं। यह देश की सबसे सम्पन्न और विश्व की दूसरी सम्पन्न जाति के रूप में गौरवान्वित है। इतना ही नहीं सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश, रिजर्व बैंक के उच्च पदाधिकारी सहित कई अत्यंत जिम्मेदारी वाले पदों पर अनुपात के अनुसार देखें तो माहेश्वरी ही सबसे आगे हैं। वर्तमान में सर्वाधिक सीए और डॉक्टर देश को देने का गौरव भी इसी समाज को प्राप्त है। शायद ही ऐसा कोई क्षेत्र हो जो माहेश्वरी की उपलब्धियों से अछूता हो। देश का इतिहास भी ''माहेश्वरी'' के योगदानों से भरा पड़ा है।

हमारे प्रतीक के 5 आदर्श हमारी शक्ति

ॐ- कमल की बीच पंखुडी पर अंकित है ॐ। अखिल ब्रह्माण्ड का द्योतक, सभी मंगल मंत्रों का मूलाधार,परमात्मा के अनेक रूपों का समावेश किए सगुण-निर्गुणाकार एकाक्षर ब्रह्म आदि के रूप में इसके वर्णन से सारे ग्रंथ भरे पड़े हैं। हमारा समाज आस्तिक एवं प्रभु पर विश्वास एवं श्रृद्धा रखने वाला है। अतः समाज की ईश्वरीय श्रृद्धा का प्रतीक है, ॐ।

बेलपत्ती- त्रिदलीय बिल्व पत्र हमारे स्वास्थ्य का द्योतक हैं। भगवान महेश के चरणों में अर्पित है,श्रृद्धा युक्त बेलपत्र, जो शिव को परमप्रिय हैं। अर्थात् हमारा आहार अत्यंत सात्विक व स्वास्थ्य कर है।

सेवा- समाज का बहुत बड़ा ऋण हमारे ऊपर रहता है। अतः ये नहीं सोचें कि समाज ने हमें क्या दिया वरन समाज को हम क्या दे रहे हैं? ऐसी सेवा भावना होना चाहिए जैसे माता पुत्र की सेवा करती है, परंतु बदले में कुछ नहीं चाहती। सेवा में अनेक समस्याएँ आती हैं, जिन्हें हम सुलझा सकते हैं।

त्याग- त्याग की महिमा से तो हिन्दुओं के ही नहीं संसार के समस्त धर्मों के शास्त्र भरे पड़े हैं। हमारे पूर्वज सादगीपूर्ण जीवन अपनाकर बची पूँजी समाजोपयोगी कार्य में लगाकर स्वयं को धन्य मानते थे।

सदाचार- मानव जीवन में सदाचार का बहुत ऊँचा स्थान है। जिस व्यक्ति में, परिवार में, समाज में चरित्र-हीनता, व्यसनाधीनता, अनैतिकता, गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार आदि बड़े पैमाने पर व्याप्त हों तो उस समाज की उन्नति नहीं हो सकती और जब समाज प्रगति नहीं करता, तो उस देश की प्रगति नहीं होती । अतः व्यक्ति का सदाचारी होना आवश्यक है।

सेवा, त्याग सदाचार युक्त यह बोध चिन्ह सिर्फ बोध चिह्न नहीं, अपितु समाज को गौरवान्वित करके जीवन में एक नई शक्ति प्रदान करने का द्योतक है।अतः इस बहुउद्देशीय बोध चिन्ह को हम अपने जीवन में भी स्वीकार करें।

कैसे करें भगवान महेश की पूजा

महेश नवमी के दिन सुबह जल्दी उठकर नित्य कर्मों से निवृत होकर स्नान करें व शिवजी की मूर्ति के समीप पूर्व या उत्तर में मुख करके बैठ जाएं। हाथ में जल, फल, फूल और गंध, चावल लेकर इस मंत्र से संकल्प लें- 'मम शिवप्रसाद प्राप्ति कामनया महेशनवमी-निमित्तं शिवपूजनं करिष्ये'। यह संकल्प करके माथे पर भस्म का तिलक लगाऐं और गले में रूद्राक्ष की माला धारण करें। उत्तम प्रकार के गन्ध, फूल और बिल्व-पत्र आदि से भगवान शिव-पार्वती का पूजन करें। यदि किसी कारणवश शिवमूर्ति का सान्निध्य प्राप्त न हो सके तो भीगी हुई चिकनी मिट्टी को ''हराय नमः'' मंत्र से ग्रहण करके ''माहेश्वराय नमः'' मंत्र का स्मरण करते हुए हाथ के अंगूठे के आकार की मूर्ति बनाएं। फिर 'शूलपाणये नमः' से प्रतिष्ठा और ''पिनाकपाणये नमः, से आह्वान करके ''शिवाय नमः'' से स्नान कराएं और ''पशुपतये नमः'' से गंध, फूल, धूप,दीप और नैवेद्य अर्पण करें। इसके बाद इस प्रकार भगवान शिव से प्रार्थना करें-

जय नाथ कृपासिन्धोजय भक्तार्तिभंजन।
जय दुस्तरसंसार-सागरोत्तारणप्रभो।।
प्रसीद में महाभाग संसारास्त्रतस्यखिद्यतः।
सर्वपापक्षयंकृत्वारक्ष मां परमेश्वर।।

इस प्रकार पूजन करने के बाद उद्यापन करके शिव मूर्ति का विर्सजन कर दें। इस प्रकार महेश नवमी के दिन भगवान शिव का पूजन करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है।

With best compliments from

Daga Group of Companies

New dimension to the old concept.

psi plasti surge industries pvt. ltd.

Manufacturers of Medical Disposables & Healthcare Products

A-70, MIDC, Amravati-444605. (MS) • +91-721-2521295/96 • Fax: +91-721-2520506

A-93, MIDC, Amravati-444605. (MS) • +91-721-2520271 • Fax: +91-721-2520505
E-mail: sales@psidispo.com • **www.psidispo.com**

Bringing world-class living to Amravati

DAGA sapphire

Amravati's own World class Township

Siddharth Bhavan, Morshi Road, Amravati-444601. (MS) • Tel: 0721-2661188 • Fax: 2670403
E-mail: sales@dagainfratech.com • **www.dagainfratech.com**

DAGA INFRATECH PVT. LTD

Quick gas service, right at your doorstep!

Rajesh Gas Service

Opposite Sahakar Bhavan, Morshi Road, Amravati. (MS) • 0721-2590073, 2590074, 2590075

भारतगैस

बनाईये खाना, परोसिये प्यार.

सार्थक जीवन ही है सफल जीवन

श्रीराम तापड़िया स्मृति कोष के तत्वावधान में गत दिनों अंधेरी मुंबई में सामाजिक चेतना विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। इसमें प्रमुख वक्ता के रूप में "सार्थक जीवन" को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रमेशचंद्र लाहोटी ने अपने अमूल्य विचार प्रकट किये। पाठकों के लिये प्रस्तुत हैं, इनके प्रमुख अंश....।

मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ व अमूल्य है। बार-बार नहीं मिलता, लाखों-करोड़ों योनियों से गुजरने के बाद बहुत सत्कर्मों के परिणाम स्वरूप यह मनुष्य जीवन मिलता है, इसे व्यर्थ नहीं गवाना चाहिए, मनुष्य जीवन का सही उपयोग करके इसे पूर्णतः सार्थक बनाना चाहिए।

पुरुषों के सार्थक जीवन के लिए हनुमान चालीसा का एक दोहा है-

बुद्धिहीन तनु जानिके सुमिरहुँ पवन कुमार।
बल बुद्धि विद्या देहु मोहि हरहु क्लेश विकार।।

इस दोहे का भावार्थ है "जो हनुमान चालीसा का पाठ करता है वह बुद्धिमान तो है, इसमें कोई संदेह नहीं किंतु यहां स्वयं को बुद्धिहीन मानने का तात्पर्य विनम्रता की पराकाष्ठा है, हर सफलतम व्यक्ति किसी-न-किसी दैवीय शक्ति में जरूर विश्वास रखता है। इसलिए बल (कार्य करने की क्षमता), बुद्धि (विवेक), विद्या (ज्ञान) प्राप्ति के लिए पवन पुत्र श्री हनुमान जी का स्मरण करता हूँ तथा प्रार्थना है कि मेरे मानसिक क्लेश (अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष और अभिनिवेश) और विकार (अभिमान, अपनत्व, वृद्धत्व, प्रौढ़ समझना, क्षीण, चिंता मग्न) को दूर करें और सदा स्वस्थ रखें।" महिलाओं के सार्थक जीवन के लिए श्रीरामचरित मानस के बालकांड के एक श्लोक में कहा गया है कि सीता जी का चरित्र महान् आदर्श है। स्वयं तुलसीदास जी ने बालकांड के प्रारंभ में उनकी वंदना करते हुए उन्हें नमस्कार किया है। अतः आज भी महिलाएं उनके जीवन का अनुकरण कर अपने जीवन को सार्थक कर सकती हैं।

क्या करें -क्या न करें

सार्थक जीवन हेतु कमाई से कम खर्च करें। सुबह जल्दी उठे। शांत व सरल रहें (क्रोध न करें।) परिस्थिति अनुसार समझौता करें। योग-व्यायाम अवश्य करें। सात्विक भोजन करें (जंग फूड न खायें।) पर्याप्त निंद्रा लें। सत्य बोले (झूठ न बोलें।) जिंदगी को खुलकर जीने में विश्वास रखें। समय बर्बाद न करें। एक दूसरे की चुगली न करें। अपने आप को सही साबित करने की कोशिश न करें। अपने नैतिक मूल्यों से कभी समझौता न करें। नकारात्मक बातों पर ध्यान न दें। छोटी जीत को भी नजर अंदाज न करें। हर बात के लिए हर किसी से पूर्णतया सहमत न हों। ऐसी किसी बात का समर्थन न करें जिसमें सुधार की गुंजाईश न हो। सिगरेट न पीयें।

चार सूत्रों का पालन करें

समाज, देश, मानवता तथा स्वयं के सार्थक जीवन के लिए चार सूत्रों का होना जरूरी है- सद्विचार, सद्ग्रंथ, सत्संग और सत्कर्म। स्वामी विवेकानंद के अनुसार जैसा मनुष्य विचार करता है, वह वैसा ही बोलता है, विचार और वाणी मिलकर कर्म बन जाते हैं, विचार, वाणी और कर्म मिलकर स्वभाव बन जाते हैं। विचार, वाणी कर्म और स्वभाव मिलकर चरित्र बन जाते हैं। इसलिए सकारात्मक, स्वस्थ विचारों को ही प्रवेश दीजिए, अवांछित, कुंठित नकारात्मक विचारों को झटक दीजिए, उन्हें मत आने दीजिए, सद्विचार को ही जगह दीजिए, यही सार्थक जीवन की प्रथम सीढ़ी है। हमारे सद्ग्रंथ रामायण, गीता, भागवत आदि जरुर पढ़ें और यदि न भी पढ़ें तो अपने घर में अवश्य रखें, उनकी तरंगें ही घर को शुद्ध रखती हैं, ये ज्ञान का खजाना हैं। मनुष्य जिनके साथ रहता है और जो पुस्तकें पढ़ता है, उन्हीं से जाना जाता है। घर पर उनका चित्र ही लगायें, जिनका अच्छा चरित्र हो। सज्जन प्रवृत्ति वालों के साथ रहने से एक और एक ग्यारह हो जाते हैं। दान देने से धन पवित्र होता है, पर स्वयं के हाथों से की गई सेवा अति उत्तम, अतुल्य है। मनुष्य का जीवन भगवान के चरण में और आचरण सत्कर्म में हो, तो सार्थक जीवन होना ही है। इन चारों सूत्र सद्विचार, सद्ग्रंथ, सत्संग और सत्कर्म में ऐसा सामंजस्य है, यदि एक को भी आपने अपना लिया तो शेष तीन आपकी जिंदगी में खींचे चले आयेंगे। अतः कहीं से भी शुरू कीजिए, बस शुरू कीजिए।

परिवार-समाज व मानवता की सेवा

परिवार में माता-पिता का स्थान सबसे प्रमुख है, माता का ऋण तो जन्म-जन्मांतर में भी नहीं चुकाया जा सकता है। हाँ, संतान को पिता के समान या उनसे अधिक योग्य बनायें तो पिता का ऋण चुकाया जा सकता है। संतान को संस्कारी बनायें व उसे संस्कृत अवश्य सिखायें। आज मनुष्य जो कुछ भी है, उसमें समाज और देश का बहुत बड़ा योगदान होता है। माँ, मातृभूमि और मातृभाषा तीनों का दर्जा समान होता है। इनका पूर्ण सम्मान करना चाहिए और किसी एक राष्ट्रीय समस्या से राष्ट्र को उबारने के लिए दृढ़ संकल्प लेना चाहिए, जैसे शिक्षा, स्वच्छता, जल आदि समस्याओं में से कम से कम किसी एक समस्या के समाधान में अपना यथोचित योगदान देंगे। मानवता का ध्यान रखें। हम सब ईश्वर की संतान हैं, तो हम सब भाई-भाई हैं। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। अतः हमें आपस में हिलमिल कर प्रेम से रहना चाहिए।

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी समाज बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएँ

जुगलकिशोर सोमाणी
जयपुर
संयुक्तमन्त्री (पश्चिमाञ्चल)
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

एस - 2, पर्ल एन्क्लेव, 97, बृज मण्डल कॉलोनी, कालवाड़ रोड , झोटवाड़ा, जयपुर-302012 (राज)
मोबाइलः 09314521649, 09414011649, E-mail : jksomanijaipur@gmail.com

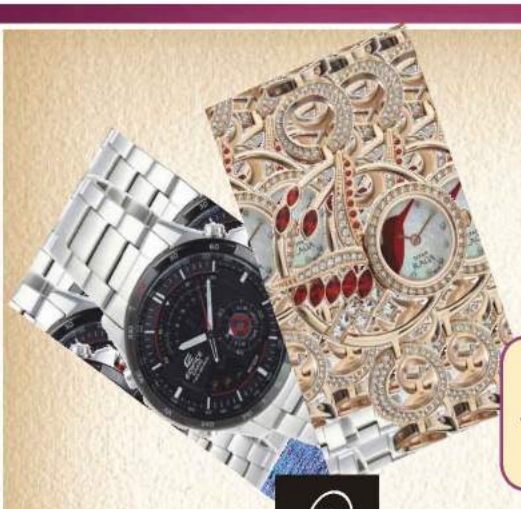

महेश नवमी पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएँ

॥ जय महेश ॥

गंगाराम चाँदमल तोतला
'श्री नरसिंग निवास' 3-5-45, जागृति कॉलेज के सामने, रामकोट, हैदराबाद - 500 095
फोन : +91 9248022503, 9849022503

KWC Estd. 1969
Kamal Watch Co.
Sales & Service

FLAGSHIP STORE ▸ Road No. 36, Near Peddamma Temple Circle, Jubilee Hills, Hyderabad, Ph : +91 40 2355 8621

HYDERABAD ▸ Abids, Ph: 66782818 ▸ Banjara Hills. Ph: 66463366 ▸ Dilsukhnagar, Ph: 66177658 ▸ Forum Sujana Mall, Kukatpally. Ph: 9989821521, SECUNDERABAD ▸ M.G. Road, Ph: 66322191 ▸ Karkhana Road, Ph: 64646551 VISAKHAPATNAM ▸ Assilametta Junction, Ph: 6636 612 ▸ CMR Central Mall, Ph: 6464 622 ▸ Chitralaya Cine Mall Ph: 6670 668, VIJAYAWADA ▸ PVP Square Mall, M. G. Road, Ph: 6005 999 ▸ Ripples Mall, M.G.Road Ph:6646612 ▸ Trendset Mall, Benz Circle Ph:0866-6004999, KURNOOL ▸ Jyoti Mall, Bellary Road, T:9246668766, ▸ Opening Shortly: Rajahmundry & Kakinada.

Shop Online www.kamalwatch.com EMI Facility also available Follow us on / KamalWatch

आज छोटी-छोटी सी बातों में तलाक हो जाना एक आम बात हो गई है। इतना ही नहीं इसे आधुनिक दम्पत्ति अपना हक समझने लगे हैं। लेकिन कभी उन्होंने यह जानने की कोशिश की है कि इस स्थिति का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? उनके दर्द को समझने की किसी को फुर्सत नहीं है।

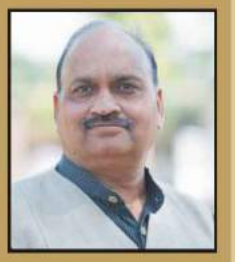

हरिप्रकाश राठी, जोधपुर (मो. 094141-32483)

सुनें इनकी भी सिसकियाँ

लोक विख्यात शायर वशीरबद्र का एक शेर कि 'तमाम उम्र मेरा दम इसी धुएं में घुटा, वो इक चिराग था मैंने उसे बुझाया है' उन बच्चों की कथा-व्यथा पर अक्षरशः लागू होता है, जो बचपन में अपने माता-पिता के दाम्पत्य संबंधों से विघटन, उनके वैयक्तिक डिसऑर्डर, परिस्थितिजन्य अन्य परिवेदनाओं अथवा घटनाओं के चलते जीवन विकास के क्रम में इतने असुरक्षित व असहाय बन जाते हैं कि वे प्रेरे हुए से, कंपेलिंगली आगे असामान्य जीवन जीने को विवश हो जाते हैं। अतृप्त, विवश बचपन अनेक बार विवश यौवन को जन्म देता है एवं इसी क्रम में अनेक बार ताउम्र व्यक्ति के बचपन के प्रसंग, विकृतियां, वेदनाएं उम्रभर उसके सिर चढ़कर बोलती हैं। मनोवैज्ञानिक इसे कंपलसिव साइको डिस्आर्डर कहते हैं, एवं यह विसंगति अनेक बार न्यूरोसिस, साइकोसिस एवं गंभीर संवेदनाजन्य रोगों की जड़-कारण बन जाती है। मुझे एक और शायर शुजाअत अली राही का स्मरण हो आया है- 'बेचारगी ने मार दिया उसको जीते जी, पकड़ा गया तो अपना कफन बेचता हुआ'।

बचपन की घटनाएं ही लिखती हैं भविष्य का पृष्ठ

अभी कुछ दिन पहले बैंगलोर से लौटते हुए मैं रेलवे स्टेशन की एक स्टॉल पर कुछ खरीद रहा था। तभी एक 15-16 वर्ष की लड़की हाथ फैलाए आगे आई। वह गर्भवती थी। मैंने उसकी ओर कारण दृष्टि से देखा तो दुकानदार बोला 'इनकी भी क्या कहानियां हैं। सुबह यह भीख मांगती हैं, रात अनेक बार मनचलों की हवश का शिकार बन जाती हैं, मैं सोच रहा था क्या देश में ऐसी संस्थाएं नहीं होनी चाहिए जो इनके संरक्षण, विकास का ठोस प्रारूप बनाये। आजादी के दशकों बाद इनकी ऐसी दुर्दशा देख दिल दहल जाता है। ऐसी लड़कियों के लिए चरित्र, नैतिकता, समाज, ऊंचे लोगों की क्या अवधारण बन जाती होगी अथवा फिर उनके लिए ईश्वरीय सत्ता एक शैतान की कल्पना के अतिरिक्त और क्या हो सकती है? दीवार फिल्म में अपराध की गलियों में धकेले युवा नायक अमिताभ बच्चन की यही कहानी थी। बचपन में कोई उसके हाथ पर लिख देता है 'तेरा बाप चोर है' एवं यह दंश-विक्षोभ उसे संगीन अपराधी बना देता है। वह ईश्वर, मंदिर आदि से घृणा करने लगता है। मनुष्य का यौवन एवं आगे की अवस्था उसके बचपन, अवचेतन मन की पुनरावृत्ति नहीं तो क्या है? क्या ही अच्छा हो देश का हर समर्थ नागरिक ऐसे एक बच्चे को गोद ले तो कायाकल्प हो जाए। धन्य हैं, वे लोग, वे संस्थाएं जो ऐसे अनाथ, असहाय बच्चों के संरक्षण के लिए आगे आती हैं।

पूर्वाग्रहों का कारण भी बचपन

बचपन की यादें हमारे स्मृति पटल से कभी नहीं मिटती। अनेक बार बच्चे ऐसे दृश्य देख लेते हैं जो आगे उन्हें बलात सही चिंतन से रोककर अंधेरी गलियों में धकेल देते हैं। 'दे आर ब्लाक्ड अप मोर सो लाक्ड अप'। उन्हें उस बंद ताले की कुंजी ही नहीं मिलती। मुझे मेरी ही एक कहानी 'कंदराएं' का स्मरण हो आया है। इस कहानी में एक अत्यंत रूपवान, संपन्न घर की लड़की इसलिए विवाह नहीं करने का निर्णय लेती है कि उसने बचपन में अपने पिता को अपनी मां पर अमानुषिक जुल्म ढहाते हुए देखा था। उसके लिए विवाह का अर्थ दुःख, पीड़ा और संत्रास के अतिरिक्त कुछ नहीं रह जाता। कहानी के अंत में एक दिन रोते हुए अपने मित्र को वह स्वयं के कुंआरी रहने का कारण स्पष्ट करती हैं। 'मेरा चिर कुंवारापन मेरे पिता को उनकी चिर प्रताड़नाओं का उत्तर है। मैं जब तक जीवित हूं, पिता से मौन प्रश्न करती रहूंगी। वर्षों मां को दुःखी किया, परेशान किया, अब अपनी इकलौती बेटी को दुःखी और पीड़ित होते हुए देखो। आपके हंटर मां पर नहीं, मेरी स्मृतियों की पीठ पर बरसे हैं।' सचमुच हम कुएं में जैसे हुंकारते हैं, वही प्रतिध्वनि पुनः लौटती है। कैकेयी ने बचपन में अपने पिता अश्वकेतु को मां पर जुल्म करते हुए, उसे देश निकाले की सजा देते हुए देखा था, इस दृश्य ने उसे ताउम्र कुंठित एवं पुरुष विरोध बना दिया।

नकारात्मक स्थितियों से बचाएँ

ऐसे बच्चों की कहानियां भी इन दिनों पढ़ने को मिली हैं, जहां बलात्कार के चीख भरे दृश्यों को देखकर बच्चे नपुंसक बन गए। हम इन निर्धन, लाचार, मजबूर बच्चों को यकायक नया जीवन नहीं दे सकते, लेकिन वे लोग जो धनी, संपन्न एवं सुशिक्षित हैं, अपने घर में ऐसा व्यवहार तो कर सकते हैं कि बच्चों पर ऐसे घातक दुष्प्रभाव न पड़ें। कई लोग अपने मन का कलुष व खुड़स बच्चों पर निकाल कर उन्हें पीटते हैं। बालमन पर इसका अत्यंत प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे बच्चे बहुधा डरपोक, आत्म-गौरव, आत्मबल से हीन बन जाते हैं। अमेरिका में तो ऐसे व्यवहार को अपराध करार दिया गया है। वहां बच्चे की शिकायत पर ऐसे मां-बाप को गिरफ्तार तक कर लिया जाता है। आज भी अच्छे, संस्कारित घरों में जब युवा दंपति बच्चों के सामने लड़ते हैं तो बड़े-बुजुर्ग अक्सर कहते हैं, बच्चों के सामने मत लड़ो। बुजुर्गों की यह सीख उनके जीवन-माला में पिराई मुक्ता लड़ियों की तरह हैं। उन्होंने ऐसे विघटित परिवारों के बच्चों का कालांतर में नाश होते देखा है। पहले संयुक्त परिवार के बच्चे इसीलिए चहकते-फुदकते नजर आते थे। वे मानो एक विशाल बरगद की छांव में सांस लेते थे। अब तो मानों सभी एकाकी हो गए हैं।

With Best Compliment's From

Nath Peters Hygeian Limited

Regd. Office :
17-1-200, Saidabad, Hyderabad-500059, T.S. India
Phone : +91-40-24534-523/524/525, Fax : +91-040-24530299
E-mail : admin@nathpeters.com, nathpeters@yahoo.co.in
CIN NO. U24110TG1992PLC14256 ,
Website : www.nathpeters.com
https://www.facebook.com/nathpeters

Manufacturers of Disinfectants & Antiseptics

॥ जय महेश ॥ महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं ॥ जय महेश ॥

NSK- RHP Bearings

Authorized Indenting Agents & Distributors in India

SONI INTERNATIONAL

3, Varalaxmi Market, 62 M.G. Road,
Secunderabad- 50003
Ph : 040-27710757, 27718113

www.soninsk.com E-mail : info@soni-international.com

सभी देशवासियों को महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

Somany Sanitation

Authorised Distributors For A.P.
- Somany Aquaware
- Sanitry Ware
- Somany C.P. Fittings

PROUD BNI MEMBER

Authorised Dealers for
Somany Vitrified & Ceramic Wall & Floor Tiles and Digital Tiles, Complete Bathroom Fittings & Accessories

Rahul Somany +91 98490 48000
Dharmendra Kalantri +91 94413 30440

5-4, 78-1, Opp. TVS Sundaram Motors, M.G. Road, Ranigunj,
Secunderabad - 500003, **Ph** : 27545455, 66383940

कुंभलगढ़ जितना विश्व प्रसिद्ध है, उतने ही इतिहास प्रसिद्ध रहे हैं, वहां के किलेदार आशा देवपुरा। वे महान योद्धा तो थे ही साथ ही इतने सुसंस्कारों से युक्त भी कि उनके संरक्षण में रहे महाराणा उदयसिंह, महाराणा प्रताप व मुगल बादशाह अकबर भी मानवता की परम भावना से ओत-प्रोत हुए बिना नहीं रहे। यदि वे नहीं होते तो इतिहास ही कुछ और होता।

▸▸ जगदीशचंद्र दरक, कुंभलगढ़

इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों के रचयिता थे
आशाशाह देवपुरा

अखिल भारतीय माहेश्वरी समाज की एक महान विभूति हुई है, वह हैं आशाशाह देवपुरा, जिन्होंने भारत ही नहीं समूचे विश्व के सम्मुख शौर्य, देशभक्ति, स्वामी भक्ति, कूटनीति, आश्रय दाता आदि का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। आशाशाह देवपुरा एक कुशल सैनिक, सेनापति, रणनीतिकार, अनुशासन प्रिय एवं कुशल प्रशासनिक योग्यता से युक्त महान व्यक्तित्व थे, जिनसे प्रभावित होकर तत्कालीन मेवाड़ महाराणा संग्राम सिह ने आपको कुंभलगढ़ किले का किलेदार (प्रशासनिक अधिकारी) नियुक्त किया। लेकिन यह दुखद है कि आशाशाह देवपुरा का वैभवशाली इतिहास कई गौरव गाथाओं का साक्षी होते हुए भी माहेश्वरी समाज की वर्तमान पीढ़ी इससे अनभिज्ञ है।

इतिहास का स्वर्णिम पृष्ठ

माहेश्वरी समाज के इस महापुरुष आशाशाह देवपुरा को कुंभलगढ़दुर्ग का किलेदार नियुक्त करना माहेश्वरी जाति के लिए गौरव की बात है। यह वही कुंभलगढ़ है, जिसने भारत ही नहीं समूचे विश्व के सम्मुख शौर्य, देशभक्ति, आश्रयशीलता का अनूठा उदाहरण पेश किया है। उसके कण-कण महाराणा प्रताप जैसे वीर, भामाशाह कावड़िया जैसे दानवीर, देशभक्त, मीरा सी कृष्ण भक्ति, राणा सांगा की गाथाएं सुना रहे हैं। कुंभलगढ़ दुर्ग का नाम आते ही भारत के हर व्यक्ति का मन गर्व से प्रफुल्लित हो उठता है। इस स्थल को जहां वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जन्मस्थली, महाराणा कुंभा की कर्मस्थली व महाराणा उदयसिंह की शरण स्थली होने का सौभाग्य प्रताप हुआ है। वहीं अंग्रेजों व मुगलों के विरुद्ध भारत माता की स्वतंत्रता का ताना-बाना भी यहीं बुना गया था। इसकी दीवार 36 किमी लंबी है, जो विश्व में चीन की दीवार के बाद दूसरे नंबर पर है। ऐसे महान दुर्ग का किलेदार माहेश्वरी समाज का व्यक्ति आशा शाह देवपुरा का होना पूरे भारत व विश्व के माहेश्वरी व वैश्य समाज के लिए अत्यंत गौरव की बात होगी। इसी दुर्ग में आशाशाह देवपुरा के सान्निध्य में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप और अकबर महान का प्रारंभिक बचपन बीता।

उदयसिंह को दिया संरक्षण

मेवाड़ के महाराणा सांगा के बड़े भाई पृथ्वीराज के औरस पुत्र बनवीर ने दिवंगत राणा सांगा के वंश को समाप्त कर मेवाड़ की गद्दी पर बैठने की योजना बनाई। उसने महाराणा रतनसिंह और महाराणा विक्रमादित्य को षड्यंत्र कर मार दिया। अब तीसरे पुत्र उदयसिंह की बारी थी। इस षड्यंत्र की जानकारी उदयसिंह की धाय मां पन्ना को मिली। उसने अपने बेटे चंदन को बालक उदयसिंह की पोशाक पहनाकर अंधेरे कमरे में उदयसिंह की जगह पर लेटा दिया और बालक उदयसिंह को टोकरे में बिठाकर ऊपर से पत्ते, पतल ढंक कर एक बारिन के सिर पर रखकर महल के बाहर भेज दिया। बनवीर ने आव देखा न ताव और उदयसिंह समझ तलवार से उसने सोये हुए बालक चंदन का सिर एक झटके में धड़ से अलग कर दिया। इसके बाद पन्ना धाय बड़े कष्ट उठाती हुई कई लोगों के पास गई लेकिन बनवीर के डर से सभी ने उदयसिंह को आश्रय देने से इनकार कर दिया। तब वहां से चलकर सन् 1535 में बालक उदयसिंह को लेकर कुंभलगढ़ के किलेदार आशा शाह देवपुरा के पास आईं। मां केसरबाई की आज्ञा पर श्री देवपुरा ने उदयसिंह को अपने यहां शरण व संरक्षण दिया।

उदयसिंह की यहीं हुई ताजपोशी

आशा शाह देवपुरा ने उदयसिंह को अपना भाणजा जाहिर करके अपने पास रखा था। परंतु यह बात कब तक छिप सकती थी। थोड़े ही दिनों में पूरे मेवाड़ा में सब जगह यह बात फैल गई कि उदयसिंह जिंदा हैं और कुंभलगढ़ किले में किलेदार आशा शाह देवपुरा की देखभाल में रह रहे हैं। उधर बनवीर कुलीन बनने की कोशिश करने लगा। जिन सामंतों ने उसके साथ किसी प्रकार का परहेज रखा, उन पर उसने सख्ती करना शुरू की। इससे सब सामंतों व राजपूत सरदारों के दिल बहुत बिगड़ने लगे। नाराज रावत खान कुंभलगढ़ पहुंचे और कोठारिया से साईंदास, केलवा से जग्गा, बागोर से रावत सांगा और अन्य सामंतों को भी आशा शाह देवपुरा व पूर्बिया चहुवाणा ने पत्र लिखकर कुंभलगढ़ में बुला लिया। इन लोगों ने उदयसिंह को नजारे (नजराना) दी और विक्रम संवत 1594, हिजरी 944 ईसवी 1537 में मेवाड़ महाराणा की गद्दी पर मेवाड़ सिसौदिया वंश की रीति के अनुसार गादी उत्सव के साथ कुंभालगढ़ में ही बैठा दिया। फिर आशाशाह देवपुरा व अन्य सरदारों ने मारवाड़ से पाली के सोनगरा अखेराज को बुलाकर उनकी पुत्री जैवंताबाई का विवाह महाराणा उदयसिंह से करा दिया। जैवंताबाई ने 9 मई 1540 को महाराणा प्रताप को जन्म दिया था।

स्वयं बने उदयसिंह के सेनापति

महाराणा उदयसिंह के साथ चित्तौड़ पर चढ़ाई करने के लिए आशा शाह देवपुरा व रावत खान पूर्बिया चहुवाण ने पत्र भेजकर बाकी सरदारों को भी कुंभलगढ़ बुलाया। जिसमें ईडर के राव भारमल्ल, बूंदी के अधिपति हाड़ा सुल्तान, डुंगरपुर के रावल आसकरण, बांसवाड़ा के रावल जगमाल, प्रतापगढ़के राव रायसिंह, सिरोही के राव रामसिंह, चुंडावत रावत साईंदास, चुंडावत रावत सांगा, चुंडावत रावत जग्गा, डोडिया ठाकुर सोडा, अखेराज सोनगरा आदि बहुत से सरदार अपने लाव-लश्कर (सेना) सहित कुंभलगढ़ आ गए। इस प्रकार महाराणा उदयसिंह की 40 हजार सैनिकों की सेना सेनापति आशा शाह देवपुरा के नेतृत्व में 24 अप्रैल को रवाना हुई। 5 मई 1540 को मावली नामक गांव में महाराणा उदयसिंह की सेना ने बनवीर की सेना को पराजित किया। मावली से रवाना होकर महाराणा ने ताणा को जहां का मालिक मल्ला सोलंकी था, एक महीने तक घेर रखा, लेकिन फतह नहीं कर सके। एक दिन मल्ला सोलंकी महादेव की पूजा करते समय मेदा सांखला के हाथ से मारा गया।

तीक्ष्ण बुद्धि से पाई जीत

ताणा जीतकर महाराणा चालीस हजार सवार व फौज लेकर चित्तौड़ पहुंचे और चित्तौड़ किले को घेर लिया परंतु महाराणा के पास तोपखाना न होने के कारण किले का टूटना बहुत कठिन था। आशा शाह देवपुरा जो एक कुशल सैनिक व कुशल सेनापति के साथ कूटनीतिज्ञ एवं चातुर्यता के गुण से परिपूर्ण थे। उन्होंने बनवीर के प्रधान चील मेहता से गुप्त मंत्रणा कर ली। चील मेहता ने आशा शाह के कहने पर बनवीर से कहा कि किले में अन्न वगैरह कम है। सो रात के वक्त दरवाजे खोलकर सामान मंगवा लिया जाए तो बहुत अच्छा रहेगा। बनवीर ने यह बात उचित जान मंजूरी दे दी। चील मेहता ने अपनी कार्रवाई का पूरा हाल आशा शाह को कहला भेजा और करीब डेढ़ प्रहर रात गये दरवाजे खोल दिये। हजार-पांच सौ भैंसों व बैलों पर कुछ सामान लादकर महाराणा के राजपूत सैनिक चित्तौड़ किले में जा घुसे और कब्जा कर लिया। आखिरकार बनवीर को अपने पुत्रों सहित लाखोट बारी के रास्ते भागना पड़ा। फिर पूरे मेवाड़ा पर महाराणा उदयसिंह का अधिकार हो गया।

राणा प्रताप व अकबर दोनों को संरक्षण

मेवाड़ शिरोमणि महाराणा प्रताप को सैनिक, प्रशासनिक, छापामार युद्ध का प्रशिक्षण, धार्मिक शिक्षा बहु बेटियों की रक्षा आदि की शिक्षा आशा शाह देवपुरा के सान्निध्य में प्राप्त हुई। अकबर का जन्म सन 1542 में अक्टूबर माह में अमरकोट में बेगम हमिदा बानो के गर्भ से हुआ। हुमायुं निर्वासित जीवन व्यतीत कर रहा था। उस समय कुंभलगढ़ भारत में सबसे सुरक्षित स्थल था। मेवाड़ और मुगलों के बीच कर्मवती के राखी संबंध था। अतः इस को ध्यान में रखकर शरणागत की रक्षा के लिए अकबर को यहां पर लाया गया। इतिहासकार आचार्य चतुरसेन ने अपनी पुस्तक लाल किला में इसका उल्लेख किया है। इस प्रकार आशा शाह के सान्निध्य में कुंभलगढ़ किले में महाराणा प्रताप व अकबर का बचपन साथ-साथ बिता। निश्चय ही आशाशाह के सान्निध्य में ही अकबर ने धार्मिक समरसता व मानवता का पाठ पड़ा होगा।

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी समाज बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएँ

पुरुषोत्तमदास बिन्नानी

88, वर्तला स्ट्रीट, कोलकाता (प.बं.)-700007

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

संगठन

खम्मा घणी सा हुक्म, आपने थोड़े दिन पेला री एक बात बताऊँ। पड़ोसी गुप्ताजी म्हारे घरे आया और बोलियाँ- स्वाति, हज़ार-हज़ार का पांच नोट दो जल्दी.. और म्हारे संघ री सदस्यता लो। म्हे कुछ बोलूँ उने पेला ही म्हारी बात काट ने गुप्ताजी बोलियाँ- पेली सदस्यता बाद में बात। म्हे बिना मन रसीद कटाई वे बोलियाँ- स्वातिजी अब आप 'अखिल भारतीय माता-पिता मोर्चा संघठन' रा सदस्य बण गया। म्हे चोंक ने बोली- मजदूर संघ, किसान संघ, आरक्षण संघ- ये छोटा-छोटा संघ बणाओ गुप्ताजी आप तो नाम संघ रो यूँ रखियों है ज्यों कोई बच्चों रे खिलाफ कोई नाम हुवे कठैई यूँ नहीं हूँ जावे 'नाम बड़ा और दर्शन खोटा'। वे बोलियाँ- या ही तो बात है नाम बड़ो हुवण सुं ही संघठन में जान आवेली। म्हे बोली- गुप्ताजी इण संघ रो उद्देश्य? वे बोलियाँ- आज जो हालत खराब बच्चा माँ-बाप री की है उति कदैई नहीं हुयी। माँ-बाप आपरे बच्चे रे वास्ते आपरो पेट काट ने वाणे पढ़ावे-लिखावे। आपरी औलादों ने उच्ची शिक्षा दिलावण वास्ते बरसों आपरी खुशियाँ री कुर्बानी करे। जगह जगह सुं लोन लेवे और वाणे चुकावता चुकावता जवानी कुर्बान कर देवे। और बेटा पढ़-लिख ने बड़ी-बड़ी कंपनियों में आपरी जॉब लगाने माँ-बाप ने भूल ही जावे।

स्वाति हद तो जणे पार कर दे की अचानक फोन पर केहवे पापा म्हे लड़की पसन्द कर ली है अगले रविवार शादी है आपने तो ध्यान है कंपनी सुं छुट्टी नहीं मिळे तो आपने और मम्मी ने शादी रस्म में आवणो है बेचारा माँ-बाप रा सपना धरा ही रह जावे। एक सांस में गुप्ताजी ये सब कह ने बोलियाँ म्हे उन माँ बाप रे हित में योजना बनाऊं की बच्चा माँ बाप रा हितेषी बणे वाणे सम्मान दे साथै रह्वे। म्हे बोली- गुप्ताजी आप यों कांई संघ बना रिया हो। आखिर बेटों री भी जिंदगी है इण तरह का संघ बणाने कांई हासिल करोला? इण देश में कोई संघ आज तक सफल हो पाया? बेटों रे खिलाफ होने आप कौनसी जीत हासिल कर देवोला? पक्षी भी एक समय तक बच्चों रो लालन पालन करे पछे छोड़ दे एक भारतीय बाप ही है जो बेटे ने जीवन भर मुट्ठी में रखणो चाहवै। माँ बाप चाहवै वाणो बेटों खान -पान,आदतें, अठे तक सांस भी वाणी मर्जी सुं ही ले। म्हारी बात सुणने वे थोडा सोच में पड़ गया बोलियाँ- स्वाति आप इण संघ रे पक्ष में नहीं? म्हे बोली- गुप्ताजी संघ बणाने बच्चों पर मरजी थोपण के खिलाफ हूँ संतान और पक्षी हब तक स्वछन्द हवा में नहीं उड़ेला तब तक वाने जीवण को ज्ञान नहीं आवेला। आप छोड़ दो वाने तो वे ज्यादा केयर करेला। गुप्ताजी जो आपरे बेटे रे प्रति इतो गुब्बार लेने राखियोड़ो थो जो संघ बनाने निकालनो चाहवता था वाणों मन शांत हूँ ग्यो रुपया वापस देने बोलियाँ क्रोध सुं नहीं प्रेम सुन आपाने बच्चों री भावना समझनी पड़ी जण ही तालमेल बैठी यूँ नहीं.. वाणे चेहरे री मुस्कान वाणे भीतरी दर्द पर काफी राहत पहुंचा चुकी थी।

हजारों सफल
रिश्तों की
सौगात के बाद

श्री माहेश्वरी मेलापक

(अंतरराष्ट्रीय वैवाहिक डायरेक्ट्री)

की तैयारी
अब फिर घर आएंगे रिश्ते,
अब उत्कृष्ट रिश्तों के लिये
फिर मिलेगा, एक मित्र की तरह सहयोग।
यदि आप भी तलाश रहे हैं
अपने पुत्र-पुत्री के लिये
सुयोग्य जीवन साथी
तो शीघ्र पंजीयन करवाएं.

सम्पर्क-
90 विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन : 0734-2526561,2526761,
मोबाइल : 094250-91161
E-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

लड़के–लड़कियों के रिश्ते ढूँढ़ना हुआ बेहद आसान
हमारी Website है इसका सही समाधान

रिश्ते ही रिश्ते

High Status, Middle Status
NRI, Manglik, Non Manglik
Bio-Data MBA, MCA, Doctor,
Eng. Bio-Data CA, CS,
ICWA Bio-Data

Graduate,
Post Graduate Bio-Data
Professional Bio-Data
Businessman Bio-Data
Service Class Bio-Data

वैवाहिक रिश्ते

माहेश्वरी समाज के लिए 60,000 से अधिक
जैन समाज के 70,000 से अधिक
अग्रवाल समाज के 1,00,000 से अधिक

Registration Free

Website:
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110 060
Phones: 011-25746867, 09312946867

क्या माहेश्वरी होना गर्व का विषय है? क्या हम अपने आपको श्रेष्ठ कहकर स्वयं की बढ़ाई ही कर रहे हैं? इसकी सच्चाई जानने के लिये डॉ. एच.एल. माहेश्वरी ने किया एक शोध। इससे जो आंकड़े प्राप्त हुए वे भी चौकाने वाले ही हैं।

▸▸ डॉ. एच.एल. माहेश्वरी, उज्जैन

आमजन ने भी कहा माहेश्वरी श्रेष्ठ

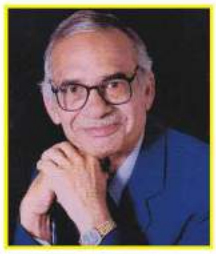

किसी माहेश्वरी बन्धु से यदि प्रश्न किया जाय कि संस्कार, आचार-विचार, खान-पान, रहन-सहन, शिक्षा-दीक्षा, दान-पुण्य, धन-सम्पदा, व्यापार, उद्योग एवं विश्वसनीयता के मापदण्ड को दृष्टिगत रखते हुए- देश में सर्वश्रेष्ठ समाज या जाति कौन सी है? इस प्रश्न के उत्तर में यदि वह कहता है - माहेश्वरी समाज तो उसके इस कथन का कोई अर्थ नहीं होगा। यह तो अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनने वाली बात ही कहलायेगी, लेकिन यदि यही बात अन्य समाज के संभ्रांत एवं प्रबुद्ध लोग कहते हैं, तो फिर आप इसे क्या मानेंगे? निश्चित ही दूसरे समाज के लोगों का हमारे समाज के प्रति ऐसा सोचना हमारे लिए अत्यन्त प्रसन्नता और गौरव की बात होगी।

ऐसे आया सर्वेक्षण का विचार

विगत पैंतीस वर्षों से मैं पीएच.डी. के लिए शोध कार्य में संलग्न छात्र-छात्राओं का शोध निदेशक हूँ। प्रोफेसर एवं प्राचार्य के पद से सेवा निवृत्त होने के बाद भी मेरा यह कार्य सतत् चालू है। आज से लगभग चार वर्ष पूर्ण जब मैं एक शोध छात्रा को सर्वेक्षण हेतु प्रश्नावली तैयार करा रहा था तो उसी समय मेरे दिमाग में विचार आया कि क्यों न सर्वेक्षण द्वारा यह बात जानी जाए कि दूसरे समाज के लोगों की माहेश्वरी समाज के लोगों के प्रति कैसी सोच है, वे माहेश्वरी समाज को किस नजरिया से देखते हैं?

छह राज्यों के 500 लोगों के विचार

अपने विचार को मूर्तरूप लेने के लिए एक प्रश्नावली तैयार की तथा समय, श्रम और व्यय को दृष्टिगत रखते हुए मैंने सर्वेक्षण हेतु केवल मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात एवं उत्तरप्रदेश, छः राज्यों का चयन किया। इन राज्यों के 500 ऐसे गैर माहेश्वरियों से जिनका माहेश्वरी परिवारों से निकटता हो या उनके बारे में पूरी जानकारी रखते हों, के विचार जानने का लक्ष्य रखा। सर्वेक्षण के लिए दस जातियों को चुना गया। जिसमें नौ सवर्ण तथा एक ओ.बी.सी श्रेणी की थी। सर्वेक्षण में जो जाति ओ.बी.सी. की ली, वह भी सवर्ण की तरह ही है किन्तु राजनैतिक दबाब के कारण उसे ओ.बी.सी. घोषित कर रखा है। सभी दस जातियों में से नौ हिन्दू धर्म को मानने वाली तथा एक अन्य धर्म की अनुयायी है।

40 माह तक सतत किया सर्वेक्षण

सर्वेक्षण मैंने पूरी तरह तटस्थ भाव से माहेश्वरी होने का चश्मा उतार कर किया। साथ ही जिन 500 गैर माहेश्वरियों से साक्षात्कार लिया उन्हें जरा भी इस बात की भनक नहीं लगने दी कि मैं स्वयं माहेश्वरी परिवार से हूँ। 500 लोगों के साक्षात्कार के लिए मुझे 1600 से अधिक लोगों से सम्पर्क करना पड़ा क्योंकि साक्षात्कार केवल उन लोगों से लेना था जिनकी माहेश्वरियों से निकटता है, जो उन्हें भली-भाँति जानते हो। सर्वेक्षण कार्य में लगभग 40 माह लगे। सर्वेक्षण के पूर्व मेरा सोच था कि यह कार्य सरल होगा किन्तु यह बहुत श्रम साध्य और कठिन साबित हुआ। सर्वेक्षण के बीच में मेरे मन में विचार भी आया कि मैंने कौन सा सिर दर्द अपने ऊपर स्वयं ही ओढ़ लिया किन्तु अपने जुनूनी स्वभाव के कारण मैं उसे मूर्तरूप दे सका। इसे मैं अपनी बहुत बड़ी उपलब्ध मानता हूँ।

अधिकांश ने कहा माहेश्वरी सर्वश्रेष्ठ

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि उन 500 व्यक्तियों में से 459 व्यक्ति यानी 92 प्रतिशत लोगों ने मैंने जो मापदण्ड बनाया था उस आधार पर माहेश्वरी समाज या जाति को सर्वश्रेष्ठ बताया। दूसरे समाज या जाति के लोगों का हमारे माहेश्वरी समाज के प्रति इस प्रकार की सोच, धारणा, विचार या नजरिया रखना निश्चित ही हमारे लिये सम्मान, प्रतिष्ठा और गौरव की बात है और हमें उनके विश्वास, हमारे गौरव और हमारी श्रेष्ठता तथा स्वाभिमान को बनाए रखना है।

अन्त में कहना चाहूँगा -

स्वजाति का स्वाभिमान होना चाहिए
भाई सा स्नेह होना चाहिए।
हर माहेश्वरी बन्धु महेश का ही अंश हैं
फिर भाई की पीड़ा का भी अहसास होना चाहिए।

मधुमेह रोगियों का वरदान दालचीनी

वैसे तो दालचीनी को किचन में उपयोग में आने वाला एक मसाला माना जाता है। लेकिन आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह अपने आप में मधुमेह रोगियों द्वारा लिए जाने वाले इंसुलिन से कम नहीं है।

कैलाशचन्द्र लढ़ा

दालचीनी से शायद ही कोई अनजान होगा, दालचीनी सब्जियों का जायका बढ़ाकर भोजन को सुस्वाद बनाने वाला विशिष्ट मसाला है। जो गरम मसाले के अवयवों में से एक है। पीसे हुए गरम मसालों में तो इसे पृथक पहचाना नहीं जा सकता, लेकिन खड़े (बिना पीसे) गरम मसाले में यह अलग दिखाई देती है। इसका नाम चाहे दालचीनी हो लेकिन यह न तो दाल की तरह है न ही चीनी की तरह। यह मसाले में लकड़ी के टुकड़ों की तरह दिखाई देती है। पतली मुलायम, चमकदार, सुगंधित और चबाने में गरमाहट तथा मिठास उत्पन्न करने वाली दाल चीनी श्रेष्ठ मानी जाती है। इसके पत्तों को ही तेज पत्र कहते हैं।

श्वसन तंत्र पर अत्यंत प्रभावी

यह वात-पित्त नाशक, मुंह का सूखना और प्यास को कम करने वाली होती है। दालचीनी की क्रिया श्वसन संस्थान पर अधिक होती है। यह कफ, जुकाम, क्षय (टीबी) को नष्ट करती है। यह उत्तेजक, दर्दनाशक तथा स्नायु संस्थान में उत्तेजना लाने वाली, भूख बढ़ाने वाली, पाचक, अरुचि, उल्टी रोकने वाली, पेट के कीड़ों को नष्ट करने वाली, मल को गाढ़ा करने वाली, दस्त बंद करने वाली, बदबूनाशक तथा गैस निकालने वाली है। यह त्वचा को निखारती है तथा खुजली के रोग को भी दूर करती है।

मधुमेह में इंसुलिन का काम

दालचीनी में शरीर की रक्त शर्करा के स्तर को कम करने की अद्‌भुत क्षमता है। कारण यह है कि यह प्राकृतिक रूप से शरीर में इंसुलिन के उत्पादन में वृद्धि करती है। अतः यदि इसे नियमित आधार पर मधुमेह रोगियों द्वारा लिया जाए, तो दालचीनी में इंसुलिन जैसे गुण रखती हैं। यह मसाला इतना शक्तिशाली है कि यह वास्तव में इंसुलिन के लिए सस्ते विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह सबसे अधिक द्वितीय प्रकार के मधुमेह से पीड़ित लोगों के लिए प्रभावी है। दालचीनी जैव सक्रिय घटक है। यहां तक कि यह इस रोग की शुरुआत को भी रोक सकता है।

कई रोगों में रामबाण

पालक ठंडा होता है। पालक में दालचीनी डालने से इसकी ठंडी प्रकृति बदल जाती है। इसी प्रकार दूसरे ठंडे पदार्थों की प्रकृति बदल जाती है। इसी प्रकार अन्य शीतल पदार्थों की प्रकृति दालचीनी डालकर बदल सकते हैं। दालचीनी का तेल दर्द, घावों और सूजन को नष्ट करता है। सिर दर्द के लिए यह बहुत ही गुणकारी औषधि होती है। दालचीनी का तेल 1 से 4 बूंद तक काम में लेते हैं। यह त्वचा के लिए कंडीशनर का काम करता है। चेहरे पर दालचीनी का शहद पैक लगाएं झुरियां नहीं पड़ेंगी। दालचीनी में लिए वसा नियंत्रण की क्षमता हैं। शरीर में पर्याप्त दालचीनी हो तो वसा कोशिकाएँ को आसानी से विकसित नहीं होगी। अतः दालचीनी को वजन घटाने वाली दवा भी माना जा रहा है, क्योंकि यह मुख्य रूप से पाचन तंत्र की सफाई का कार्य करता है। मसाले के रूप में बैक्टीरिया कवक हटाने में मदद कर सकती हैं और पेट आंतों से परजीवी दूर करने के लिए खाना बेहतर है। दालचीनी उदर रोगों, अतिसार, ग्रहणी, अफारे, दस्त, कब्ज, भूख ना लगना, वमन, पेट दर्द आदि में लाभकारी है। दालचीनी ट्राइगिल्सराइड को भी करती है और शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी कम करती है। गरम जैतून के तेल में एक चम्मच शहद और एक चम्मच दालचीनी का पावडर डालकर पेस्ट बनाएं और बालों में लगाएं। एक घंटे बाद सिर धो लें। इससे बाल झड़ना रुक जाएंगे। इसका सेवन रोग प्रतिरोधक शक्ति और आयु को बढ़ाता है। दालचीनी का एक छोटा टुकड़ा रोजाना सुबह चबाने से हकलाने में लाभ होता है। संविधात में दालचीनी के काढ़े का सेवन करने से लाभ होता है। दालचीनी के चूर्ण को शहद में मिलाकर लगाने से दर्द में आराम मिलता है। दालचीनी का तेल या इससे लेप या तेज पत्ते के पत्तों को पीसकर बनाए गए लेप से सिर दर्द में आराम मिलता है।

इसका रखें ध्यान

दालचीनी की तासीर गर्म होती है। अतः गर्मी के मौसम में इसका कम से कम मात्रा में उपयोग करना चाहिए। दालचीनी का सेवन लंबे समय तक व अधिक मात्रा में नहीं करना चाहिए। यह गर्भवती स्त्री के लिए हानिकारक होती है। गर्भवती स्त्रियों को इसे नहीं लेना चाहिए अथवा कम मात्रा में लेना चाहिए। दालचीनी का तेल तीक्ष्ण और उग्र होता है। इसलिए इसे आंखों के पास न लगाएं।

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- यह माह आपको व्यापार में अनुकूलता, नौकरी में इच्छानुसार परिवर्तन, कार्यों में सफलता विद्यार्थी वर्ग को प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता तथा खुशी देगा। अचानक यात्रा होगी, नये कार्य करेंगे। सामाजिक, धार्मिक उत्सवों में भाग लेंगे। आमोद-प्रमोद पर खर्च करेंगे। शुभ समाचार प्राप्त होगा, जीवन साथी से वैचारिक मतांतर रहेंगे। वाद-विवाद से दूर रहें, हानि उठना पड़ सकती है। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे, मित्र और परिवारजनों से सहयोग मिलेगा।

वृषभ- यह माह आपके लिये परेशानीदायक रहेगा, तनाव बना रहेगा। फिर भी शुभ समाचार मिलेंगे। न्यायिक प्रकरणों में सफलता मिलेगी, सम्पत्ति विवाद दूर होंगे। नौकरी में परेशानी बढ़ेगी। स्थानांतरण होगा, पिता से वैचारिक मतांतर रहेंगे, यात्रा और भागदौड़ अधिक बनी रहेगी। वाहन, मकान लेने का विचार बनेगा। संतान सुख एवं संतान के कार्यों से खुशी मिलेगी। मनोरंजन, विलासिता पर खर्च करेंगे, यश, मान सम्मान, प्रतिष्ठा प्राप्त होगी।

मिथुन- यह माह आपके लिये अनुकूल रहेगा। व्यापार से लाभ होगा, शुभ समाचार, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता, विरोधी परास्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। रुके कार्य पूरे होंगे। जीवन साथी का पूरा सहयोग मिलेगा। घर में प्रसन्नता व आनंद का माहौल रहेगा। यात्रा होगी, राजकीय कार्यों में लाभ, मन प्रसन्न रहेगा। प्रियजनों से भेंट होगी, मित्रों का सहयोग, उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। रुका धन मिलेगा, किंतु स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देवे, खर्च बढ़ेगा।

कर्क- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। मित्रों से भेंट होगी, संतान के कार्यों से खुशी मिलेगी। राजकीय कार्य पूरे होंगे, वाहन क्रय करेंगे। मेहमान आने प्रसन्नता प्राप्त होगी। खर्च बढ़ेगा, जीवन साथी से स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा। परिवारजनों के साथ घूमने-फिरने में समय व्यतीत होगा। लंबी यात्रा के योग, धन लाभ होगा। क्रोध से बने कार्य बिगाड़ लेंगे। विपरीत योनी की ओर रुझान बना रहेगा, सावधानी बरतें चोट लगने के योग बनते हैं। विरोधी सक्रिय बने रहेंगे।

सिंह- यह माह आपके लिये लाभदायक रहेगा। मित्रों का सहयोग धन व धन लाभ होगा। सम्पत्ति विवाद दूर होंगे। शुभ समाचार मिलेगा। भूमि भवन संबंधी कार्यों में लाभ, दाम्पत्य सुख प्राप्त होगा। संतान के कार्यों में आनंद, खुशी मिलेगी। अधिकारियों से सहयोग, यात्रा होगी। किसी पर भी एकदम विश्वास न करें, लेनदेन में सेवाधानी बरते। शत्रु से सावधानी बरतें। पिता से वैचारिक मतांतर बने रहेंगे। परिवारजनों से सहयोग नहीं के बराबर प्राप्त होगा। भागदौड, अधिक बनी रहेगी, स्वास्थ्य का ध्यान विशेष रखें।

कन्या- इस माह आपको न्यायालयी प्रकरणों में सफलता मिलेगी। रुका हुआ धन मिलेगा, सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों पर खर्च करेंगे। व्यस्तता एवं आय बढ़ेगी, विशिष्ट लोगों के संपर्क का लाभ मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें, भाइयों से विवाद के कारण मन दुःखी रहेगा। भूमि खरीदने का विचार बनेगा, रुके कार्य पूरे होंगे। आय की अपेक्षा खर्च अधिक बढ़ेगा। बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। यात्रा में परेशानी उठाना पड़ेगी।

तुला- यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। भागदौड़ बनी रहेगी। खर्च अधिक होगा। विशिष्ट लोगों से भेंट होगी। व्यापार से लाभ, शुभ समाचार प्राप्त होगा। घर में उत्साह, आनंद बना रहेगा। विपरीत योनी की ओर रुझान बना रहेगा। शत्रु से परेशानी बनी रहेगी। संतान की ओर से मानसिक तनाव रहेगा। रुके कार्य पूरे होंगे, माता-पिता का सहयोग, जीवन साथी से विवाद दूर होंगे। जल्दबाजी में कार्य न करें, क्रोध पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायी रहेगा। संतान की ओर से चिंता बनी रहेगी। घर में शुभ कार्य होगा। मन प्रसन्न रहेगा। नये मेहमान के आने की खुशी, यात्रा में परेशानी रहेगी। न्यायालयीन प्रकरण में सफलता, मन के कार्य पूरे होंगे। संपत्ति विवाद से परिवारजनों से मन-मुटाव रहेगा। किसी का सहयोग नहीं मिलेगा। व्यापार भी सामान्य रहेगा, खर्च की अधिकता रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु- यह माह आपके लिये उन्नति का कारक रहेगा। व्यस्तता बढ़ेगी, कोर्ट-कचहरी के कार्यों में सफलता मिलेगी। संतान सुख प्राप्त होगा, धन और यश मिलेगा। सुख-समृद्धि बढ़ेगी, जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। मौज-मस्ती में समय व्यतीत होगा। सामाजिक एवं धार्मिक, कार्यों में रुचि बढ़ेगी। शुभ समाचार मिलने से खुशी होगी। शत्रु परास्त होंगे, व्यय की अधिकता रहेगी। पिता से वैचारिक मतांतर रहेंगे। वाहन आदि पर खर्च करेंगे।

मकर- यह माह आपके लिये समृद्धि दायक रहेगा। लंबी यात्रा होगी, व्यापार से लाभ होगा। मुकाबले में सफलता, स्थान परिवर्तन होगा। भाई का सहयोग मिलेगा। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। महिला वर्ग से सहयोग, शत्रु से सावधानी बरतें। संतान की ओर से खुशी मिलेगी। परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी, जिससे आप गर्व महसूस करेंगे। दाम्पत्य सुख की प्राप्ति, धर्म में रुचि बढ़ेगी। वाद-विवाद से बचें।

कुंभ- यह माह आपके लिये सफलता दायक रहेगा, बिगड़े कार्य पूरे होंगे। व्यापार से लाभ, मन प्रसन्न रहेगा। शुभ समाचार मिलेगा। मनोवांछित सफलता मिलेगी, संतान की सफलता से परिवार में खुशी वातावरण रहेगा। शत्रु परास्त होंगे, स्थान परिवर्तन का भय बना रहेगा। वाहन पर खर्च करेंगे। आय से अधिक व्यय होगा। विद्यार्थी वर्ग को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। किंतु परिश्रम के बाद उदर विकार से परेशान रहेंगे। स्वास्थ्य पर ध्यान देवें।

मीन - यह माह आपके लिये पराक्रम में वृद्धिदायक रहेगा। कार्यों में सफलता, नौकरी में इच्छानुसार परिवर्तन व अचानक यात्रा होगी। पुराने मित्रों से भेंट होगी। नये संपर्क से सुखी मिलेगी। समय अनुकूल रहेगा, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी, विद्यार्थी को परीक्षा में सफलता मिलेगी। जीवन साथी का पूर्ण सहयोग एवं गृह सुख प्राप्त होगा। मेहमानों के आने से खुशी मिलेगी। संतान की ओर से मानसिक तनाव एवं परिवारजनों से वैचारिक मतांतर बनेंगे, विपरीत योनी की ओर रुझान बना रहेगा।

श्री लीलाधर राठी

दुर्ग। समाज के वयोवृद्ध सदस्य श्री लीलाधर राठी का 95 वर्ष की अवस्था में गत दिनों देहावसान हो गया। आप ख्यात समाजसेवी कुंजीलाल राठी, अखिल भारतीय कार्यसमिति सदस्य व भिलाई गर्ल्स व बॉयज हॉस्टल ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी मोहन राठी व मुरलीधर राठी के पिताश्री थे। आपकी अंतिम यात्रा में समाज व उद्योग जगत के कई गणमान्यजनों ने शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रीमती रामकंवरीदेवी बिन्नानी

बीकानेर। श्री बिन्नानी पंचायती ट्रस्ट के पूर्व ट्रस्टी कर्मठ समाजसेवी श्री कन्हैयालाल बिन्नानी की धर्मपत्नी श्रीमती रामकंवरीदेवी बिन्नानी का स्वर्गवास 23 अप्रैल को हो गया है। आप सरल स्वभाव एवं धार्मिक विचारों की महिला थीं व अपने पीछे तीन पुत्रों दो पुत्रियों तथा पौत्र-पौत्री से भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती दुर्गादेवी मुंधड़ा

भाटापारा। प्रतिष्ठित उद्योगपति दुर्गादास मुंधड़ा की धर्मपत्नी श्रीमती दुर्गादेवी का हृदयगति रुक जाने से गत दिनों 82 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। आप गंगादास व वसंत तापड़िया (रायपुर) की बहन थीं। आप अपने पीछे पुत्र अरुण, तरुण, संतोष आदि का पौत्र-पौत्री से भरापूरा शोकाकूल परिवार छोड़ गई हैं।

श्री प्रकाश नारायण राठी

अमरावती। समाज सदस्य राजेश राठी के पिता अधिवक्ता प्रकाश नारायणदास राठी का 68 वर्ष की अवस्था में गत 21 अप्रैल को निधन हो गया। आप अपने पीछे पत्नी वीणा, दो विवाहित बहने विजया भांगडिया अमेरिका व डॉ. संजीवनी गट्टानी जोधपुर, पुत्र राजेश, पुत्र वधू साक्षी व दो नन्हीं पोतियों का भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

श्रीमती रामेश्वरी देवी काबरा

ब्यावर। समाज की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती रामेश्वरी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री मदनलाल जी काबरा का गत 24 मई को स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे ओमप्रकाश काबरा, रमेश, सुरेश, अजय, विजय, राजेंद्र, विशाल, दीपक आदि का पौत्र-प्रपौत्र आदि से भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

बेटियों ने दिया पिता को कंधा

जलगांव। ग्राम छिपावड़ जिला हरदा (मप्र) के 91 वर्षीय वरिष्ठ श्री किसनलाल मूंदड़ा का गत दिनों जलगांव में देहावसान हो गया। आप जलगांव में ही निवास करते थे। 6 बेटियां व 2 बेटों का भरापूरा परिवार था, लेकिन दोनों पुत्रों का देहावसान हो चुका था। अतः श्री मूंदड़ा का स्वर्गवास हुआ तो कांधा देने के लिए बेटियाँ आगे आईं। उन्होंने पिता की अंतिम यात्रा में शामिल होकर उन्हें अंतिम विदाई दी।

दिवंगत आत्माओं को
'श्री माहेश्वरी टाईम्स' परिवार
की ओर से अश्रुपूरित श्रद्धांजलि...।

Somani
Ispat Private Limited

Sanjay Somani 92465-34957
Sudhir Somani 98490-24065
Aakash Somani 99080-99081

11-6-27/1, 2&3, Opp. IDPL Factory, Balanagar, Hyderabad-500037
Ph. : 23777078, 23778375, 23772411, Resi. 27903868, **E-mail :** contact@somanisteel.com

Authorised Dealer of :
SAIL, VSP, JINDAL & LLOYD, JSW

HR Coil/TMT De-colling Unit & Godown at

Decolling Facility for 2-6 MTS to 25mm thick upto 2.5 mtr. width

Survey No. 76/2, Gondlapocharripally, Near Kompally, Hyderabad
Ph. : 23464041/2, Cell : 077022-66065

Branch : **Somani Ispat Pvt. Ltd.**
Plot No. 198/2, Block-D, Auto Nagar, Visakhapatnam (A.P.)-530012,
E-mail : vizag@somanisteel.com
Gajadhar Gaggar (90003-04058)
Dinesh Gaggar (90003-04044)

ISI &ISO Approved HDG Partner Maker
Maheshwari Fasteners & Bright Pvt. Ltd.

Mahender Rathi (92468-87753)
Plot No. 152, 154, Medchal Estate-501401,
Ph. : 08418-224066, Fax : 08418-224443

Manufactured of MS & HDG Fasteners

सिंहस्थ
कुंभ महापर्व उज्जैन
22 अप्रैल से 21 मई 2016
सिंहस्थ कुंभ महापर्व 2016
विक्रम संवत् 2073
अतिथि देवो भवः की संस्कृति के साथ,
उज्जैन, मध्यप्रदेश
तैयार श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए
स्थायी निर्माणों के साथ
उज्जैन का ऐतिहासिक विकास
उज्जैन, आस्था और विश्वास के विशाल समागम सिंहस्थ, कुंभ के लिये पूर्णतः तैयार है। महाकाल भगवान की नगरी में पधारे सभी श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत है। हम सब मिलकर सिंहस्थ के सफल आयोजन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।
शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री
क्षिप्रा नदी पर 7 पुल
• नृसिंह घाट
• बड़े पुल के समानान्तर पुल
• ऋण मुक्तेश्वर
• ओखलेश्वर
• मंगलनाथ मंदिर के पीछे
• कमेढ़ नाले पर
• शांति पैलेस के पीछे
5 रेलवे ओव्हर ब्रिज
• चिंतामण रेलवे क्रॉसिंग
• एम.आर.-10 विक्रम नगर
• एम.आर.-5 डालडा फैक्ट्री
• जीरो पाईंट (फ्रीगंज से आगर रोड)
• मंगरोला के पास से बड़नगर रोड
2 फ्लाईओव्हर
• चिंतामण रोड (इनर रिंग रोड पर)
• बड़नगर रोड (इनर रिंग रोड पर)
D 79121
क्षिप्रा तट पर स्नान के लिए 8 किलोमीटर लंबाई के घाट उपलब्ध
क्षिप्रा के तट पर अमृत का मेला
हरित सिंहस्थ - स्वच्छ सिंहस्थ | हमारा गौरव - सिंहस्थ महापर्व

सिंहस्थ
कुंभ महापर्व 2016
विक्रम संवत् 2073

आभार...

आप सभी के सहयोग से सिंहस्थ अपने आध्यात्मिक वैभव के साथ सम्पन्न हो गया। देश-विदेश से पूरे माह श्रद्धालु उज्जैन आए और मोक्षदायिनी क्षिप्रा में पुण्य-स्नान किया। एक छोटे नगर में करोड़ों श्रद्धालुओं और साधु-संतों का धर्मलाभ ले सकना बताता है कि उज्जैन के कंकर-कंकर में शंकर का निवास है। सभी ने बाबा महाकाल से आशीर्वाद प्राप्त किया।

उज्जैनवासियों ने 'अतिथि देवो भव' की परम्परा को निभाते हुए सिंहस्थ में आए श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी। शासकीय कर्मचारियों और अधिकारियों के सक्रिय सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सका। यह सिंहस्थ क्लीन, ग्रीन होने के साथ ही आधुनिकतम सुविधाओं से सम्पन्न रहा। साधु-संतों और सभी अखाड़ों ने सिंहस्थ में धार्मिक-सांस्कृतिक वातावरण को शिखर पर पहुंचाया। देश के हर कोने से आये श्रद्धालुओं ने लघु भारत ही जीवंत किया। सिंहस्थ के दौरान मीडिया और स्वैच्छिक संगठनों का बहुत ही सकारात्मक सहयोग हमें मिलता रहा।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अंतर्राष्ट्रीय विचार महाकुंभ में उपस्थित होकर पूरी दुनिया को 51 सूत्रीय सार्वभौम संदेश जारी कर सिंहस्थ की विचार परम्परा को पुनर्जीवित किया। विश्व शांति की दिशा में यह आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

मैं आप सभी के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

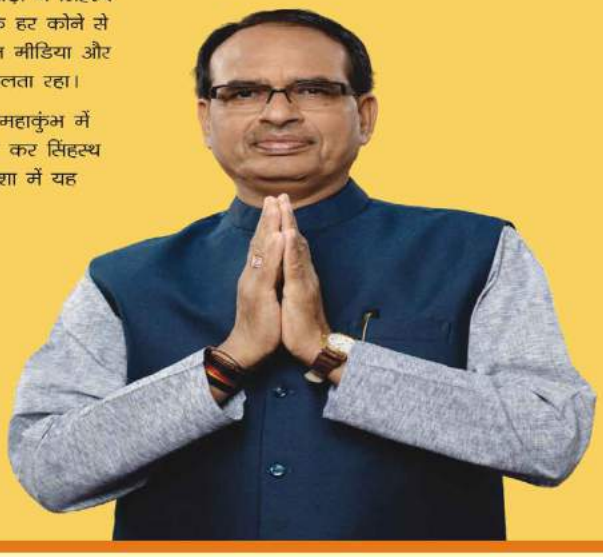

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2016

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 June, 2016

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com